ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

येलो मेट्रो के उद्घाटन के दौरान मोदी बेंगलूरु में भव्य रोड शो करेंगे @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 06 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-216

भौगोलिक सीमाएं अब आतंकियों को नहीं बचा सकतीं : सीडीएस

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीडीएस ने दुश्मनों को बता दिया भारतीय सेना का नया नियम

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां) । चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने आधुनिक युद्धकला में आए बदलावों पर जोर देते हुए कहा कि अब राष्ट्र बिना औपचारिक युद्ध घोषणा के राजनीतिक उद्देश्यों को हासिल करने के लिए बल प्रयोग कर रहे हैं। एक सुरक्षा मंच पर बोलते हुए, उन्होंने हाल ही में भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर को इसका उदाहरण बताया और दुश्मनों को सख्त चेतावनी दी।

सीडीएस चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक तेज गति और उच्च प्रभाव वाला सटीक हमला था, जिसे किसी क्षेत्र पर कब्जा करने या नागरिकों को निशाना बनाने के लिए नहीं, बल्कि कम समय में निर्णायक प्रहार करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन गति और प्रभावशीलता पर आधारित था, जिसने पारंपरिक युद्ध की अवधारणा को चुनौती दी।

चौहान ने बिना पाकिस्तान का नाम लिए स्पष्ट किया कि भौगोलिक सीमाएँ अब आतंकवादी तत्वों को बचा नहीं सकतीं। उन्होंने चेतावनी दी, आतंकवादी अब कहीं भी नहीं छिप सकते, चाहे वे पाकिस्तान की सीमा के अंदर हों। हम उन्हें निशाना बनाएंगे।

आधुनिक युद्ध : गति और सटीकता का नया युग

भारतीय सेना किसी भी हिंसक कार्रवाई के खिलाफ निर्णायक जवाब देने के लिए तैयार है। जनरल चौहान ने आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब युद्ध और शांति के बीच की रेखा धुंधली हो रही है। उन्होंने दो प्रमुख रुझानों का उल्लेख किया कि औपचारिक युद्ध घोषणाओं का अभाव: राष्ट्र अब बिना युद्ध की घोषणा किए अपने राजनीतिक लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने के लिए सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं। युद्ध और शांति का घटता अंतर: संघर्ष अब औपचारिक घोषणाओं से शुरू नहीं होते, बल्कि सटीक और त्वरित कार्रवाइयों पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा, हम अब सिर्फ 500 किलो के बमों पर निर्भर नहीं रह सकते। अब समय है अधिक भारी, अधिक प्रभावी और सटीक पेलोड का, जो लक्ष्य को सटीकता से भेद सकें।

चौहान ने जोर देकर कहा कि युद्ध और राजनीति का गहरा संबंध है, और ऑपरेशन सिंदूर जैसे मिशन इस नए दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। यह ऑपरेशन पारंपरिक लंबी लड़ाइयों या बड़े बमों से हटकर एक नई रणनीति का प्रतीक है, जिसमें सटीकता और गति पर जोर दिया जाता है। ▶10पर

पीएम मोदी का विपक्ष पर तीखा वार

बहुत फजीहत हुई पछता रहा होगा

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां) । एनडीए संसदीय दल की बैठक आज पूरी तरह 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता, राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों और विपक्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीखे प्रहार के इर्द-गिर्द केंद्रित रही। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक में विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस की माँग कर विपक्ष ने खुद की बहुत फजीहत करवा ली और अब शायद पछता रहा होगा।

बैठक में एनडीए सांसदों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के वीर जवानों को सलाम करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले में शहीद पर्यटकों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की गई। प्रस्ताव में कहा गया कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव में सेना ने अदम्य साहस का परिचय दिया, जो देश की सुरक्षा के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक है।प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा, उनका बचपना अब तक गया नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने भी 4 अगस्त को जो टिप्पणियाँ की हैं, वह बहुत बड़ी बात है। ये तो आ बैल मुझे मार वाली हालत हो गई है। पीएम के इस बयान पर सभा में ठहाके और तालियाँ गूँज उठीं।

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर एनडीए में उत्सव

प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं का भी ज़िक्र हुआ। अमेरिका द्वारा टीआरएफ को विदेशी आतंकी संगठन घोषित करना, ब्रिक्स और क्वाड देशों द्वारा पहलगाम हमले की निंदा और पाकिस्तान को आड़े हाथों लेना - ये सब भारत की कूटनीतिक जीत के रूप में गिना गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह की प्रशंसा करते हुए कहा, लालकृष्ण आडवाणी जी के बाद सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री के पद पर अमित शाह रहे हैं। और यह तो अभी शुरुआत है। साथ ही सांसदों से अपील की कि वे खेल दिवस और तिरंगा यात्रा जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाएँ और जनता को भी जोड़ें।बैठक के दौरान महिला सांसदों को पहली पंक्ति में बैठाया गया और नए सांसदों का पीएम मोदी से परिचय कराया गया। सभा 'हर हर महादेव' और 'भारत माता की जय' के नारों से गूंजती रही।अंत में प्रस्ताव में पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा गया कि उनके दूरदर्शी और दृढ़ नेतृत्व ने देश को नई दिशा दी और जनमानस में एकता, अखंडता और गर्व की भावना जाग्रत की।

ट्रंप की भारत पर टैरिफ बढ़ाने की नई धमकी अगले 24 घंटों में होगी भारी वृद्धि

टैरिफ की धमकी अनुचित : भारत

क्रेमलिन का समर्थन: संप्रभुता का अधिकार

वाशिंगटन/ नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को भारत पर टैरिफ में और वृद्धि की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगले 24 घंटों में भारत पर पहले से घोषित 25 प्रतिशत टैरिफ की दर में भारी संशोधन किया जाएगा। यह बयान ट्रंप ने सीएनबीसी को दिए एक साक्षात्कार में दिया, जिसमें उन्होंने भारत के रूस के साथ व्यापार, खासकर तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद को रूसी युद्ध मशीन को बढ़ावा देने वाला बताया।

ट्रंप ने कहा, भारत में सबसे ज्यादा टैरिफ हैं। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं। हमने 25 प्रतिशत टैरिफ पर सहमति दी थी, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा। उन्होंने भारत के रूस से तेल खरीदने को लेकर आलोचना करते हुए दावा किया कि यह रूस के यूक्रेन युद्ध को समर्थन दे रहा है। ट्रंप ने पहले ही 7 अगस्त से भारत के निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ और रूस के साथ व्यापार के लिए एक अघोषित जुर्माने की घोषणा की थी।

भारत ने ट्रंप की इस धमकी को अनुचित और अविवेकपूर्ण करार दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने बताया कि यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद भारत ने रूस से तेल आयात शुरू किया, क्योंकि पारंपरिक आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी। उस समय अमेरिका ने ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों की स्थिरता के लिए भारत के इस कदम को प्रोत्साहित किया था।

जायसवाल ने आंकड़ों के साथ पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड को उजागर किया कि यूरोपीय संघ ने 2024 में रूस के साथ 67.5 अरब यूरो का माल व्यापार और 2023 में 17.2 अरब यूरो का सेवा व्यापार किया। यूरोप ने 2023 में रूस से 16.5 मिलियन टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात की। अमेरिका रूस से यूरेनियम, पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात करता है।

रूस ने भारत के रुख का समर्थन करते हुए अमेरिका की धमकी को अवैध बताया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस के हवाले से कहा, संप्रभु देशों को अपने व्यापारिक साझेदार चुनने और आर्थिक सहयोग व्यवस्था तय करने का अधिकार है। अमेरिका की धमकियां जायज नहीं हैं।

रूसी मीडिया ने भारत के स्टैंड की सराहना की। रशिया टुडे ने इसे पश्चिमी पाखंड पर भारत का पलटवार करार दिया, जिसमें भारतीय विदेश मंत्रालय के बयान को प्रमुखता दी गई। आर्टिकल में कहा गया कि भारत ने आंकड़ों के साथ अमेरिका और यूरोप के रूस के साथ व्यापार को उजागर कर उनके दोहरे रवैये को बेनकाब किया।

भारत ने जवाबी टैरिफ लगाने के बजाय बातचीत का रास्ता चुना है। ▶10पर

उत्तराखंड के धराली में बादल फटने से भारी तबाही, 4 की मौत, 50 से अधिक लापता

पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह ने जताया दुख

उत्तरकाशी, 05 अगस्त (एजेंसियां) । उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में मंगलवार को खीर गंगा नदी में बादल फटने से आई विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 4 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 50 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। कई घर, होटल और दुकानें मलबे और बाढ़ की चपेट में आकर पूरी तरह तबाह हो गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात कर स्थिति की जानकारी ली है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, उत्तरकाशी के धराली में हुई इस त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही सभी पीड़ितों की कुशलता की कामना करता हूं। राज्य सरकार की निगरानी में राहत और बचाव की टीमें हरसंभव प्रयास में जुटी हैं। लोगों तक मदद पहुंचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मुख्यमंत्री धामी से बात कर घटना की जानकारी ली और केंद्र की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, आईटीबीपी की 3 टीमें और एनडीआरएफ की 4 टीमें घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुटी हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस हादसे को हृदय विदारक बताते हुए कहा, उत्तराखंड सरकार और राहत बचाव दल पीड़ितों की सहायता के लिए पूरी तत्परता से जुटे हैं। प्रदेश के सभी भाजपा कार्यकर्ता इस संकट की घड़ी में पीड़ितों की हरसंभव मदद के लिए संलग्न हैं।

▶10पर

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के मेडिकल प्रवेश के लिए डोमिसाइल नियम पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तेलंगाना सरकार की याचिका सहित अन्य याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा, जिसमें राज्य के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए डोमिसाइल नियम को रद्द करने वाले आदेश को चुनौती दी गई थी।

तेलंगाना सरकार ने तेलंगाना मेडिकल और डेंटल कॉलेज प्रवेश (एमबीबीएस और बीडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश) नियम, 2017, जो 2024 में संशोधित किए गए, के तहत केवल उन छात्रों को राज्य कोटा के तहत मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में प्रवेश का हकदार माना, जिन्होंने कक्षा 12 तक पिछले चार वर्षों तक राज्य में पढ़ाई की हो।

तेलंगाना हाई कोर्ट ने माना कि राज्य के स्थायी निवासियों को केवल इसलिए मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता, क्योंकि वे कुछ समय के लिए राज्य के बाहर रहे।

मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने दोनों पक्षों के विस्तृत तर्क सुने, जिसमें तेलंगाना सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी शामिल थे।

चार साल के डोमिसाइल नियम का बचाव करते हुए सिंघवी ने कहा कि एक बार डोमिसाइल नियम स्थापित हो जाने के बाद, एक सीमा अनिवार्य हो जाती है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना एक सरकारी आदेश पर निर्भर करता है, जिसे राष्ट्रपति के आदेश का समर्थन प्राप्त है, और केवल राज्य सरकार ही स्थायी निवास को परिभाषित कर सकती है।

मुख्य न्यायाधीश ने नियम के व्यावहारिक परिणामों की ओर इशारा किया और उदाहरण देते हुए कहा, यदि एक तेलंगाना जज का तबादला बिहार हो जाता है और उसका बेटा कक्षा 9, 10, 11 और 12 में बिहार में पढ़ता है, तो वह लड़का अपने गृह राज्य में प्रवेश पाने से वंचित हो जाएगा।

उन्होंने आगे कहा, मान लीजिए एक छात्र तेलंगाना में पैदा हुआ और पला-बढ़ा, लेकिन केवल कक्षा 10 और 11 के लिए कोटा में कोचिंग के लिए चला गया। या तेलंगाना का एक आईएएस अधिकारी दिल्ली में तैनात है, जिसका बच्चा दो साल तक राज्य के बाहर पढ़ता है। क्या ऐसे बच्चों को अयोग्य ठहराया जाना चाहिए?

न्यायमूर्ति चंद्रन ने कहा, यदि कोई व्यक्ति चार साल तक तेलंगाना में निष्क्रिय रहता है, तो वह योग्य हो जाता है। लेकिन जो पढ़ाई के लिए बाहर जाता है, वह नहीं। क्या यह एक विसंगति नहीं है?सिंघवी ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट ने स्थायी निवासी शब्द गढ़ा, जिसे परिभाषित करने का अधिकार केवल राज्य के पास है।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 20 सितंबर को हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें कहा गया था कि स्थायी निवासियों या राज्य में डोमिसाइल वाले लोगों को केवल इसलिए मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश से वंचित नहीं किया जा सकता, क्योंकि वे कुछ समय के लिए पढ़ाई या निवास के लिए तेलंगाना के बाहर रहे।

तेलंगाना सरकार ने 135 छात्रों, जिन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, को 2024 में मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में प्रवेश के लिए एक बार की छूट देने पर सहमति जताई।

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,03,790/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,16,570/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°

न्यूनतम : 21°

अनुच्छेद 370 हटने से कश्मीर के किसानों को फायदा, सेब का व्यापार बढ़ा : राकेश टिकैत

हरिद्वार, 05 अगस्त (एजेंसियां) । जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की छठी वर्षगांठ पर भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि इस फैसले से कश्मीर के किसानों को लाभ हुआ है और उनका सेब व्यापार बढ़ा है। उन्होंने कश्मीर के किसानों को खुला बाजार उपलब्ध कराने की वकालत की ताकि उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूत हो।

आईएएनएस से बातचीत में टिकैत ने हाल ही में अपने कश्मीर दौरे का जिक्र किया, जहां उन्होंने स्थानीय किसानों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 हटने से कश्मीर के लोग खुश हैं। अब वे खुलकर सेब की खेती कर रहे हैं और उन्हें व्यापार के नए अवसर मिल रहे हैं। टिकैत ने बताया कि कश्मीरी सेब अब नेपाल, भूटान और बांग्लादेश जैसे देशों में निर्यात हो रहे हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ी है। टिकैत ने सरकार से मांग की कि कश्मीर के किसानों को सेब की मार्केटिंग के लिए खुला बाजार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा, किसानों को अपनी उपज सीधे बेचने की आजादी होनी चाहिए। इससे घाटी की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। ▶10पर

अमित शाह बने देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले गृह मंत्री

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां) । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार, 5 अगस्त 2025 को भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले गृह मंत्री का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने 2,258 दिनों (6 वर्ष और 68 दिन) तक गृह मंत्री के रूप में कार्य करके बीजेपी के दिग्गज नेता लाल कृष्ण आडवाणी (2,256 दिन), देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल (1,218 दिन) और कांग्रेस के दिग्गज गोविंद बल्लभ पंत (6 वर्ष और 56 दिन) को पीछे छोड़ दिया। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में शाह की जमकर तारीफ की। अमित शाह ने 30 मई 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूसरी सरकार में गृह मंत्री का कार्यभार संभाला था। वह 9 जून 2024 तक इस पद पर रहे और 10 जून 2024 को दोबारा गृह मंत्री नियुक्त हुए। 5 अगस्त 2025 तक उन्होंने 2,258 दिन पूरे कर लिए, जो आडवाणी के 2,256 दिन (19 मार्च 1998 से 22 मई 2004) के रिकॉर्ड को तोड़ता है। संयोगवश, यह उपलब्धि 5 अगस्त को ही हासिल हुई, जिस दिन 2019 में शाह ने संसद में ▶10पर

आडवाणी पटेल और पंत को छोड़ा पीछे

कार्टून कॉर्नर

आर्ट एंड कल्चर वर्टिकल के अंतर्गत प्यार का बंधन नामक राखी निर्माण कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और भावनाओं की अभिव्यक्ति है। यही भावना लेकर जीतो महिला विंग, बेंगलूरु साउथ द्वारा, आर्ट एंड कल्चर वर्टिकल के अंतर्गत सोमवार को प्यार का बंधन नामक राखी निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जो सौंदर्य, सृजन और अपनत्व से परिपूर्ण था। चातुर्मास के इस पुण्य अवसर पर, जब अधिकतर महिलाएँ तप, उपवास और साधना में लीन रहती हैं, ऐसे में इस आयोजन को दो सत्रों में आयोजित किया गया। यह व्यवस्था इस उद्देश्य से की गई कि सभी बहनें अपनी सुविधा अनुसार भाग ले सकें और बिना किसी जल्दबाजी के कार्यशाला का लाभ उठा सकें।

यह सद्भावना और सोच की परिपक्वता का परिचायक है। कार्यशाला की विशेषता रही, जीतो द्वारा प्रदान की गई आकर्षक राखी निर्माण किट, जो न केवल सुंदर थी, बल्कि प्रेम और परंपरा की भावना से ओत-प्रोत थी। इस किट में रंगीन धागे, चमकदार मोती, सजावटी कलाकृतियाँ, गोंद, पत्थर, एवं थाली सजाने की सामग्री बड़ी ही सुंदरता से समाहित की गई थी। इस किट को पाकर हर बहन के चेहरे पर मुस्कान और आत्मसंतोष की झलक स्पष्ट थी। कार्यशाला में प्रतिभागियों को अनेक प्रकार की राखियाँ बनाना सिखाया गया। हर राखी में एक नई शैली, एक नया रंग और एक नई भावना छिपी थी। इसके साथ-साथ थाली सज्जा की कला भी सिखाई गई, जिससे इस वर्ष का रक्षाबंधन हर किसी के लिए अभूतपूर्व और आत्मनिर्मित हो सके। कार्यशाला के अंत में सभी बहनों ने यह कहा कि इस बार राखी बाजार से नहीं, अपने दिल और हाथों से बनेगी। जब यह राखी उनके भाई या प्रियजन की कलाई पर बंधेगी, तब उसमें न केवल धागा होगा बल्कि प्रेम, प्रयास और परंपरा का अद्वितीय संगम भी होगा। इस सुंदर आयोजन की सूत्रधार रही संयोजिकाएँ अरपिता लढानी और रेखा विनोद, जिन्होंने समर्पण, सूझबूझ और सौम्यता से कार्यक्रम को सँवारा। अरपिता लढानी ने पूरी कार्यशाला को इस तरह संजोया जैसे एक कलाकार अपने चित्र को गढ़ता है, सामग्री की सजावट से लेकर प्रतिभागियों के अनुभव तक हर बात का बारीकी से ध्यान रखा। रेखा विनोद ने अपनी सहजता, धैर्य और सुव्यवस्थित कार्यशैली से सभी को जोड़कर रखा, और प्रतिभागियों को यह अहसास कराया कि वे जीतो महिला विंग परिवार का एक अनमोल हिस्सा हैं। कार्यशाला में दो बड़े स्क्रीन लगाए गए थे, जिससे प्रत्येक बहन को प्रशिक्षिका द्वारा दी जा रही विधियों को स्पष्ट रूप से देखने और समझने का अवसर मिला। साथ ही मैनेजिंग कमेटी की सदस्याओं और स्वयंसेवकों ने पूरे आयोजन में सहयोग करते हुए कार्यशाला को अत्यंत सुलभ और सरस बनाया। कार्यशाला का कुशल संचालन प्रशिक्षिका सरीता नाहर ने किया। उनका परिचय संयोजिका अरपिता लढानी द्वारा करवाया गया, और आयोजन का भावपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन सह-संयोजिका रेखा विनोद द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने किया, जिनकी मधुर वाणी, विनम्रता और आत्मीयता ने पूरे कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने अपने स्वागत भाषण में रक्षाबंधन के ऐतिहासिक प्रसंगों को जीवंत करते हुए द्रौपदी और श्रीकृष्ण, रानी कर्णावती और हुमायूँ की घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा राखी केवल भाई की कलाई पर बाँधने का प्रतीक नहीं, बल्कि एक ऐसा संबंध है जो रक्षा, स्नेह और संबल का प्रतीक बनता है। आइए हम सभी बहनें एक-दूसरे की 'रक्षा कवच' बनें, जब भी कोई गिरे, थमे या रुके, हम साथ खड़े रहें। यही है सच्चे 'प्यार का बंधन। कार्यक्रम की सफलता में कोषाध्यक्ष संगीता पारख, सचिव साक्षी नाहर, चन्द्रा जैन, तथा मैनेजिंग कमेटी की सदस्याएं, संगीता सियाल, प्रिया गांधी, अंगिका बाफना, वनिता बचावथ एवं अस्मिता चौहान का विशेष सहयोग रहा।

धर्म ध्यान के लिए शरीर नहीं मनोबल जरूरी: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने मंगलवार को फरमाया कि संसार में पुण्य और पाप की चर्चा होती रहती है। जीवन में पुण्य कम है लेकिन पाप ज्यादा है। पुण्य बहुत मुश्किल से होता है। लेकिन पाप हर वक्त होता रहता है। इच्छाओं की वजह से ही मनुष्य पाप करता है। मनुष्य का इच्छाओं पर काबू नहीं है। जब तक इच्छाओं पर काबू नहीं होगा तब तक पाप के मार्ग से बचा नहीं जा सकता है। मनुष्य की कमाई बहुत सीमित है लेकिन खर्चा अधिक है। खर्चा कम होने पर मनुष्य पाप के मार्ग पर जाने से बच सकता है। लेकिन वैसा नहीं हो रहा है। अब उस खर्चे को संभालने के लिए मनुष्य तरह तरह के गलत रस्ते अपना रहा है। मनुष्य पाप करता है तो उसको लगता है कुछ नहीं होगा। लेकिन याद रखना पाप करते हुए मनुष्य अपने कर्मों का ही बंध कर रहा है। जब तक कर्मों का बंध नहीं रुकेगा तब तक जीवन में उजाला नहीं होगा। कर्मों के बंध का मुख्य कारण मनुष्य की अनियंत्रित इच्छा है। मनुष्य अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण नहीं कर पा रहा है।

जब तक इस भटकते मन को नियंत्रित नहीं करेंगे तब तक कर्मों के बंध से बचा नहीं जा सकता है। बंध कर्मों की गठरी लेकर मनुष्य संसार में जीता जा रहा है। इस गठरी को लेकर मनुष्य जीवन में कभी सुखी नहीं रह सकता है। गठरी जितना हल्का होगा उतना ही आत्मा का कल्याण संभव हो पाएगा। गुरुदेव ने फरमाया कि एक गरीब होता है तो एक अमीर होता है। यह सब अपनी करनी का ही फल है। जैसा मनुष्य कर रहा है उसे वैसा ही मिल रहा है। किसी को 10 पकवान मिलता है तो कोई भूखा ही रह जाता है। ये सब करनी का ही फल है। लेकिन मनुष्य तप त्याग और साधना से जीवन को चमका सकता है। तप त्याग साधना में शरीर की ताकत नहीं मनोबल चाहिए। आज के समय में मनुष्य तपस्या तो करना चाहता है लेकिन उसका मनोबल साथ नहीं देता है। वर्तमान में लोग तप त्याग तो करते हैं लेकिन उनका मन संसारी समस्याओं में लगा रहता है। लोग शरीर से तो त्याग करते हैं लेकिन उनका मन भटकता रहता है। गुरुदेव ने बताया कि संसार के जीव को कितना भी मिल जाए उसे संतोष नहीं है। सब कुछ मिलने के बाद भी वह और थोड़ा और थोड़ा के चक्कर में भटक रहा है। इस अनमोल जीवन को जब संसार में ही लगाओगे तो धर्म ध्यान में कब जाओगे। जब तक धर्म ध्यान नहीं करोगे जीवन नहीं बदलेगा। इस मौके पर इंदिरा नगर निवासी उगमराज, फुलफगर की पुत्रवधू सरोजाबाई, सज्जनराज ने 28 उपवास के पच्चखान ग्रहण किए एवं उनके पुत्र प्रफुल्लकुमार ने 19 उपवास के पच्चखान ग्रहण किये हैं। सभी का स्वागत श्री सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलहंका संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

बुध ग्रह व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने नवग्रह अनुष्ठान अंतर्गत बुध ग्रह आराधना के विषय पर कहा कि बुध ग्रह व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। व्यक्ति की बुद्धि, तर्क शक्ति और निर्णय लेने की क्षमता को दर्शाता है। साध्वीवृंद ने सौरमंडल में मौजूद सबसे छोटे ग्रह बुध ग्रह के बारे में विस्तार से बताया। ज्योतिष शास्त्र में बुध ग्रह को एक शुभ ग्रह माना गया है। ग्रहों में बुध ग्रह को राजकुमार का दर्जा प्राप्त है। जैसे सूर्य राजा, चद्रंमा रानी, मंगल सेनापति और बुध राजकुमार हैं। बुध ग्रह सूर्य के सबसे पास रहने वाले ग्रह हैं। ज्योतिष शास्त्र में बुध ग्रह को बुद्धि, वाणी, तर्कशास्त्र, संवाद, गणित, व्यापार और अकांउट के कारक माने जाते हैं। बुध ग्रह एक द्विस्वभाव के ग्रह हैं यानी बुध ग्रह

जिन ग्रहों के साथ होते हैं उन्हीं के अनुरूप फल प्रदान करते हैं। बुध शुभ ग्रहों के साथ होने पर शुभ फल प्रदान करते हैं। शुभ स्थिति में बुध व्यक्ति को बुद्धिमान, वाकपटु, कुशल वक्ता, अच्छा व्यापारी और सफल व्यक्ति बनाता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि किसी भी काम को शुरू करने से पहले, उसका लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी है। मनुष्य वही है जो अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचने के लिए प्रयास करता है। साधक साधना के लिए, भक्त भक्ति के लिए, और विद्यार्थी ज्ञान की खोज के लिए चलते हैं। इसलिए, हर क्रिया का एक स्पष्ट लक्ष्य होना चाहिए। साधना, भक्ति और ज्ञान की खोज, ये सभी अलग-अलग क्षेत्र हैं, लेकिन इन सभी में एक बात समान है कि इनमें लक्ष्य का होना जरूरी है। साधक साधना के माध्यम से आत्म-साक्षात्कार का लक्ष्य रखता है, भक्त भगवान की भक्ति का, और विद्यार्थी ज्ञान का। इसलिए यह सभी बातें दर्शाती हैं कि लक्ष्य का होना कितना जरूरी है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में नवग्रह अनुष्ठान जाप पूजन बडे हर्षोल्लास से चल रहा है। मंगल ग्रह अनुष्ठान और एकासणा का लाभ और शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती, मंगल दीपक, गुरुदेव की आरती का लाभ संघवी महावीर कुमार, घेवरचंद बालगोत्र परिवार ने लिया। संघ की ओर से किशोरमल जितेंद्र कुमार ने संघवी सुरेश कुमार, महावीर कुमार, अनिल कुमार, भावना, मधु, पिंकी, योगेश, भावेश, हर्ष, पक्षाल, दक्ष, स्वाती, सीमा, निशा, झरणा, दिशिता, घेवरचंद, चुन्नीलाल बालगोत्र परिवार का बहुमान किया गया।

घर को मंदिर बनाने की होती हैं तीन दिव्य फैक्ट्रियां: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में आयोजित प्रवचन में साध्वी उपासना ने जीवन को शांतिपूर्ण, मधुर और प्रेमपूर्ण बनाने की दिशा में प्रभावशाली दृष्टिकोण रखा। उन्होंने बताया कि यदि हम अपने जीवन और परिवार को मंदिर के समान पवित्र बनाना चाहते हैं, तो हमें तीन 'फैक्ट्रियां' अपने भीतर स्थापित करनी होंगी। ब्रेन में आईस फैक्ट्री अर्थात् मन को ठंडा, शांत एवं सहनशील बनाए रखें।

अपने मस्तिष्क में बर्फ की फैक्ट्री जो हमारे क्रोध को ठंडा कर दे, अहंकार को शांत कर दे। जुबान में सुगर फैक्ट्री वाणी में मधुरता, नम्रता और संयम बनाए रखें। वाणी का प्रभाव शब्दों से कहीं अधिक होता है। एक मधुर वचन रिश्ते जोड़ता है, और एक कटु वचन सालों की दोस्ती तोड़ सकता है। तीसरी लव फैक्ट्री हृदय में प्रेम, करुणा और सद्भावना का संचार हो। धर्म, जाति, भाषा, मत भिन्नता सब अपनी जगह हैं, लेकिन यदि दिल में प्रेम नहीं है, तो सारी भक्ति और साधना अधूरी है। प्रेम ही वह शक्ति है जो सबको जोड़ती है, सबको अपनाती है। इन तीन फैक्ट्रियों के माध्यम से न केवल घर में सुख-शांति और स्नेह का वातावरण निर्मित होता है, बल्कि समाज में भी प्रेम, साधना, शुचिता और स्वच्छता की चेतना विकसित होती है। उन्होंने कहा प्रेम, प्रार्थना , शुद्धता और स्वच्छता ˉ यही हैं सच्चे जीवन के चार दिव्य स्तंभ। जहाँ ये चार स्तंभ होंगे वहाँ जीवन भी पवित्र होगा, परिवार भी सुखी होगा और समाज भी समरस होगा। तो आइए, आज हम यह संकल्प करें अपने भीतर बर्फ की, जीभ पर शक्कर की और दिल में प्रेम की फैक्ट्री खोलें और जीवन में प्रेम, प्रार्थना, शुद्धता और स्वच्छता को अपनाएं। कार्यक्रम के अंत में वक्ता ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे इस आत्मिक संदेश को जीवन में आत्मसात करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

निगोद निवारण तप की आराधना निर्विघ्न जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें आत्मा के गुणों को अनावरित करते हुए आत्म तल्लीनता में मग्न होना है।

परमात्मा की भक्ति में एकाग्रता लानी है। प्रभु की दृष्टि से दृष्टि मिलाकर हमें अपनी दृष्टि को निर्मल बनाना है। हमारे निमित्त से किसी को भी परमात्मा की सेवा भक्ति से अंतराय नहीं आए इस बात का भी हमें परमात्मा की सेवा करते हुए ध्यान में रखना चाहिए। परमात्मा की भक्ति में तल्लीनता आने के बाद हमें आत्मिक आनंद की प्राप्ति होगी। हमें भावों में ऐसी एकाग्रता लानी है जिसमें हमारी एक क्षण की भक्ति भी आत्मा का कल्याण करवा दे और हमारे कर्मों की निर्जरा करवा दे। परमात्मा द्वारा बताई गई प्रत्येक क्रिया में हमारी एकाग्रता होनी चाहिए। साधन सुविधाओं में तल्लीनता से हमारे कर्मों का बंध ही होगा। इसमें जीवों की हिंसा ही होगी। दादावाड़ी ट्रस्ट के द्वारा निगोद निवारण तप की आराधना बहुत ही सुंदर तरीके से जारी है। इसमें कुल 25 उपवास और आठ बियासना करने हैं। इसमें एक उपवास से लेकर पांच उपवास तक की लड़ी और वापस उतरने के क्रम में एक उपवास तक करने हैं। सभी साठ से अधिक तपस्वियों का पारणा 14 अगस्त को गुरुदेव और गुरुवर्या श्री जी की निश्रा में होगा। तपस्वियों की सेवा में श्री जिन कुशल सूरी सेवा मंडल के सदस्य अपनी बहुत ही सुन्दर सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

अणुव्रत समिति विजयनगर का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अर्हम भवन में अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के दिशा निर्देश में अणुव्रत समिति विजयनगर बेंगलूरु की सत्र 2025-27 का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अणुव्रत गीत से हुआ। अणुव्रत आचार संहिता का वाचन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा द्वारा किया गया। महेंद्र टेबा को विधिवत शपथ ग्रहण केंद्रीय पदाधिकारी कैलाश बोराणा एवं राजेश चावत न दिलाई। तत्पश्चात महेंद्र टेबा ने अपने टीम की घोषणा की। उपाध्यक्ष में बरखा पुगलिया एवं पारस दक, मंत्री अरिहंत कवड़िया, सह मंत्री संजय भटेवरा व श्रीनिवास, संगठन मंत्री सम्पत चावत, कोषाध्यक्ष आलोक गांग, प्रचार प्रसार के लिए चंद्रशेखर मैत्री को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री संयमलता जी का विशेष सानिध्य मिला। साध्वी श्री ने पूरी टीम को नैतिकता और मानवता की सेवा करने हेतु मार्ग दर्शन दिये। तेरापंथ युवक परिषद, श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, महिला मंडल ने शुभकामनाएं दी। तुलसी निकेतन से सुरेश दक, राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने भी शुभकामनाएं दी।

गुरु मिश्री, गुरु रूप का जन्म जयंती समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस सम्प्रदाय जैन संघ (ट्रस्ट) गणेश बाग के पावन प्रांगण में विराजित साध्वी रत्ना ऋद्धिश्री के सानिध्य में मरुधर केसरी मिश्रीमल एवं लोकमान्य संत रूपचंद महाराज का जन्मोत्सव तप, जप एवं अत्यंत श्रद्धा और अध्यात्म के साथ मनाया गया। साध्वी ने कहा मरुधर केसरी और गुरु रूपमुनि का संपूर्ण जीवन जिनशासन को समर्पित रहा। उन्होंने संघ को मां का वात्सल्य औरपिता का अनुशासन दिया। मरुधर केसरी मानवता के मसीहा थे। जिस प्रकार सूर्य खुद को तपकर संसार को रोशनी देकर प्रकाशितकरता है उसी प्रकार मरुधर केसरी ने भी अपने तप और साधना के बल पर मानव कल्याण का प्रकाश फैलाया। इसीलिए वे श्रमणसूर्य कहलाए। गुरु मिश्री का जैसा नाम वैसा ही काम था, जैसे-मिश्री कड़क होती है, लेकिन उसमें मिठास भी होता हैं। इसी प्रकार आप वाणी से

कड़क और जन हित की भावना से समाहित थे। उन्होंने जीव दया और मानव कल्याण के लिए अनेकों संस्थाएं स्थापित करवाई। गौशालाओं का निर्माण कराया। धर्म संघ और जिन शासन को उन्होंने बहुत कुछ दिया। ऐसे महापुरुषों के जीवन से हमें कुछ न कुछ अपने जीवन में उतारने की कोशिश करनी चाहिए। उनके अनन्य उपकार मेरे ऊपर रहे है। जन्म जयंती के अवसर पर उनके चरणों में भावांजलि श्रद्धांजलि अर्पित करते है। साध्वी सिद्धि श्री ने गुरु मिश्री गुरु रूप के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके गुणों का अनुसरण करने की प्रेरणा दी। गुरु मिश्री गुरु रूप के साधनामय जीवन को स्मरण करते हुए उनके गुणगान किए। जिसमे जैन कांफ्रेंस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेशचंद छल्लानी, कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, महामंत्री नेमीचंद दलाल, शांतिलाल खीवेसरा, गुरु अम्बेश मेवाड़ महिला मंडल सदस्याएं व समिति के मंत्री सुरेंद्र आंचलिया, राकेश दलाल व अन्य ने अपने विचार रखते हुए गुरुभगवंतों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। शिवाजीनगर महिला मंडल, अंबेश गुरु मेवाड़ महिला मण्डल, मरुधर केसरी गुरु सेवा समिति महिला शाखा व अन्य की उपस्थिति रही। प्रभावना व लक्की ड्रा के लाभार्थी नेमीचंद चोरडिया, नेमीचन्द दलाल, मानकचंद लूणावत, नवरत्न झाँगड़ा, राजीव सांखला परिवार रहे।

येलो मेट्रो के उद्घाटन के दौरान मोदी बेंगलूरु में भव्य रोड शो करेंगे

इसके लिए तैयारियां शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीबीएमपी में एक सदी से सत्ता पर अपना दावा ठोक रही भाजपा, बेंगलूरु की नामा मेट्रो येलो लाइन के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक भव्य रोड शो करने की योजना बना रही है।

भाजपा आधा किलोमीटर लंबा रोड शो करने की भी तैयारी कर रही है। हालाँकि रोड शो के बारे में अभी आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन 10 अगस्त को येलो लाइन के उद्घाटन के बाद मोदी शहर के चुनिंदा इलाकों में रोड शो कर सकते हैं। राज्य भाजपा नेताओं ने रोड शो के स्थानों की जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दी है। वहाँ से पुष्टि के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। आरवी रोड और बोमसंद्रा के बीच नम्मा मेट्रो येलो लाइन व्यावसायिक यातायात के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री, जो बोमसंद्रा में ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे, बोमसंद्रा से रागीगुड्डा मेट्रो स्टेशन तक ट्रेन से यात्रा करेंगे। इस अवसर पर, वह यात्रियों से अनौपचारिक रूप से बात करेंगे। भाजपा ने जयनगर के रागीगुड्डा प्रसन्न अंजनेय मंदिर से जयनगर के शालिनी मैदान तक मोदी का रोड शो आयोजित करने का निर्णय लिया है। मोदी इलेक्ट्रॉनिक सिटी के पास मेट्रो की येलो लाइन को हरी झंडी दिखाएंगे। फिर वहाँ से मोदी मेट्रो द्वारा रागीगुड्डा पहुँचेंगे। वहाँ से मोदी रोड शो के माध्यम से शालिनी मैदान पहुँचेंगे। बाद में, प्रधानमंत्री एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। प्रदेश भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के मद्देनजर उनके स्वागत और कार्यक्रम की व्यापक तैयारियाँ की हैं। विपक्ष के नेता आर. अशोक और जयनगर विधायक सी.के. राममूर्ति ने जयनगर के शालिनी मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम स्थल पर भूमि पूजन किया। रागीगुड्डा मेट्रो स्टेशन से जयनगर के पाँचवें ब्लॉक स्थित चंद्रगुप्त मौर्य मैदान तक लगभग 1 किलोमीटर (शालिनी मैदान तक) एक रोड शो आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में एक प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया है और राज्य सरकार ने भी अनुमति दे दी है। मेट्रो उद्घाटन, ट्रेन यात्रा और रोड शो के बाद, दोपहर 12 बजे जयनगर के शालिनी मैदान में उद्घाटन समारोह आयोजित होने की उम्मीद है। इसमें पचास हजार से एक लाख लोगों के जुटने की संभावना है। एक नेता ने बताया हम जयनगर के शालिनी खेल मैदान में मोदी का अभिनंदन करने के लिए एक विशाल कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में लगभग 40 हजार लोग शामिल होंगे। उद्घाटन 18-20 हजार करोड़ रुपये की लागत से होगा। कार्यक्रम की सफलता की कामना के लिए हमने पूजा-अर्चना की। जयनगर के रागीगुड्डा से शालिनी मैदान तक एक रोड शो है। एक भाजपा नेता ने बताया कि रोड शो के बाद एक मंचीय कार्यक्रम भी होगा। इस मेट्रो में प्रतिदिन लगभग 8 से 10 लाख लोगों के यात्रा करने की उम्मीद है। इससे यातायात की समस्या भी कम होगी। अटल बिहारी वाजपेयी और अनंत कुमार अमरा ने बेंगलूरु में मेट्रो लाई थी। मोदी ने स्वयं इस येलो लाइन की आधारशिला रखी थी। अब खास बात यह है कि वे स्वयं इसका उद्घाटन कर रहे हैं। मोदी के रोड शो के परिणामस्वरूप, 2023 के विधानसभा चुनावों में बेहद खराब प्रदर्शन के बावजूद, भाजपा ने बेंगलूरु की 28 विधानसभा सीटों में से 16 पर जीत हासिल की और लोकसभा चुनावों में बेंगलूरु से सटे बेंगलूरु दक्षिण, उत्तर, मध्य, ग्रामीण, तुमकुरु, चिक्कबल्लापुर और कोलार (एनडीए) सीटों पर भी जीत हासिल की। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी की लोकप्रियता और बढ़ी है, और भाजपा की रणनीति इसे वोटों में बदलने की है। सामान्य तौर पर, शहर के लोगों में भी भाजपा के प्रति विशेष लगाव है। पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों में नतीजे उम्मीद से बढ़कर रहे थे। इसलिए, किसी कद्दावर भाजपा नेता द्वारा रोड शो कराकर बीबीएमपी में हलचल मचाने की रणनीति है।

मैसूरु में हड़ताल से केएसआरटीसी बस सेवाएँ हुई प्रभावित

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परिवहन कर्मचारियों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने के कारण मैसूरु में केएसआरटीसी बस सेवाएँ आंशिक रूप से बाधित रहीं। हड़ताल से लगभग 60 प्रतिशत सेवाएँ प्रभावित हुई हैं।

मैसूरु ग्रामीण संभाग में प्रतिदिन संचालित होने वाली 750 बसों में से केवल 200 बसें ही चल रही थीं, और वह भी केवल चुनिंदा मार्गों पर। संकट से निपटने के लिए, निजी ऑपरेटरों को मैसूरु के मुफस्सिल बस स्टैंड से सेवाएँ चलाने की अनुमति दी गई थी। केएसआरटीसी के संभागीय नियंत्रक (ग्रामीण) श्रीनिवास ने बताया कि 100 प्रशिक्षु ड्राइवरों और 170 संविदा ड्राइवरों की मदद से बस सेवाएँ आंशिक रूप से चालू हैं।

उन्होंने कहा वे हड़ताल में शामिल नहीं हो सकते और ड्यूटी पर आ गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि एक वैकल्पिक उपाय के रूप में, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों द्वारा बुलाई गई बैठक के बाद बस स्टैंड से निजी बसें संचालित हुईं। बस स्टैंड पर यात्रियों की संख्या कम होने के कारण सन्नाटा पसरा रहा। श्रीनिवास ने कहा कि बेंगलूरु जाने वाली बसों, खासकर इलेक्ट्रिक और वातानुकूलित बसों के लिए कोई ग्राहक नहीं था। उन्होंने आगे कहा हड़ताल के कारण हम सभी निर्धारित सेवाएँ संचालित नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन महत्वपूर्ण मार्गों पर सेवाएँ उपलब्ध हैं।

विभिन्न तालुकों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, सार्वजनिक परिवहन में अचानक व्यवधान के कारण यात्री फँस गए हैं। मैसूरु में, हड़ताल के कारण भारी असुविधा हुई है क्योंकि शहर के भीतर के यात्री शहर के बस स्टैंड पर फँसे हुए थे। हड़ताल के बाद ऑटोरिक्शा और कैब सेवाओं की माँग में तेजी देखी गई है।

सरकार ने नशीली दवाओं के खतरे को रोकने के लिए

एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स का किया गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए एक बड़े कदम के रूप में, कर्नाटक सरकार ने पहली बार एक मादक पदार्थ-रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) का गठन किया है।

इस नवगठित इकाई में कुल 66 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। कार्य बल का नेतृत्व करने के लिए, राज्य सरकार ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) का पद भी सृजित किया है। 1 अगस्त के सरकारी आदेश के अनुसार, यह इकाई सीधे पुलिस महानिदेशक (साइबर कमांड) प्रणव मोहंती को रिपोर्ट करेगी। एएनटीएफ के लिए दस नए पद सृजित किए गए हैं और नक्सल-रोधी बल (एएनएफ) के 56 कर्मियों का तबादला किया गया है।

इस कार्य बल में दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एडीएसपी), एक पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी), एक सहायक प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, कनिष्ठ सहायक, प्रथम श्रेणी सहायक, आशुलिपिक और दलाल शामिल होंगे। एएनएफ से स्थानांतरित किए गए 56 कर्मियों में दो पुलिस निरीक्षक, चार पुलिस उप-निरीक्षक (पीएसआई), 20 हेड कांस्टेबल और 30 कांस्टेबल शामिल हैं। एएनटीएफ का गठन राज्य भर में मादक पदार्थों की तस्करी, वितरण और दुरुपयोग पर नकेल कसने के लिए एक समर्पित और विशेष बल के रूप में किया गया है। एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के अनुसार, इस टास्क फोर्स का उद्देश्य संगठित मादक पदार्थ नेटवर्क की पहचान कर उन्हें ध्वस्त करना और जिलों, केंद्रीय एजेंसियों और खुफिया इकाइयों के बीच समन्वय में सुधार करना है।

कर्मचारियों द्वारा की गई हड़ताल का जन-जीवन पर व्यापक प्रभाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विभिन्न मांगों को लेकर परिवहन निगमों के कर्मचारियों द्वारा की गई हड़ताल का जन-जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ा है और परिवहन व्यवस्था सुचारू न होने से आम जनता को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बीएमटीसी, केएसआरटीसी, एनडब्ल्यूआरटीसी और केकेआरटीसी निगमों के चालक, पर्यवेक्षक और अधिकारी वेतन संशोधन, बकाया भुगतान समेत विभिन्न मांगों को लेकर ड्यूटी से अनुपस्थित रहकर बंद का आह्वान कर रहे हैं। इस वजह से चारों परिवहन निगमों की 28 हजार बसें खड़ी रहीं। सोमवार रात दूर-दराज के स्थानों के लिए रवाना हुई बसें ही मंगलवार सुबह अपने निर्धारित स्थानों पर पहुँच पाईं। बाकी बसें सुबह 6 बजे से ही सभी डिपो पर कतार में खड़ी थीं। हड़ताल के बावजूद, अपरिहार्य कारणों से बस स्टैंड पर पहुँचने वाले यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालाँकि बेंगलूरु में मेट्रो यातायात ने कुछ सुविधा प्रदान की है, लेकिन यात्रियों को बिना कनेक्टिंग बसों

वाले ऑटो और कैब पर निर्भर रहना पड़ रहा है। हालांकि, निजी परिवहन चालकों ने स्थिति का फायदा उठाते हुए दोगुना किराया वसूलना शुरू कर दिया है। कुछ जगहों पर, जिला प्रशासन ने यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए निजी बसों, स्कूल-कॉलेजों के वाहनों और अन्य वाहनों का इस्तेमाल करने की कोशिश की।

लेकिन इसका ज्यादा असर नहीं हुआ। बस स्टैंड खाली थे और बसें न होने से सड़कें भी सुनसान थीं। दूर-दराज के इलाकों में जाने के लिए बस स्टेशनों पर आने वालों के लिए यह आम बात थी कि वे वहीं सो जाते और आराम करते, उन्हें समझ नहीं आता था कि आगे क्या करें। धर्मस्थल और कुक्केसुब्रमण्य जैसे धार्मिक स्थलों पर बस से जाने वाले लोग बिना परिवहन सुविधाओं के घर वापस लौटने के लिए संघर्ष कर रहे थे। जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने बस स्टेशनों पर काम कर रहे चालकों और परिचालकों को सुरक्षा प्रदान करने की कोशिश की। लेकिन कोई भी चालक या परिचालक काम करने के लिए आगे नहीं आया। चलने वाली बसों के लिए गश्ती वाहन तैनात किए गए थे और बसों के अंदर सुरक्षा के लिए पुलिस और होमगार्ड तैनात किए गए थे। राज्य भर में हड़ताल अपने चरम पर पहुँच गई है और कर्मचारियों ने अपनी माँगें पूरी होने तक हड़ताल से पीछे न हटने की कसम खाई है। सुबह 5 बजे शुरू हुई परिवहन हड़ताल ने आम लोगों को परेशान कर दिया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में सोमवार को हुई मध्यस्थता बैठक विफल रही। उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद हड़ताल जारी रही। आम जनता को नुकसान हो रहा है क्योंकि सरकार ने मध्यस्थता का रास्ता छोड़ दिया है और बदले की कार्रवाई के जरिए हड़ताल से निपटने पर विचार कर रही है। सरकार ने हड़तालियों को झूठी सूचनाएँ फैलाकर डराने की रणनीति अपनाई है, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ है। परिवहन कर्मचारियों की हड़ताल के कारण नामा मेट्रो का सहारा लेने वालों की पृष्ठभूमि में भारी भीड़ देखी गई। बसें ठीक से उपलब्ध न होने के कारण लोग मेट्रो स्टेशनों की ओर बढ़ रहे हैं और सुबह से ही बड़ी संख्या में यात्री मेट्रो में यात्रा कर रहे थे। मेट्रो स्टेशन के बाहर भी यात्रियों की कतारें लगी हुई थी। मैजेस्टिक मेट्रो स्टेशन के सामने बड़ी संख्या में यात्रियों के जमा होने के कारण, पुलिस ने मेट्रो स्टेशन के पास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी। मेट्रो यात्रियों की संख्या सामान्य से अधिक होने के कारण, मेट्रो स्टेशन पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है। किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए मेट्रो कर्मचारियों को तैनात किया गया था। बस रुकने से मेट्रो को अच्छी खासी कमाई होती है। ट्रेन दिन भर लोगों से भरी रहती है। लोगों को भीड़ की कोई परवाह नहीं है।

41 एकड़ के नए इनोवेशन पार्क का उद्घाटन

बेंगलूरु के आसपास के क्षेत्रों का होगा व्यापक विकास: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि अगले चार वर्षों में बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक उपनगरीय रेल संपर्क प्रदान करके शहर के मध्य भाग की तरह अन्य क्षेत्रों का भी व्यापक विकास किया जाएगा। देवनहल्ली में लैब्स इंडिया के 41 एकड़ के नए इनोवेशन पार्क का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए, उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के संतुलित विकास और बाहरी क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे तक मेट्रो रेल कनेक्शन का काम तेजी से किया जा रहा है और 2029 तक उपनगरीय रेल संपर्क प्रदान किया जाएगा। राज्य सरकार के प्रयास केवल बेंगलूरु तक ही सीमित हैं। राज्य भर के जिला केंद्रों में वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्रों और अनुसंधान संस्थानों का विकास भी जारी है। विश्व बैंक से 2500 करोड़ रुपये की सहायता से, प्रथम श्रेणी के कॉलेजों को मजबूत करने, उत्कृष्टता केंद्र विकसित करने, अनुसंधान और विकास क्षमता निर्माण और कौशल विकास को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में, आधुनिक तकनीक के साथ मिलकर काम करने वाले मानव संसाधन विकसित किए जाएँगे। भारत की सिलिकॉन वैली के रूप में विख्यात, बेंगलूरु एक शहर से कहीं बढ़कर है। यह एक विचार है। यह पारिस्थितिकी तंत्र, नवाचार की भावना, युवा प्रौद्योगिकीविदों के सपनों, वैश्विक उद्यमों के दृष्टिकोण, सार्वजनिक नीति के लचीलेपन और भविष्य के निर्माण का एक संगम है। बेंगलूरु केवल सॉफ्टवेयर ही नहीं, बल्कि क्वांटम कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग जैसे क्षेत्रों में भी अग्रणी है। उन्होंने कहा कि यह कर्नाटक की क्षमता, विश्वसनीयता और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता में वैश्विक उद्योग के गहरे विश्वास को दर्शाता है। कर्नाटक भारतीय अर्थव्यवस्था में 8 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है और निर्यात में 35 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है। उन्होंने कहा कि 18 हजार से अधिक स्टार्टअप, जिनमें से 40 प्रतिशत यूनिकॉर्न हैं, यहीं स्थित हैं। हम स्वच्छ ऊर्जा, सतत गतिशीलता और पर्यावरणीय जागरूकता के विकास में अग्रणी हैं। उन्होंने इस बात की सराहना की कि निवेश आर्थिक विकास और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस, स्मार्ट सिटी, कौशल और स्थिरता जैसे क्षेत्रों में एसएपी की साझेदारी और भी उत्साहजनक है, और कहा कि लैब्स इंडिया और विश्व स्तर पर प्रसिद्ध म्यूनिख तकनीकी विश्वविद्यालय के बीच सहयोग एक और मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक-निजी-शैक्षणिक सहयोग भविष्य के लिए तैयार कर्नाटक को आकार देने में सामूहिक प्रयासों की शक्ति को प्रदर्शित करता है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे, कियानिक्स के अध्यक्ष शरत बच्चेगौड़ा, जर्मन राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन और एसएपी के वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

परिवहन विभाग की हड़ताल से उडुपी केएसआरटीसी का परिचालन बाधित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परिवहन विभाग के कर्मचारियों की चल रही हड़ताल के कारण मंगलवार को उडुपी में केएसआरटीसी बस सेवाओं में भारी व्यवधान आया, जबकि मेंगलूरु में बसें सामान्य रूप से चलती रहीं। हालांकि उडुपी डिपो से कुछ बसें रवाना हुईं, लेकिन राज्य के अन्य हिस्सों से आने वाली बसें बुरी तरह प्रभावित हुईं। सीमित संख्या में बसें चलने के कारण, जो बसें चलीं, वे यात्रियों से खचाखच भरी थीं। भटकल से उडुपी के लिए कोई बस नहीं आई। सुबह-सुबह कुछ यात्री बस स्टैंड पर बस का इंतजार करते देखे गए, लेकिन समय पर बस सेवा उपलब्ध न होने के कारण कई लोगों को घर लौटना पड़ा। हड़ताल के कारण उडुपी में दैनिक यात्रियों और अंतर-जिला यात्रियों को काफी असुविधा हुई है, और यह अनिश्चितता बनी हुई है कि पूरी बस सेवा कब शुरू होगी। इस बीच, मेंगलूरु में केएसआरटीसी का संचालन हड़ताल से अप्रभावित रहा।

सीमा शुल्क अधिकारियों ने बेंगलूरु हवाई अड्डे पर 30 स्टार कछुए छुड़ाए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सीमा शुल्क विभाग की वायु खुफिया इकाई ने एक अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया और एक 29 वर्षीय खच्चर को गिरफ्तार किया जो चेक-इन बैग में छिपाकर बेंगलूरु से कुआलालंपुर (मलेशिया) तक भारतीय स्टार कछुओं की तस्करी कर रहा था।

बेंगलूरु हवाई अड्डे पर स्कैनिंग कर्मचारियों ने एक बैग में कुछ हलचल देखी और अधिकारियों को सूचित किया, जिन्होंने तमिलनाडु के शिवगंगा से आशिक अली शाहुल हमीद द्वारा लाए गए तीन बैगों की जाँच की। बैगों में 10 कछुए और तंबाकू उत्पाद थे। मलेशिया में तंबाकू उत्पाद प्रतिबंधित हैं। आरोपी ने कछुओं की टांगों की गति को रोकने के लिए चिपकने वाले टेप का इस्तेमाल किया था और कछुओं को तंबाकू की थैलियों के बीच मोजे में छिपा दिया था। सूत्रों ने बताया कि उसने चिक्कबल्लापुर से यह खेप खरीदी थी और हवाई अड्डे जाने से पहले कलासीपाल्या बस स्टैंड पर इसे प्राप्त किया था। एक पुलिस सूत्र ने बताया यह एक सुनियोजित गिरोह है। पूर्वी घाटों में स्टार कछुओं का शिकार किया जाता है और उन्हें चिक्कबल्लपुर लाया जाता है, जहाँ से उन्हें अलग-अलग जगहों पर भेज दिया जाता है। शुरुआती जाँच में पता चला है कि हमीद एक आदतन अपराधी है जो पहले भी इसी तरह के अपराधों में खच्चर का काम कर चुका है। बचाए गए कछुओं को पुनर्वास के लिए वन विभाग को सौंप दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बेंगलूरु के रास्ते जानवरों की तस्करी आम बात है, लेकिन विदेश में जान-वरों की तस्करी का यह एक दुर्लभ मामला है। सूत्रों ने बताया कि पिछले 15 सालों में यह इस तरह का दूसरा मामला है। उन्होंने अन्य हवाई अड्डों को भी सतर्क कर दिया है, क्योंकि अन्य मार्गों से भी ऐसी गतिविधियाँ होने की संभावना है।

साप के काटने से 8 साल की बच्ची की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
कुंडापुर के शेडिमाने गाँव में एक जहरीले साँप के काटने से 8 साल की एक बच्ची की दुखद मौत हो गई। मृतक की पहचान शेडिमाने के बेप्पारे गुड्डेयांगडी निवासी श्रीधर मदिवाला की बेटी सनिधि के रूप में हुई है। 3 अगस्त को, चूँकि स्कूल की छुट्टियाँ थीं, सनिधि अपने पिता से मिलने गई थी, जो बागान में काम कर रहे थे। उनके पास पहुँचने से पहले ही, बागान में एक जहरीले साँप ने उसे काट लिया। दर्द से चीखती हुई बच्ची घर वापस भागी। परिवार के सदस्य उसे तुरंत हेबरी सरकारी अस्पताल ले गए, जहाँ से उसे उन्नत उपचार के लिए मणिपाल अस्प-ताल भेज दिया गया। दुर्भाग्य से, उस पर उपचार का कोई असर नहीं हुआ और उसी दिन उसकी मृत्यु हो गई। सनिधि श्रीधर और ज्योति के चार बच्चों में सबसे छोटी और इकलौती बेटी थी। वह मंडी मूरुकाई सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 3 में पढ़ती थी। उसके पिता श्रीधर की शिकायत के आधार पर अमसबेल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

कांग्रेस सरकार दिवालिया हो चुकी है क्योंकि वह कर्मचारियों को वेतन नहीं दे सकती: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार आर्थिक रूप से दिवालिया हो चुकी है और परिवहन कर्मचारियों को वेतन देने में असमर्थ हो गई है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान पूरा देश आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

ऐसे में भी हमारी सरकार ने मुश्किल समय में भी परिवहन कर्मचारियों को आधा वेतन दिया था। जब सब कुछ ठीक है, तो हम उनकी माँगें पूरी क्यों नहीं कर पा रहे हैं? घोषित कर दीजिए कि कर्नाटक आर्थिक रूप से दिवालिया है। फिर आपसे कोई कुछ नहीं पूछेगा। अगर कर्मचारियों की माँगें पूरी नहीं होतीं, तो क्या इसे नागरिक सरकार कहा जा सकता है? आप शेखी बघारते हैं कि हमारी सरकार का खजाना भरा हुआ है। जब मैं परिवहन मंत्री था, तब मैंने कर्मचारियों के वेतन में 15 की वृद्धि की थी। क्या आप 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश करते हुए उनकी माँगें पूरी नहीं कर पा रहे हैं? कर्मचारियों की माँगें जायज हैं। इसे पूरा करना सरकार का कर्तव्य है। ऐसा किए बिना उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की धमकी देना उचित नहीं है। उन्होंने माँग की कि वे सोना बंद करें और पहले समस्या का समाधान करें। कर्मचारियों की जायज माँगों का हम पूरा समर्थन करते हैं। समस्या का समाधान करें, वरना सत्ता छोड़ दें। आप जनता को परेशान क्यों कर रहे हैं?

विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री से परिवहन कर्मचारियों के मुद्दे को तुरंत हल करने का आग्रह किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विभिन्न मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर परिवहन कर्मचारियों द्वारा हड़ताल पर जाने के बाद, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से तुरंत बैठक बुलाकर इस मुद्दे को सुलझाने की मांग की है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि दाढ़ी में आग लगने पर समाधान ढूँढ़ना आपके कुप्रबंधन का परिचायक है। अभी समय नहीं बीता है। उन्होंने परिवहन कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों और नेताओं के साथ बैठक कर इस मुद्दे को सुलझाने की अपील की।

कर्मचारियों ने पहले ही हड़ताल पर जाने की बात कही थी। सरकार इस पर नहीं जागी। उन्होंने पत्र लिखकर कहा कि उन्हें निजी शिक्षण संस्थानों से बसें चाहिए। उन्होंने पूछा कि आपकी सरकार क्या करने जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों के लिए समस्या है। परी-क्षाएँ स्थगित कर दी गई हैं। कई जगहों पर छात्र स्कूल-कॉलेज गए बिना ही घर लौट गए हैं। उन्होंने सरकार की गैरजिम्मेदारी को इसका कारण बताया। कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया जा रहा है। सरकार पूरी तरह से दिवालिया हो चुकी है। कर्मचारी अपनी माँगों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जिन्हें समस्या का समाधान करना चाहिए, वे ही उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की बात कर रहे हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि समस्या का समाधान करने के बजाय, धमकी देना ठीक नहीं है। सरकार को पहले से पता था कि परिवहन कर्मचारी हड़ताल पर जाएँगे। इसे सुलझाने के बजाय, उन्होंने राहुल गांधी के साथ बैठक की चर्चा की। उन्होंने पूछा अगर दोनों माँगें पूरी नहीं हो सकतीं, तो क्या इसे सरकार कहा जा सकता है?

मात्र सोचने से भी कल्याण संभव नहीं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आत्मा अनमोल है और आत्मा का अस्तित्व अकेले में है। संसार के रिश्ते शरीर से संबंधित होते हैं। यह मानव भव मात्र एक भ्रमण है। यहां से हम चाहें तो अनंत भवों की यात्रा का अंत भी कर सकते हैं और चाहें तो और बढ़ा भी सकते हैं।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि इस अल्प प्रवास में हम क्यों तकरार खार और दीवार बना लेते हैं। यह जगत एक मेला है। एक धर्मशाला है। बाकी सब झमेला है। किसी के कफन में जेब नही होता है तो हम क्यों पेटी और पीढ़ी की चिंता करते हैं। संसार में सीमित व्यापार रखें। अनेकों से संपर्क होगा तो संघर्ष भी होगा। बस इस भव भ्रमण को विश्राम स्थल माने और आगे की तैयारी करें। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि हमारी जीवन नैय्या कैसे पार हो। यह हम सोचे और सोचें वही जो हमारा कल्याण करे। मात्र सोचने से भी कल्याण नहीं हो सकता है। हमारा पराक्रम भी वैसा होना चाहिए। आचार्य जयमल जी महाराज साहब ने मानव मात्र के कल्याण के लिए अनेक तप किए। परिषह सहे। और जीवन काल में 700 मुमुक्षों को दीक्षा दी। हमे भी अपने जीवन और गति की चिंता करनी चाहिए और अनंत काल से चल रही यात्रा को विराम देने का पुरुषार्थ करना चाहिए। प्रवचन सभा में चेन्नई आदि स्थानों से श्रावक श्राविका उपस्थित थे। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि आगामी शुक्रवार को मरुधर केसरी मिश्रीमल जी महाराज साहब की जयंती गुणानवाद के साथ मनाई जाएगी। सभा में निधि कोठारी ने 8 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वी का सम्मान किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

बेलगावी के सरकारी देखभाल केंद्र से गर्भवती लड़की का अपहरण, आरोपी गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
यहां जिला बाल संरक्षण गृह से एक नाबालिग लड़की का कथित तौर पर अपहरण करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

लड़की को बचा लिया गया है। 30 जुलाई को, आरोपी चंद्रकांत लावेगे जिला बाल संरक्षण समिति द्वारा संचालित केंद्र में गया और चाकू की नोक पर गर्भवती लड़की का अपहरण कर लिया। कुछ महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। चूँकि यह एक बाल विवाह था, इसलिए अधिकारी लड़की को केंद्र में ले आए थे। लड़की को बेलगावी जिले के एक गाँव से छुड़ाया गया।

आरोपी को जेल भेज दिया गया है, जबकि लड़की को केंद्र में वापस भेज दिया गया है। आरोपी ने लड़की का चाचा होने का झूठा दावा करके और उसके लिए कुछ दवाइयाँ लाने का झूठा दावा करके केंद्र में प्रवेश किया था। बाद में उसने महिला कर्मचारियों को धमकाया और लड़की को बाइक पर लेकर भाग गया। कर्मचारियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। महिला एवं बाल कल्याण विभाग के उप निदेशक एम. एन. चेतन कुमार ने विभागीय जाँच के आदेश दिए हैं। पुलिस आयुक्त बोरसे भूषण गुलाबराव ने ऐसे केंद्रों में सुरक्षा स्थिति पर रिपोर्ट मांगी है।

उन्होंने कहा कि पुलिस संबंधित विभागों के साथ मिलकर पुरुष कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और ऐसे केंद्रों में सुरक्षा उपाय बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा करेगी।

दीक्षार्थी मुमुक्षु प्रेक्षा कोचर का अभिनन्दन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
परम पूज्य युगप्रधान अचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध-वीश्री पुण्ययशा जी की सन्निध्य में दीक्षार्थी बहन प्रेक्षा कोचर का अभिनन्दन समारोह मंगलवार दोपहर 2:30 बजे तेरापंथ भवन में आयोजित किया गया। साध्वी श्री ने अपने मंगल उद्बोधन में फरमाया यह अभिनन्दन त्याग, वैराग्य, संयम का अभिनन्दन है। यह त्याग, संयम आत्मा के प्रकाश को उजागर करता है। आत्मा के प्रकाश से ही सम्यक्त्व का बीज अंकुरित होता है। जितना जितना वैराग्य पुष्ट होता है उतना ही बीज पल्लवित होता है, आज के भौतिक युग में सम्यक्त्व की प्राप्ति ही वैराग्य को पुष्ट बनाती है। इसी के साथ त्याग, वैराग्य के पथ पर बढ़ना बहुत बड़ी साधना है। कार्यक्रम में महिला मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण किया गया।

तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए मुमुक्षु बहन के शुभ आध्यात्मिक भविष्य की मंगलभावना व्यक्त की। मुमुक्षु प्रेक्षा ने अपने वक्तव्य में कहा इस संसार में व्यक्ति अकेला आता है और अकेला ही जाता है, जो व्यक्ति अपने जीवन में धर्म का आचरण करता है वही संयम पथ पर अग्रसर हो सकता है। 3 सितम्बर 2025 को अहमदाबाद में आचार्य श्री महाश्रमण जी मुमुक्षु बहन को दीक्षा प्रदान करेंगे। साध्वी बोधिप्रभा जी ने गीत के माध्यम से अपने भावों की प्रस्तुति दी। उपासक महेन्द्र दक, मुमुक्षु के भाई गजेन्द्र कोचर ने भावाभिव्यक्ति दी। मुमुक्षु का परिचय ममता दुगड़ ने दिया। तिलक एवं जैन पट्ट द्वारा मुमुक्षु बहन का अभिनंदन किया गया। संयोजन वंदना भंसाली ने किया। महिला मंडल अध्यक्ष मंजुबोथरा, मूलचन्द नाहर एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

विधायक भाटी ने पाली में ज्येष्ठ पुष्कर चौक के नाम से चौक नामकरण करने की घोषणा की: डॉ. लूनावत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पाली के विधायक भीमराज भाटी के बेंगलूरु आगमन पर प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के पदाधिकारियों ने अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री डॉ. जवरीलाल लूनावत ने बताया कि अपने दौरे के दौरान विधायक ने ज्येष्ठ पुष्कर धाम में चातुर्मास हेतु विराजित दक्षिण सम्राट घोर तपस्वी व प्रवासी राजस्थानी सर्व समाज से अलंकृत नरेश मुनिजी के दर्शन व प्रवचन का लाभ लिया। एक घंटे प्रवचन सुनने के बाद भाटी का स्वागत संघ के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। पूज्य शालिभद्रजी एवं महासतीजी दर्शन प्रभाजी की प्रेरणा से भाटी ने अपने संबोधन में घोषणा कर कहा कि पाली में किसी भी बड़े चौक का नाम ज्येष्ठ पुष्कर चौक के नाम पर रखा जाएगा। यह कार्य अतिशीघ्र करवाकर इसके आदेश की प्रति प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ को भेज दी जायेगी। आदेश आने के बाद चातुर्मास के बाद विधिवत इस चौक का उद्घाटन होगा। भाटी ने कहा कि जैन समाज के संतों के साथ मेरा बहुत पुराना नाता है और मैं जैन संतों के साथ दिल से जुड़ा रहता हूँ व जैन संतों द्वारा दिये गये आदेश की मैं पूरी तरह पालना भी करता हूँ। जैन संतों का आशीर्वाद मुझ पर हमेशा बना रहता है व उनके द्वारा बताए गये उपदेश ही मेरे राजनैतिक जीवन की सच्ची पूंजी है। भाटी ने कहा कि मैं जाति से जैन नहीं हूँ, मगर मेरी आस्था हमेशा जैन संतों से जुड़ी हुई है। गत माह बेंगलूरु में विश्वकर्मा जांगिड भवन में प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ द्वारा आयोजित सर्व धर्म सम्मेलन एवं प्रवचन के कार्यक्रम में 36 कौम के प्रवासी बंधुओं ने गुरुदेव नरेश मुनि को प्रवासी राजस्थानी सर्व समाज गौरव पद से अलंकृत किया। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री डॉ. जवरीलाल लूनावत व चातुर्मास समिति के चेयरमैन अशोक रांका, अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, उपाध्यक्ष माणकचंद बडेरा व महामंत्री महावीरचंद मेहता ने भाटी की इस घोषणा पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि समग्र जैन समाज के लिये आज का दिन गौरवमय होगा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नेरघट्टा रोड नेशनल पार्क के सामने श्री खाटू श्याम मंदिर में श्रावण मास के पावन अवसर पर शुक्ल पक्ष की पुत्रदा एकादशी पर सायं 4 बजे से मंदिर प्रांगण में भजन संध्या का आयोजन किया गया। स्थानीय भजन गायकों ने भजनों से बाबा श्याम को रिझाया। इस मौके पर बाबा श्याम का मनमोहक फुलों से श्रृंगार किया गया। उपस्थित बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन किये।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मार्ग ज्योति नेत्रहीन वाद्य गोष्टी द्वारा लग्गेरी स्थित कल्याण मंटप में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने जरूरतमंदों में कंबल वितरित करते हुए अपने वक्तव्य में कहा सेवा मनुष्य का स्वभाव है जो स्वयं के लिए जीवित है, उनका जीवन व्यर्थ है, सच्चा जीवन तो वो जीते हैं जो अपनी शक्ति का सदुपयोग जरूरतमंदों के लिए करते हैं। संस्था की अध्यक्ष सिद्ध गंगाम्मा ने मुणोत को सम्मानित किया।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का 79 वर्ष की आयु में निधन

राजनीतिक हलकों में शोक की लहर

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर सहित कई राज्यों के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार, 5 अगस्त 2025 को दिल्ली के राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में निधन हो गया। 79 वर्षीय मलिक लंबे समय से किडनी की बीमारी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर से राजनीतिक और सामाजिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई।

राम मनोहर लोहिया अस्पताल के अनुसार, सत्यपाल मलिक को 11 मई 2025 को जटिल मूत्र मार्ग संक्रमण (यूटीआई) के कारण भर्ती किया गया था। उनकी स्थिति गंभीर थी, जिसमें मधुमेह, किडनी रोग, उच्च रक्तचाप, मोटापा और स्लीप एपनिया जैसी पुरानी बीमारियां शामिल थीं। अस्पताल के बयान में कहा गया, उन्हें मूत्र मार्ग संक्रमण के कारण सेप्टिक शॉक, अस्पताल में उत्पन्न निमोनिया और मल्टी-ऑर्गन डिसफंक्शन का सामना करना पड़ा, जिसके बाद दोपहर 1:12 बजे उनका निधन हो गया।

25 जुलाई 1946 को उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के हिसवाड़ा गांव में एक जाट परिवार में जन्मे सत्यपाल मलिक ने मेरठ विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक और एलएलबी की डिग्री हासिल की। 1960 के दशक में राम मनोहर लोहिया की समाजवादी विचारधारा से प्रेरित होकर उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्यपाल मलिक के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, श्री सत्यपाल मलिक जी के निधन से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। ओम शांति।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा, किसानों की बुलंद आवाज और पूर्व राज्यपाल श्री सत्यपाल सिंह मलिक जी का निधन अत्यंत दुखद है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी उन्हें निडर और सच्चाई का समर्थक बताते हुए श्रद्धांजलि दी।

सत्यपाल मलिक के पार्थिव शरीर को उनके आरके पुरम स्थित आवास पर ले जाया गया, और अंतिम संस्कार बुधवार को लोधी श्मशान घाट पर होगा। सत्यपाल मलिक का जीवन समाजवादी विचारधारा, किसान-केंद्रित राजनीति और बेबाक नेतृत्व का प्रतीक रहा। उनके निधन ने भारतीय राजनीति में एक युग का अंत कर दिया। वह एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किए जाएंगे, जिन्होंने सत्ता के गलियारों में रहकर भी सच बोलने का साहस दिखाया।

जाति-धर्म आधारित कार्रवाई के आदेश पर योगी ने लिया एक्शन

आदेश रद्द, पंचायती राज विभाग का संयुक्त निदेशक निलंबित

लखनऊ, 05 अगस्त (ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंचायती राज विभाग द्वारा जारी उस विवादास्पद आदेश पर सख्त नाराजगी जताई है, जिसमें ग्रामसभा की भूमि से अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई को जाति विशेष (यादव) और धर्म विशेष (मुस्लिम) से जोड़कर निर्देशित किया गया था। मुख्यमंत्री ने संबंधित आदेश को पूर्णतः भेदभावपूर्ण और अस्वीकार्य करार देते हुए उसे तत्काल प्रभाव से रद्द करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने इस मामले को गंभीर प्रशासनिक चूक मानते हुए संबंधित संयुक्त निदेशक

एसएन सिंह को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने साफ शब्दों में कहा है कि इस प्रकार की भाषा और सोच न केवल शासन की नीतियों के विरुद्ध है, बल्कि समाज में विभाजन पैदा करने वाली है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई पूरी निष्पक्षता, तथ्यों और कानून के अनुसार होनी चाहिए, न कि जाति या धर्म के आधार पर। उन्होंने अधिकारियों को इस प्रकार की गलती की पुनरावृत्ति नहीं होने देने की चेतावनी भी दी है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि सरकार समरसता, सामाजिक न्याय और सबके समान अधिकारों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकार की नीतियां किसी व्यक्ति, समुदाय या वर्ग के प्रति पूर्वाग्रह से प्रेरित नहीं हो सकतीं। हमारी प्रतिबद्धता संविधान और न्याय की मूल भावना के प्रति है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में फर्जीवाड़ा उजागर

9000 दंपति ले रहे थे पीएम किसान सम्मान निधि

कानपुर, 05 अगस्त (ब्यूरो)।

कानपुर में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि शुरू होने के छह साल बाद योजना के लाभार्थियों में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। शासन के निर्देश पर जिले में 2.35 लाख लाभार्थियों का भूमि सत्यापन कराया गया तो पता चला कि इसमें नौ हजार दंपति नियमों के खिलाफ जाकर योजना का लाभ ले रहे थे। इन सभी अपात्र लाभार्थियों की 20वीं किस्त रोक दी गई है। जिलाधिकारी जीतेंद्र प्रताप सिंह ने कहा, भूमि सत्यापन के दौरान इन लाभार्थियों के नाम सामने आए हैं। इसकी जांच कृषि विभाग के कर्मचारियों की टीम कर रही है। जांच में जो भी नाम शामिल आते हैं, उनको अपात्र घोषित कर उनसे वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

इस बार जिले के 2.26 लाख किसानों को योजना का लाभ मिला है। अब विभाग इन दंपतियों की जांच करा रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का संचालन 2019 में हुआ था। इसके तहत एक वर्ष में तीन किस्तों में छह हजार रुपए किसानों के खाते में भेजे जाते हैं। जिले में करीब 2.50 लाख से अधिक किसानों को योजना की पहली किस्त का लाभ दिया गया था। धीरे-धीरे योजना में कई फर्जी लाभार्थियों के शामिल होने की बात सामने आई तो उनका सत्यापन कराया गया। इसमें पता चला कि करीब 40 हजार लाभार्थी अपात्र हैं। इसमें कई दूसरे जिले के रहने वाले तो कई बिना भूमि वाले भी मिले। जांच के बाद इनको योजना से बाहर किया गया। इसके बाद 2024 में शासन ने 2.35 लाभार्थियों की खतौनी को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए थे। प्रशासन और भूमि विभाग की तरफ से गांव-गांव कैंप लगाकर भूमि सत्यापित की गई और योजना से लाभार्थी की भूमि को लिंक किया गया। इसमें पता चला कि नौ हजार ऐसे भी लाभार्थी हैं, जो पति-पत्नी दोनों योजना का लाभ ले रहे हैं, जो नियमानुसार गलत है। विभाग ने सभी तहसीलों से सूची लेकर ऐसे लाभार्थियों की जांच शुरू करा दी है। अब विभाग के कर्मचारी लाभार्थियों के घर जाकर सत्यापन कर रहे हैं। ऐसे लाभार्थियों से अब तक मिले लाभ की वसूली भी की जा सकती है। पति या पत्नी किसी एक को लाभ देने का नियमपीएम किसान सम्मान निधि योजना में पति या पत्नी दोनों में से किसी एक को योजना का लाभ देने का नियम है। एक परिवार में एक ही लाभार्थी योजना का लाभ ले सकता है। इसमें टैक्स पेयर्स, पेंशन धारक भी अपात्र की श्रेणी में शामिल हैं।

करोड़ों की टैक्स चोरी में पान मसाला की दो बड़ी कंपनी लिप्त

बड़े-बड़े फिल्म अभिनेता करते हैं जिनका प्रचार

लखनऊ, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

नोएडा, कानपुर और बाराबंकी में पान मसाला में कंपनियों में करोड़ों की टैक्स चोरी पकड़ी गई है। शासन के निर्देश पर सीधे कार्रवाई हुई। शिखर के चार ट्रक सीज किए गए हैं। जबकि नोएडा में विमल पान मसाला की फैक्टरी की जांच के बाद कंपनी ने 2.5 करोड़ जमा किए हैं। उत्तर प्रदेश में शासन के निर्देश पर दो बड़े ब्रांड के पान मसाला इकाइयों की जांच में करोड़ों की टैक्स चोरी और बिना ई-वे बिल के सप्लाई का खुलासा हुआ है। ये कार्रवाई नोएडा में विमल पान मसाला पर की गई। वहीं कानपुर और बाराबंकी में शिखर पान मसाला के बिना ई वे बिल

के चार ट्रक सीज किए गए। विमल पान मसाला ने 2.5 करोड़ रुपए जमा किए हैं। वहीं शिखर मामले में जांच के निर्देश दिए गए हैं।

राज्यकर विभाग के प्रमुख सचिव एम देवराज को दो ब्रांड्स में टैक्स चोरी की गोपनीय सूचना मिली थी। नोएडा में विमल पान मसाला की इकाइयों में जांच के लिए उन्होंने बाहरी जिले की टीमों को भेज कर जांच कराई। स्टाक और बिक्री में अंतर पर जेवी इंडस्ट्रीज ने 2.5 करोड़ रुपए जमा कराए। साथ ही शासन स्तर से मामले की जांच के निर्देश दिए। इसी तरह वी वन ब्रांड की जांच में 50 लाख रुपए जमा कराए गए। दूसरी तरफ, कानपुर में खुफिया सूचना के आधार पर डीएम से शिखर पान मसाला के तीन ट्रक पकड़वाए। तीनों ही ट्रक ई वे बिल के बिना माल ले जा रहे थे। इस प्रकरण की जांच चल ही रही थी कि बाराबंकी में भी शिखर का एक ट्रक एसडीएम ने पकड़ा। इसमें भी टैक्स चोरी का माल पाया गया। खास बात ये है कि तीनों ही कार्रवाई से विभागीय अधिकारियों को दूर रखा गया। इनमें भी नोएडा और कानपुर में राज्य कर की कमान आईएएस अधिकारियों के हाथ में है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि गोपनीय सूचना पर नोएडा स्थित विमल पान मसाला इकाई की जांच कराई गई थी, जिसमें फर्म ने 2.5 करोड़ रुपए जमा किए। इसी तरह कानपुर और बाराबंकी में शिखर पान मसाला के चार ट्रक पकड़े गए, जिसमें बिना प्रपत्रों के ही माल का परिवहन किया जा रहा था। तीनों ही मामलों में जांच के निर्देश दिए गए हैं और विभागीय संलिप्तता मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ा, संसद के दोनों सदनों ने दी मंजूरी

सरकार का रुख: शांति और स्थिरता प्राथमिकता

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

संसद ने मंगलवार, 5 अगस्त 2025 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को अगले छह महीने के लिए बढ़ाने के सांविधिक संकल्प को मंजूरी दे दी। यह विस्तार 13 अगस्त 2025 से प्रभावी होगा। लोकसभा ने 30 जुलाई को इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी थी, और अब राज्यसभा ने भी विपक्षी हंगामे के बीच इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में संकल्प पेश किया, जिसमें कहा गया, यह सभा राष्ट्रपति द्वारा मणिपुर के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत 13 फरवरी 2025 को जारी उद्घोषणा को 13 अगस्त 2025 से अगले छह महीनों के लिए जारी रखने का अनुमोदन करती है। यह प्रस्ताव राज्य में जारी अशांति और प्रशासनिक अस्थिरता के मद्देनजर लाया गया।

मणिपुर में 3 मई 2023 से मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा ने भारी तबाही मचाई थी, जिसमें 260 से अधिक लोग मारे गए और 60,000 से ज्यादा लोग विस्थापित हुए। इस हिंसा के दौरान 6,000 से अधिक पुलिस हथियार लूटे गए। स्थिति पर नियंत्रण न पाने के कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने 9 फरवरी 2025 को इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद 13 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार ने विधानसभा भंग कर राष्ट्रपति शासन लागू किया।

राज्यसभा में संकल्प पर चर्चा के दौरान वाईएसआर कांग्रेस के सुभाष चंद्र बोस पिल्लै और बीजू जनता दल के मुजीबुल्ला खान ने हिस्सा लिया, लेकिन विपक्षी सदस्यों के हंगामे और नारेबाजी के कारण उनकी बातें सुनाई नहीं दीं। उपसभापति हरिवंश ने नारेबाजी रोकने की अपील की, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने जवाब दिया, लेकिन शोर के कारण उनका बयान भी स्पष्ट नहीं हो सका। इसके बावजूद संकल्प को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

राय ने कहा कि राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद पिछले चार महीनों में हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं हुई, और केवल एक घटना में एक व्यक्ति की जान गई। उन्होंने दावा किया कि शांति बहाल हो रही है और सरकार मेइती व कुकी समुदायों के बीच सुलह के लिए बातचीत कर रही है।

विपक्षी दलों ने संकल्प का समर्थन किया, लेकिन केंद्र सरकार की आलोचना की। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्रपति शासन का समर्थन करती है, लेकिन सरकार को उग्रवाद खत्म करने, संवाद बढ़ाने और समावेशिता पर जोर देना चाहिए। टीएमसी की सयानी घोष ने शीघ्र शांति बहाली की मांग की। कांग्रेस सांसद ए. बिमोल अकोईजाम ने विधानसभा भंग कर नए चुनाव कराने की मांग उठाई ताकि जनता के जनादेश से सरकार बने। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कहा कि मणिपुर में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। उन्होंने दावा किया कि पिछले चार महीनों में कोई बड़ी हिंसा नहीं हुई और सरकार मेइती व कुकी समुदायों के बीच संयुक्त बैठक बुलाने की तैयारी कर रही है। शाह ने यह भी स्पष्ट किया कि बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद कोई भी पार्टी सरकार बनाने के लिए आगे नहीं आई, जिसके कारण राष्ट्रपति शासन लागू करना पड़ा।

राज्यसभा में सीआईएसएफ तैनाती पर हंगामा, सरकार बोली

सदन में केवल मार्शल, न कि पुलिस या मिलिट्री

विपक्ष को चाहिए ट्यूशन : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

मंगलवार को राज्यसभा में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की कथित तैनाती को लेकर विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोकझोंक और हंगामा देखने को मिला। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने इस मुद्दे पर उपसभापति हरिवंश को 1 अगस्त को लिखे पत्र का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि सांसदों के विरोध के अधिकार को दबाने के लिए सदन में सीआईएसएफ कर्मियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सदन में केवल संसदीय सुरक्षा सेवा के प्रशिक्षित मार्शल ही तैनात हैं, न कि पुलिस या मिलिट्री।

खरगे ने कहा कि संसद में सांसदों को अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने से रोकने के लिए उखडक्र कर्मियों को तैनात किया जा रहा है। उन्होंने पूर्व बीजेपी नेताओं अरुण जेटली और सुषमा स्वराज का हवाला देते हुए कहा, उन्होंने कहा था कि लोकतंत्र में व्यवधान

डालना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करता है। खरगे ने तंज कसते हुए पूछा, क्या विपक्षी सांसद आतंकवादी हैं कि सदन में पुलिस और मिलिट्री लाई जा रही है? संसदीय सुरक्षा सेवा सक्षम है, तो उखडक्र की क्या जरूरत है?

उन्होंने उपसभापति से सवाल किया, यह सदन आप चला रहे हैं या गृह मंत्री अमित शाह? इस पर सत्तापक्ष की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई।

उपसभापति हरिवंश ने स्पष्ट किया कि सदन में केवल संसदीय सुरक्षा सेवा के प्रशिक्षित कर्मी ही तैनात हैं, जो विशेष रूप से प्रशिक्षित होते हैं और बल का प्रयोग नहीं करते। उन्होंने कहा कि हाल के सत्रों में वेल में हंगामा और सांसदों को बोलने से रोकने की घटनाओं के कारण सुरक्षा कर्मियों को वेल क्षेत्र को सुरक्षित करना पड़ा। हरिवंश ने खरगे से गलतबयानी न करने की अपील की।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर गलत तथ्य फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मीडिया में यह गलत खबर फैलाई जा रही है कि सदन में उखडक्र, पुलिस या मिलिट्री लाई गई है। यह पूरी तरह गलत है। सदन में केवल संसदीय सुरक्षा सेवा के मार्शल ही तैनात हैं।

सदन के नेता और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खरगे के सवाल पर पलटवार करते हुए कहा, विपक्ष का मेरे बगल में खड़े होकर नारेबाजी करना न केवल अलोकतांत्रिक है, बल्कि नियमों के खिलाफ भी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, मैं 40 साल तक विपक्ष में रहा हूं और जानता हूं कि विपक्ष को क्या करना चाहिए। विपक्ष अभी नया है, उसे 30-40 साल और विपक्ष में रहना है। मैं उन्हें ट्यूशन देने को तैयार हूं। नड्डा ने दोहराया कि सदन में तैनात सभी सुरक्षाकर्मी मार्शल हैं और उन्हें वही माना जाता है।

डीएमके सांसद तिरुचि शिवा ने नड्डा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, सदन के नेता ने खुद माना कि सुरक्षा के लिए तैनात सभी कर्मी मार्शल हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि वे किसी अन्य बल से हैं। जब हम अपनी बात रखने की कोशिश करते हैं, तो हमें बाधित करने का आरोप लगाया जाता है।

संसद की सुरक्षा सेवा की नींव 1930 में केंद्रीय विधायी सभा के पहले चुने गए अध्यक्ष विट्ठल भाई पटेल ने रखी थी। तब से यह सेवा संसद की सुरक्षा का जिम्मा संभाल रही है। वेल में नारेबाजी और अन्य सांसदों को बोलने से रोकने की घटनाओं को पहले भी अस्वीकार्य माना गया है: 1978 में तत्कालीन सभापति ने इसे 'सदन की अवमानना' कहा था। 1988 में इसे 'घृणित' करार दिया गया। 2008 और 2014 में वेल में नारेबाजी को नियमों का उल्लंघन और विशेषाधिकार हनन माना गया, जिसके लिए एक सांसद को माफी मांगनी पड़ी थी।

जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की याचिका पर सुनवाई 8 अगस्त को

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का केंद्र को निर्देश देने की मांग संबंधी याचिका पर आठ अगस्त को सुनवाई की जायेगी।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की ओर से याचिका पर सुनवाई के अनुरोध पर कहा कि इस मामले में आठ अगस्त को सुनवाई की जाएगी।

उन्होंने 'विशेष उल्लेख' करते हुए कहा कि यह मामला आठ अगस्त को सूचीबद्ध दिखाया गया है। उस दिन की सूची से इसे न हटाया जाए।

मुख्य न्यायाधीश ने उनके अनुरोध स्वीकार कर लिया और कहा कि यह मामला सूची से नहीं हटाया जाएगा। यह याचिका कॉलेज शिक्षक जहूर अहमद भट और सामाजिक कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक ने दायर की थी। उन्होंने अपनी याचिका में केंद्र सरकार के शीर्ष अदालत के समक्ष किए गए वादे का जिक्र करते हुए गया है कि यह आवश्यक हो जाता है कि जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को जल्द से जल्द समयबद्ध तरीके से बहाल करने के लिए उचित निर्देश पारित किए जाएं। याचिका में कहा गया है कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के आश्वासन के बावजूद केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 मामले में फैसले के बाद के वर्षों में इस संबंध में कोई कदम नहीं उठाया है। यह आवेदन अधिवक्ता सोयब कुरैशी के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से संबंधित निस्तारित मामले में दायर किया गया था। इसमें कहा गया है, ग्यारह दिसंबर-2023 को फैसले की तिथि से जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है, जो यहां के निवासियों के अधिकारों को गंभीर रूप से प्रभावित करने के साथ ही संघवाद के मूल ढांचे का भी उल्लंघन कर रहा है। याचिका में यह भी कहा गया है कि चूंकि विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए थे। इसलिए यदि शीर्ष अदालत समयबद्ध अवधि के भीतर केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश देती है तो कोई सुरक्षा चिंता नहीं होगी।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बलरामपुर का धर्मांतरण गिरोह

छांगुर सरगना नहीं, केवल एक मोहरा था

● कई बड़ी हस्तियां लिप्त, पुलिस देती है संरक्षण ● डीएम ने बेनकाब किया तो हो गया था तबादला

बलरामपुर, 05 अगस्त (ब्यूरो)। धर्मांतरण गिरोह का सरगना छांगुर उर्फ जलालुद्दीन से मिले सुराग के आधार पर पुलिस का कहना है कि छांगुर तो बस एक मोहरा है उसके तार कई बड़े-बड़े लोगों से जुड़े हैं। शासन को भेजी गई रिपोर्ट में धर्मांतरण गिरोह से जुड़ी कई बड़ी हस्तियों के नाम भेजे गए हैं, जिनकी गहराई से छानबीन की जा रही है। इनमें कुछ ऐसी राजनीतिक हस्तियां भी हैं, जो कुछ अन्य मामलों में फिलहाल जेल में हैं।

बलरामपुर के धर्मांतरण गिरोह से पांच प्रदेशों में चल रहे धर्मांतरण और लव-जेहाद के खेल के अब तक छांगुर उर्फ जलालुद्दीन, नीतू उर्फ नसरीन और नवीन जैसे तीन अहम किरदार सामने आए हैं। पूरा आरोप इन्हीं पर मढ़ा गया और कार्रवाई भी इन्हीं पर केंद्रित रही, लेकिन कुछ जांच एजेंसियों के अनुसार ये तीनों तो बस मोहरे हैं।

पूरे खेल के सुत्रधार अन्य कई बड़ी हस्तियां हैं। सादुल्लानगर क्षेत्र की भी कई हस्तियां इस गिरोह के सुत्रधारों में हैं। धर्मांतरण के मामले में सादुल्लानगर क्षेत्र करीब दस वर्ष से संवेदनशील रहा है। शासन को भेजी रिपोर्ट में भी इस क्षेत्र की स्थिति चिंताजनक बताई गई है। बलरामपुर के तत्कालीन जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने धर्मांतरण गिरोह और पुलिस के बीच आपराधिक गठजोड़ को बेनकाब किया था। लेकिन उनकी रिपोर्ट शासन को प्रेषित होने के बाद ही उनका तबादला हो गया और उनकी जांच रिपोर्ट फाइलों में दबा दी गई।

जांच एजेंसियों के अनुसार बलरामपुर में धर्मांतरण का मुख्य साजिशकर्ता छांगुर, नीतू और नवीन से इतर कोई दूसरा है। उसकी जड़ दुबई, कतर, सऊदी अरब और पाकिस्तान में भी मजबूती से जमी हुई है। भारत के साथ ही वह नेपाल में भी धर्मांतरण की मुहिम में शामिल रह चुका है। इस पूरी कहानी को समझने के लिए नेपाल से लगे उत्तर प्रदेश के सात जिलों की स्थिति देखनी और परखनी होगी। फिलहाल पूरा बलरामपुर जिला अब भी सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील बना हुआ है।

वर्ष 2024 में सादुल्लानगर के तत्कालीन थाना प्रभारी पर गंभीर आरोप लगे। यहां पुलिस और अपराधियों के गठजोड़ की शिकायत अपर मुख्य सचिव गृह एवं गोपन विभाग के साथ ही अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री से भी की गई। 18 जून 2024 में दोनों अधिकारियों को पत्र लिखा गया। पत्र (संख्या 2825/जेए/24) के अनुसार प्रभारी निरीक्षक ने तत्कालीन अधिकारियों से मिलीभगत करके पूर्व सपा विधायक और गैंगस्टर आरिफ अनवर हाशमी को संरक्षण प्रदान किया था। मजिस्ट्रेटी जांच में भी तत्कालीन थानाध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगे, लेकिन थानाध्यक्ष को न हटाया गया और न ही कार्रवाई ही की गई। वह अब भी अधिकारियों का चहेता बनकर दूसरे थाने की कमान संभाले हुए है। मजिस्ट्रेटी जांच रिपोर्ट के अनुसार एक अप्रैल 2024 को जब पुलिस ने आरिफ अनवर हाशमी और उसके भाई मारुफ अनवर हाशमी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी तब आरिफ अनवर हाशमी भी घर पर मौजूद था, लेकिन उसे तब गिरफ्तार नहीं किया गया। तत्कालीन थानाध्यक्ष ने तब अपनी रिपोर्ट में बताया था कि आरिफ कार्रवाई के दौरान घर पर नहीं था।

आरिफ अनवर हाशमी ने सादुल्ला नगर थाने की जमीन ही हथिया ली थी। उसने थाने शरीफ शहीदे मिल्लत अब्दुल कद्दूस शाह रहमतउल्लाह अलैह नामक समिति का गठन कर अपने सगे भाई मारूफ अनवर हाशमी को मुतवल्ली नियुक्त कर थाने की जमीन पर मजार बना दिया। यही नहीं, थाने के नाम की जमीन को हटवाकर समिति का नाम भी दर्ज करा दिया। तत्कालीन एसपी चुप रहे, लेकिन मामले की जानकारी होने पर डीएम अरविंद सिंह ने जांच कराई तो पूरा खेल सामने आ गया था।

मरहूम महिला के खाते में आए खरबों रुपए, बेटा हैरान

कुछ ही देर बाद खाता हो गया फ्रीज

नोएडा, 05 अगस्त (ब्यूरो)। यूपी के गौतमबुद्धनगर जिले में एक दिवंगत महिला के खाते में खरबों रुपए आ गए। कैलकुलेर और एआई भी इस रकम की गिनती नहीं कर पाए। यह क्षेत्र में चर्चा का विषय बना है। खरबों रुपए आने के कुछ देर बाद ही खाता फ्रीज हो गया। इस बारे में न बैंक कुछ बता रहा है और न पुलिस प्रशासन। खाताधारक महिला के पुत्र और पूरे इलाके के लोग इस घटना को लेकर हतप्रभ हैं और उन्हें कोई जानकारी भी नहीं दी जा रही है। महिला का बैंक खाता फ्रीज हो गया है, जबकि संबंधित बैंक इस बारे में कुछ बता भी नहीं रहे हैं।

गौतमबुद्ध नगर के दनकौर में दो माह पहले मृत महिला के खाते में कुल इतनी रकम का मैसेज आया कि उनका बेटा सकते में आ गया। वह भाग कर बैंक पहुंचा तो बैंककर्मी भी रकम देखकर अचंभित हो गए। बैंक ने आधिकारिक तौर पर इस बारे में की जानकारी नहीं दी। महिला के खाते में आए कुल 37 अंकों की रकम की गणना करने में एआई, मेटा और कैलकुलेटर भी फेल हो गए। बताया गया कि करीब एक अरब, 13 लाख 56 हजार करोड़ रुपए उसके खाते में आ गए थे। ऊंची दनकौर मोहल्ले निवासी महिला गायत्री की मौत करीब दो महीने पहले हुई थी। बैंक खाता महिला का बेटा ऑपरेट करता है। महिला का बेटा दीपक कुमार बेरोजगार है। महिला के बैंक खाते से जुड़े यूपीआई का उपयोग उनका बेटा दीपक कर रहा था। सोमवार को वह यूपीआई से कोई पेमेंट कर रहा था लेकिन पेमेंट नहीं हो सकी। बार-बार पेमेंट का प्रयास करने पर भी पेमेंट न होने पर उसने बैंक बैलेंस की जांच की तो वह अचंभित हो गया। युवक ने पाया कि उसकी मां गायत्री के बैंक खाते में 37 अंकों वाली संख्या दिखाई दे रही थी। एक अनुमान के अनुसार, यह संख्या लगभग एक अरब 13 लाख 56 हजार करोड़ रुपए उसके खाते में आ गए थे। इसके बाद दनकौर के कोटक महिंद्रा बैंक की शाखा में पहुंचे और रुपए आने की जानकारी लेनी चाही। बैंककर्मियों ने उन्हें कोई जानकारी नहीं दी। जबकि खाता फ्रीज हो गया था। इस मामले में कोतवाली प्रभारी सुरेंद्र सिंह का कहना है कि उन्हें इस मामले की जानकारी नही है। दीपक ने इस बात की जानकारी अपने परिचितों को भी दी। कुछ ही देर में पूरे क्षेत्र में मामले की जानकारी फैल गई और लोग तरह-तरह की टिप्पणी करने लगे। महिला के खाते में 37 अंकों वाली रकम आने का मामला रहस्य में घिरा हुआ है, जिसका जवाब देने से बैंक और प्रशासन कन्नी काट रहा है।

गजवा-ए-हिंद की साजिश में लगे थे कॉलेज के छात्र

देशभर में बिछे हैं तार, दो युवक गिरफ्तार

मुरादाबाद, 05 अगस्त (ब्यूरो)। गजवा ए हिंद केस में अमरोहा का अजमल अली को गिरफ्तार किया गया है। उससे एटीएस ने कई बार पूछताछ की थी। अजमल के पकड़े जाने के बाद मोहल्ले के लोग हैरान है। स्थानीय पुलिस भी इसकी जांच करने में जुट गई है। राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में एटीएस द्वारा गिरफ्तार अजमल अली करीब दो सप्ताह से एटीएस की रडार पर था। करीब 12 दिन पहले एटीएस के अधिकारी उनके घर पहुंचे थे और दो घंटे पूछताछ के बाद तीनों पिता-पुत्र को अपने साथ ले गई थी। मुरादाबाद में किसी गुप्त स्थान पर पूछताछ के बाद शाम को छोड़ दिया था।

नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के गांव देहरा निवासी असगर खान का बेटा अजमल अली बीएससी का छात्र है, जबकि असगर खान कस्बा में स्थित एक डिग्री कॉलेज में संविदा शिक्षक हैं। इसके अलावा घर पर जैकेट सिलाई का काम भी करते हैं। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे अनस व अजमल और एक बेटी भी है। अनस भी जैकेट सिलाई का काम करता है। असगर खान मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनका मंझला बेटा अजमल बिजनौर के एक डिग्री कॉलेज में बीएससी का छात्र है। बेहद शांत स्वभाव का अजमल गांव में लोगों से बात नहीं करता था। उसकी गांव में किसी से दोस्ती भी नहीं है।

करीब 12 दिन पहले एटीएस की टीम में शामिल छह लोग उनके घर पहुंचे और खुद को एटीएस के अधिकारी बताते हुए गेट बंद कर लिया। करीब दो घंटे पूछताछ करने के बाद असगर खान, अनस और अजमल को अपने साथ ले गए थे। तीनों पिता-पुत्रों से मुरादाबाद में किसी स्थान पर पूछताछ की गई और शाम को उन्हें घर भेज दिया था। एटीएस की पूछताछ का यह सिलसिला तीन दिन तक चलता रहा। आठ दिन पहले टीम अजमल और उसके पिता को अपने साथ लखनऊ ले गई थी। वहां भी दोनों से चार दिन तक रोजाना पूछताछ की गई। एटीएस की पूछताछ के चलते पिता-पुत्र एक होटल में रुकते थे। इसके बाद एक अगस्त को एटीएस ने अजमल को गिरफ्तार कर लिया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अजमल अली की गिरफ्तारी के बाद स्थानीय पुलिस और प्रशासन भी सतर्क हो गया है। जिले की खुफिया एजेंसी ने भी अजमल अली के गांव पहुंचकर बारीकी से पूरी जानकारी जुटाई है। सीओ अवधभान भदौरिया ने अजमल की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि नौगांवा सादात थाने में अजमल या उनके परिवार के किसी सदस्य का आपराधिक रिकार्ड नहीं है।

जहां कभी गड्ढों से होती थी यूपी की पहचान

आज यूपी को एक्सप्रेस-वे दिला रहे सम्मान

लखनऊ, 05 अगस्त (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश कभी गड्ढों से भरी सड़कों, बदहाल बुनियादी ढांचे और विकास की सुस्त रफ्तार के लिए पहचाना जाता था, आज देश के सबसे तेजी से विकसित होते राज्यों में शुमार हो चुका है। 2017 से पहले की सरकारों के कार्यकाल में न तो ठोस इच्छाशक्ति थी और न ही स्पष्ट योजना। राज्य में निवेश का सूखा था, सड़कों की हालत जर्जर थी, हवाई और रेल कनेक्टिविटी सीमित थी और शहरी विकास अव्यवस्थित था। 'एक जिला, एक माफिया' की पहचान वाला उत्तर प्रदेश, कानून-व्यवस्था और अधोसंरचना दोनों के मामले में पिछड़ा हुआ माना जाता था। लेकिन 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जब प्रदेश में सुशासन की बागडोर संभाली गई, तब केंद्र-राज्य समन्वय की बदौलत उत्तर प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति की नींव पड़ी। आज एक्सप्रेस-वे से लेकर एयरपोर्ट तक, मेट्रो से लेकर वाटर-वे तक हर क्षेत्र में यूपी देश को नेतृत्व दे रहा है। आज सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य नहीं, बल्कि भारत की नई आर्थिक रफ्तार का इंजन बन चुका है।

2017 से पहले उत्तर प्रदेश की पहचान गड्ढायुक्त सड़कों से होती थी। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे अधूरा था और पूर्वांचल, बुंदेलखंड तथा गंगा एक्सप्रेस-

वे जैसी योजनाएं केवल फाइलों में सिमटी थीं। गांव और कस्बे शहरों से कटे हुए थे, जिससे आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती थीं। आज वही प्रदेश देश में सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे वाला राज्य बन चुका है। गोरखपुर लिंक, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और आने वाले दिनों में गंगा एक्सप्रेस-वे की सौगात प्रदेश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार दे रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 7 एक्सप्रेस-वे संचालित हो रहे हैं, जबकि 15 एक्सप्रेस-वे निर्माणाधीन और प्रस्तावित हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे के पूरा होते ही देश में हर 10 में 6 किमी एक्सप्रेस-वे का हिस्सा उत्तर प्रदेश में होगा। यूपी में एक्सप्रेस-वे न केवल राजधानी या बड़े शहरों, बल्कि बुंदेलखंड, पूर्वांचल और तराई जैसे क्षेत्रों को भी जोड़ रहे हैं। यही नहीं, प्रत्येक एक्सप्रेस-वे के साथ औद्योगिक क्लस्टर, एमएसएमई पार्क और कृषि आधारित व्यवसाय विकसित किए जा रहे हैं जो अर्थव्यवस्ता और रोजगार को बढ़ावा दे रहे हैं।

2017 से पहले यूपी में केवल लखनऊ और गोरखपुर एयरपोर्ट प्रमुख रूप से क्रियाशील थे। इंटरनेशनल कनेक्टिविटी केवल लखनऊ तक सीमित थी। आज उत्तर प्रदेश में 16 हवाई अड्डे क्रियाशील हैं, जिनमें 4 इंटरनेशनल एयरपोर्ट (लखनऊ, वाराणसी, कुशीनगर, अयोध्या) शामिल हैं। जेवर में देश का सबसे बड़ा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन रहा है, जिसके 2025 के अंत तक परिचालन में आने की पूरी संभावना है। प्रदेश 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट और 16 घरेलू हवाई अड्डों के साथ 21 एयरपोर्ट वाला राज्य बनने की ओर अग्रसर है।

2017 से पहले केवल लखनऊ मेट्रो पर काम चल रहा था, जिसकी रफ्तार भी बेहद धीमी थी। आज यूपी में लखनऊ, कानपुर और आगरा समेत 5 शहरों में मेट्रो की सुविधा है, जबकि दिल्ली-मेरठ के बीच देश की पहली रैपिड रेल शुरू हो चुकी है और जल्द ही मेरठ में मेट्रो सुविधा शुरू होने वाली है। इसके अतिरिक्त कई अन्य शहरों (प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी, बरेली) में मेट्रो ग्राउंडवर्क जारी है, जिन्हें 2025-26 तक चरणबद्ध तरीके से शुरू करने की योजना है। इस तरह, यूपी अब देश का वह राज्य है जिसमें सर्वाधिक शहरों में मेट्रो सेवाएं संचालित हैं। वहीं, वाराणसी से हल्दिया तक वाटर-वे और अन्य जलमार्गों पर भी काम हो रहा है। उत्तर प्रदेश में भारत का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क (16 हजार किमी से अधिक) है।

2017 से पहले यूपी निवेश के नक्शे से बाहर था। लॉजिस्टिक हब और वेयरहाउसिंग की कोई स्पष्ट नीति नहीं थी। आज जेवर एयरपोर्ट, फिल्म सिटी, डिफेंस कॉरिडोर, मेडिकल डिवाइस पार्क और डेटा सेंटर पार्क जैसे प्रोजेक्ट्स से यूपी निवेश और रोजगार का हब बनता जा रहा है। केवल यीडा क्षेत्र में ही 2023-25 के दौरान 27,521 करोड़ का निवेश और 16,405 नए रोजगार सृजित हुए हैं। इसके अतिरिक्त, लखनऊ में पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क, बरेली में मेगा फूड पार्क, उन्नाव में ट्रांस गंगा सिटी, गोरखपुर में प्लास्टिक पार्क, वाराणसी में पहला फ्रेट विलेज समेत कई परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

2017 से पहले यूपी के शहर कूड़े और अराजकता के लिए बदनाम थे। आज 17 नगर निगम स्मार्ट सिटी बन चुके हैं। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सभी 17 नगर निगमों में 10 हजार 300 करोड़ से अदिक की 757 परियोजनाएं प्रगति पर हैं। लखनऊ, कानपुर और वाराणसी को स्टेट डेवलपमेंट रीजन के रूप में विकसित किया जा रहा है। सीसीटीवी नेटवर्क, सेफ सिटी प्रोजेक्ट और क्लीन सिटी मिशन ने प्रदेश को नई पहचान दिलाई है। वाराणसी में देश की पहली रोप-वे सेवा भी शुरू होने जा रही है।

अलीगढ़ में 958 करोड़ की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

स्वदेशी अपनाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है: सीएम योगी

अलीगढ़, 05 अगस्त (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना आज देश के अंदर एक मॉडल बनी हुई है। सीएम योगी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आज स्वदेशी अपनाना हम सब लोगों की सबसे बड़ी आवश्यकता है। हमारा ही पैसा अगर हमारे ही कारीगर और हस्तशिल्पियों के पास जाएगा तो यह विकास और समृद्धि का आधार बनेगा। प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन करेगी। सीएम योगी मंगलवार को अलीगढ़ के नुमाइश मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में 958 करोड़ की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लेकिन अगर हमारा यह पैसा विदेशी हाथों में जाएगा तो आतंकवाद के रूप में धर्मांतरण के रूप में अव्यवस्था के रूप में विस्फोट के रूप में भारत को अस्थिर करने के लिए भारत के खिलाफ ही इस्तेमाल किया जाएगा। सीएम योगी ने आने वाले सभी त्योहारों पर लोगों से अपने स्वजनों को स्वदेशी उत्पादों को गिफ्ट के रूप में देने की अपील की।

समारोह में सीएम योगी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, सहायता राशि, टैबलेट, आवास की चाबियां और आयुष्मान कार्ड वितरित किए। सीएम ने स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और भगवान कृष्ण के रूप में सजे बच्चों को दुलारते हुए उन्हें चॉकलेट, माखन और खिलौने भेंट किए। सीएम योगी ने अलीगढ़ को 957 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उपहार देते हुए कहा कि रक्षाबंधन के ठीक पहले अलीगढ़ को यह विकास का तोहफा समर्पित है। इन परियोजनाओं में पेयजल पुनर्गठन योजना, विधि विज्ञान प्रयोगशाला, अतरौली से रेलवे स्टेशन मार्ग का चौड़ीकरण और सुंदरीकरण, अतरौली में डिग्री कॉलेज और 900 किलोलीटर क्षमता के जलाशय का लोकार्पण शामिल है। इसके अतिरिक्त, कई अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया, जो अलीगढ़ को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी। सीएम योगी ने कहा कि ये परियोजनाएं अलीगढ़ को एक नई पहचान देंगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करेंगी।

जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने अलीगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह ने अलीगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। उनके सपनों को साकार करते हुए हम वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के माध्यम से ताला उद्योग को नई ऊंचाइयां दे रहे हैं। उन्होंने राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय जल्द ही अलीगढ़ को उच्च शिक्षा का नया केंद्र बनाएगा, जो स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों को जीवित रखने के साथ-साथ युवाओं को उज्ज्वल भविष्य प्रदान करेगा। सीएम ने कहा कि 2018 में शुरू हुआ डिफेंस कॉरिडोर आज ब्रह्मोस मिसाइल जैसे उन्नत हथियारों का उत्पादन कर रहा है। यह मिसाइल विश्व में अद्वितीय है और भारत के हर दुश्मन को जवाब देने में सक्षम है। सीएम योगी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए भारत की सैन्य शक्ति और आत्मनिर्भरता की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अलीगढ़ ड्रोन और हार्डवेयर उद्योग में भी अपनी पहचान बना रहा है, जो स्थानीय कारीगरों को रोजगार और समृद्धि प्रदान कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान को दोहराते हुए सीएम योगी ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अलीगढ़ का ताला उद्योग, पीतल की मूर्तियां, और हार्डवेयर आज देश-विदेश में मांग को पूरा कर रहे हैं। विदेशी सामान खरीदने से हमारा पैसा आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा देता है। जब हम विदेशी सामान खरीदते हैं, तो उसका मुनाफा आतंकवाद, धर्मांतरण और देशविरोधी ताकतों को मिलता है। उन्होंने मुरादाबाद, फिरोजाबाद, भदोही, और मेरठ जैसे जिलों के ओडीओपी उत्पादों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये स्थानीय कारीगरों की समृद्धि और रोजगार का आधार बन रहे हैं। स्वदेशी उत्पादों को अपनाना इसे बढ़ावा देना आज की जरूरत है। इसी से हम अपने राष्ट्र को मजबूत कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छता अभियान पर जोर देते हुए कहा कि सभी लोग स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करें, ताकि नालियां न चोक हों और जलभराव की समस्या न हो। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के लिए हर घर तिरंगा अभियान की अपील की और कहा कि 13 से 15 अगस्त तक हर घर, प्रतिष्ठान और शिक्षण संस्थान में तिरंगा लहराएं। स्वाधीनता संग्राम के स्मारकों की सफाई करें और शहीदों को श्रद्धांजलि दें। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ झंडा नहीं, भारत के गौरव, बलिदान और आत्मसम्मान का प्रतीक है।

सीएम योगी ने डबल इंजन सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की सराहना की। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले अलीगढ़ और उत्तर प्रदेश दंगों और अराजकता से जूझ रहे थे। आज बेहतर कानून व्यवस्था के कारण निवेश और विकास की नई संभावनाएं खुल रही हैं। हाल ही में हुई 60,244 पुलिसकर्मियों की भर्ती में अलीगढ़ से 1,344 युवाओं का चयन हुआ, जिसे उन्होंने स्थानीय परिवारों के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि आगे हम यूपी पुलिस में 30 हजार और भर्तियां करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले सरकारी नौकरियां कुछ परिवारों की बपौती थीं, लेकिन अब चयन मेरिट के आधार पर हो रहा है। लॉजिस्टिक्स और निवेश परियोजनाएं इस बात का प्रमाण हैं। सीएम योगी ने कहा कि अलीगढ़ ने मूर्ति के निर्माण को लेकर के पूरे देश के अंदर एक नया केंद्र बिंदु बना है।

संपादकीय

स्वदेशी का संकल्प

ट्रंप की टैरिफ दादागीरी और तमाम देशों के आर्थिक संरक्षणवाद से भारत के लिए उभरी आर्थिक चुनौतियों के बीच स्वदेशी का मंत्र ही एक कारगर विकल्प सिद्ध हो सकता है। वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि संकल्प लें कि हम अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संकट के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला डगमगाई थी, तब भी प्रधानमंत्री ने देश में स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया था। निस्संदेह, इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन हकीकत है कि अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। आज के ऐसे दौर में जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं घोर संरक्षणवाद का सहारा ले रही हैं, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को स्वदेशी के संकल्प से ही संरक्षण देना होगा। ये कदम मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में अपरिहार्य हैं क्योंकि दुनिया के तमाम देश अपने-अपने आर्थिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर अन्यायपूर्ण ढंग से लगाया गया 25 फीसदी का टैरिफ इस कड़ी का ही विस्तार है। ऐसे वक्त में जब भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो हमें घरेलू अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य सुधारने को अपनी प्राथमिकता बनाना ही होगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है। इसमें दो राय नहीं कि स्वदेशी का संकल्प देश की वर्तमान जरूरत है, लेकिन देश के उद्यमियों को भी सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी वस्तुओं का विकल्प गुणवत्तापूर्ण हो। आज के उपभोक्तावादी युग में लोग गुणवत्ता से समझौता करने को तैयार नहीं होते। उद्यमियों को सोचना होगा कि कैसे चीन के उद्यमी कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार को भी उद्योग व व्यापार जगत पर नौकरशाही के शिकंजे को कम करना होगा। उत्पादन क्षेत्र को हमें उस स्तर तक ले जाने के लिये अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा, जहां गुणवत्तापूर्ण सस्ते उत्पाद तैयार किए जा सकें। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि संकल्प लें कि हम अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संकट के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला डगमगाई थी, तब भी प्रधानमंत्री ने देश में स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया था। निस्संदेह, इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन हकीकत है कि अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। आज के ऐसे दौर में जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं घोर संरक्षणवाद का सहारा ले रही हैं, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को स्वदेशी के संकल्प से ही संरक्षण देना होगा। ये कदम मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में अपरिहार्य हैं क्योंकि दुनिया के तमाम देश अपने-अपने आर्थिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर अन्यायपूर्ण ढंग से लगाया गया 25 फीसदी का टैरिफ इस कड़ी का ही विस्तार है। ऐसे वक्त में जब भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो हमें घरेलू अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य सुधारने को अपनी प्राथमिकता बनाना ही होगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा।

अमृत कलश

भावना—संवेदना

और क्या था हमारे पास? हमारे पास थी भावना—संवेदना। यह भी हमने अपने कुटुंबियों के लिए बेटे—बेटी के लिए नहीं लगाई। हमने अपनी भावना एवं संवेदना को इस संसार में रहने वाले व्यक्तियों के दुःखों के निवारण के लिए हमेशा उपयोग किया। हमेशा सोचा कि किसी के पास दुःख है तो उसे किस तरह से दूर कर सकते हैं। जो भी धन था उसे भी भगवान के कार्य में खर्च कर दिया। इससे हमें बहुत मिला इतना कि आपको बतला नहीं सकते। हमें लोग कितना प्यार करते हैं यह आपको नहीं मालूम। लोग यहां आते हैं तो कहते हैं कि हमें गुरु जी का दर्शन मिल जाता तो कितना अच्छा होता। यह क्या है? यह है हमारा प्यार जो हमने उन्हें दिया है तथा उनसे हमने पाया है। गांधी जी ने भी दिया था एवं उन्होंने भी पाया। हमने तो कहीं अधिक पाया है। मरने के बाद तो कितने ही व्यक्तियों की लोग पूजा करते हैं। भगवान बुद्ध की पूजा करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण की जय बोलते हैं जबकि उस समय लोगों ने उन्हें गालियां दी थीं। हमारे मरने के बाद कोई आरती उतारेगा कि नहीं मैं नहीं कह सकता परंतु आज कितने लोगों ने आरती उतारी है प्यार किया है इसे हम बतला नहीं सकते। यह क्या हो गया? यह है हमारा 'बोया—काटा' सिद्धांत। यह है हमारी आराधना—समाज के लिए भगवान के लिए। मित्रो हमने पत्थर की मौत के लिए नहीं वरन समाज के लिए काम किया है। समाज को ही भगवान कहते हैं। हमने ऐसा ही किया है। हमें दो मालियों की कहानी हमेशा याद रहती है।

हमारा प्रशासन, हमारे सभी राजनेता मिलजुलकर धरातल पर काम करें

महिला सुरक्षा के नाम पर आश्वासनों की मात्र औपचारिकता नहीं निभाई जाए

सुनील कुमार महला

आज महिलाओं की सुरक्षा की बातें तो कमोबेश सभी सरकारें और राजनीतिक दल, प्रशासन, पुलिस, विभिन्न संगठन करते नजर आते हैं, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर धरातल पर कुछ ठोस नज़र नहीं आता है। आज मीडिया की सुर्खियों में आए दिन हमें महिलाओं के प्रति विभिन्न अपराध, बलात्कार, हिंसा, अश्लील व अनर्गल, अनैतिक टिप्पणियां जैसी अनेक खबरें पढ़ने सुनने को मिलती रहती हैं। कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता जब हम महिलाओं की असुरक्षा पर कोई खबर नहीं पढ़ते सुनते हों। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज भी हमारा समाज कहीं न कहीं पुरूष प्रधान समाज ही है और हमारे समाज में आज महिलाओं की समानता, उनके विभिन्न अधिकारों की बातें तो खूब की जातीं हैं, लेकिन उनके लिए होता कुछ खास नहीं है।

संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में नारी/स्त्री के बारे में कहा गया है कि-' नारीणां तु विशेषेण गुणान्संकीर्तयाम्यहम्। या यथा शक्तितः पूज्या धर्मे पन्थाः स एव सः।।' इसका मतलब यह है कि स्त्रियों के गुणों का वर्णन विशेष रूप से करना चाहिए। वे जैसे भी हों, जिस शक्ति से युक्त हों, पूजनीय हैं – यही धर्म का मार्ग है। एक अन्य श्लोक में कहा गया है कि-' स्त्री शक्तिः परमं बलम्। या मातरः, या प्रेरकाः, या रक्षिण्यः सदा शुभाः।।' इस श्लोक का तात्पर्य यह है कि स्त्री ही परम शक्ति है – वह माँ है, प्रेरणा है, रक्षक है और सदा शुभव है, लेकिन भारतीय संस्कृति में स्त्रियों को इतना महत्व प्रदान किए जाने, नारी सशक्तीकरण की बातों के बीच भी यदि आज देश की महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, तो यह हम सभी के लिए एक विडंबना होने के साथ ही साथ बहुत दुखद बात भी है। आज महिलाओं की सुरक्षा की बातें तो कमोबेश सभी सरकारें और राजनीतिक दल, प्रशासन, पुलिस, विभिन्न संगठन करते नजर आते हैं, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर धरातल पर कुछ ठोस नज़र नहीं आता है। आज मीडिया की सुर्खियों में आए दिन हमें महिलाओं के प्रति विभिन्न अपराध, बलात्कार, हिंसा, अश्लील व अनर्गल, अनैतिक टिप्पणियां जैसी अनेक खबरें पढ़ने सुनने को मिलती रहतीं हैं। कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता जब हम महिलाओं की असुरक्षा पर कोई खबर नहीं पढ़ते सुनते हों। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज भी हमारा समाज कहीं न कहीं पुरूष प्रधान समाज ही है और हमारे समाज में आज महिलाओं की समानता, उनके विभिन्न अधिकारों की बातें तो खूब की जातीं हैं, लेकिन उनके लिए होता कुछ खास नहीं है। महिला सुरक्षा के प्रति ऐसी असंवेदनशीलता का परिचय आखिर क्यों ? होना तो यह चाहिए कि महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारा समाज, हमारी सरकारें,हमारा प्रशासन, हमारे सभी राजनेता मिलजुलकर धरातल पर काम करें। कानून को सख्त होना ही चाहिए। महिला सुरक्षा के नाम पर किन्हीं भी आश्वासनों की मात्र औपचारिकता नहीं निभाई जाए। कहना ग़लत नहीं होगा कि कुछ ठोस हासिल होना चाहिए, महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर। आज महिलाओं की सुरक्षा को लेकर देश में जगह-जगह तरह-तरह के अभियान, जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं,लेकिन इन अभियानों में या तो दृष्टि की कमी साफ दिखती है या फिर लापरवाही या कोताही बरती जाती है, इसे ठीक नहीं ठहराया जा सकता है। इस क्रम में, पाठकों को बताता चलूं कि हाल ही

में गुजरात के अहमदाबाद में महिलाओं को बलात्कार से बचने के लिए घर पर रहने का आग्रह किया गया। वास्तव में, यह बहुत ही शर्मनाक है कि ये आग्रह अहमदाबाद यातायात पुलिस द्वारा पोस्टर के जरिए किया गया। महिलाओं की सुरक्षा के लिए इस तरह के अभियान (प्रायोजित पोस्टरों) ने विवाद खड़ा कर दिया है। गुजरात के अहमदाबाद से आई यह खबर हैरान करती है कि यातायात पुलिस की ओर से सुरक्षा अभियान के तहत जागरूकता फैलाने के लिए जिस तरह के संदेशों वाले पोस्टर लगाए गए, उससे तो यही पता चलता है कि या तो ऐसे आयोजन संचालित करने वाले के पास न्यूनतम संवेदना और समझ का अभाव है या फिर वे एक आपराधिक मानसिकता का बचाव कर रहे हैं। पाठकों को बताता चलूं कि शहर के कुछ इलाकों में चिपकाए गए इन पोस्टरों की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन पोस्टरों को शहर के कुछ इलाकों में लगाया गया था, जिनमें लिखा था, 'देर रात पार्टी में न जाएं, आपके साथ बलात्कार या सामूहिक बलात्कार हो सकता है। 'अपने दोस्त के साथ अंधेरे और सुनसान इलाके में न जाएं, अगर उसके साथ बलात्कार या सामूहिक बलात्कार हो गया तो ?' यह सामने आया है कि यह पोस्टर सोला और चांदलोडिया इलाकों में सड़क डिवाइडर पर लगाए गए थे, जिन्हें अब हटा लिया गया है।एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी दैनिक की एक रिपोर्ट के अनुसार गुजराती में लिखे पोस्टर उक्त इलाकों में (सोला और चांदलोडिया जैसे इलाकों में) डिवाइडर पर चिपके देखे गए, जिनमें से कई पर 'सतर्कता' नामक एक समूह का नाम था और प्रायोजक के रूप में अहमदाबाद यातायात पुलिस का उल्लेख था। इस संबंध में पुलिस उपायुक्त (पश्चिम यातायात) ने स्पष्ट किया कि- 'ट्रैफिक पुलिस ने केवल सड़क सुरक्षा से जुड़े पोस्टरों को प्रायोजित किया था, न कि महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित पोस्टरों को प्रायोजित किया गया था।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रैफिक पुलिस ने इन पोस्टरों को एक एनजीओ की ओर से लगाए जाना बताया गया है।जो भी हो, यह साफ दर्शाता है कि आज भी महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हम जरा से भी संवेदनशील नहीं हैं और समाज की सोच बिल्कुल जड़, संकीर्ण हो चुकी है। ताज़ा मामले में अहमदाबाद यातायात पुलिस ने सफाई दी है कि ऐसे संदेशों वाले पोस्टरों में उनका हाथ नहीं है। हालांकि,इसके लिए वास्तव में दोषी कौन है,यह तो जांच पड़ताल के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा, लेकिन यहां यक्ष प्रश्न यह उठता है कि यदि ट्रैफिक पुलिस की जानकारी या सहमति के बिना किसी कथित गैरसरकारी संगठन(एनजीओ) ने ऐसे पोस्टर लगाए, तो सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाने से पहले किसी जिम्मेदार अधिकारी ने इसकी जांच क्यों नहीं की ? सवाल यह भी है कि क्या गुजरात की महिलाएं रात में घर से बेधड़क बाहर निकल सकती हैं या नहीं ?' सवाल यह भी कि क्या पुलिस और प्रशासन के साथ ही साथ हमारे समाज की जबावदेही तय नहीं होनी चाहिए ? बहरहाल, यह बहुत ही अफसोसजनक है कि जो संगठन और सरकारी महकमे महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करने का दावा करते हैं, वे ही असंवेदनशीलता बरतकर व संकीर्ण व ओछी मानसिकता का परिचय देकर किसी अपराध के लिए पीड़ित को ही कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि लिंग-आधारित हिंसा को रोकने में पुरुषों और महिलाओं की भूमिका के बारे में उन्हें शिक्षित करने से दुर्व्यवहार और भेदभाव की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आ सकती है, लेकिन इसके लिए हमें सभी की(पुलिस , प्रशासन) जवाबदेही भी सुनिश्चित करनी होगी।आम आदमी को तो आगे आना ही होगा। महिला सशक्तीकरण आज के समाज की आवश्यकता है। अंत में, यही कहूंगा कि हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि किसी भी देश की असली ताकत उसकी महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण में निहित है। जब महिलाएं सुरक्षित महसूस करती हैं, तो वे जीवन के हर क्षेत्र में फल-फूल सकती हैं, योगदान दे सकती हैं और प्रगति को गति दे सकती हैं।

देश दुनिया से

वैज्ञानिक ढंग से हो श्रद्धालुओं की भीड़ का प्रबंधन

पर्यटन क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्रोत और रोजगारपरक क्षेत्र है। देश को तीन प्रकार के पर्यटन से आय प्राप्त होती है। विदेशी पर्यटकों के आगमन से देश को विदेशी मुद्रा मिलती है और अनेक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होते हैं। इस प्रायद्वीपीय और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर देश में तीन प्रमुख प्रकार के पर्यटन प्रचलित हैं। पहला, रमणीय पर्यटन, जिसमें पर्यटक दर्शनीय स्थलों का आनंद लेने आते हैं। दूसरा, चिकित्सीय (मेडिकल) पर्यटन, जिसमें विदेशी रोगी भारत में बेहतर और सस्ती चिकित्सा सुविधाओं के कारण आते हैं। तीसरा, धार्मिक पर्यटन है। धार्मिक आस्था से ओतप्रोत इस देश में श्रद्धालुओं की धर्मस्थानों पर निरंतर भीड़ रहती है। विशेषकर सावन जैसे पवित्र महीनों में धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, जिससे यह पर्यटन और भी सक्रिय हो जाता है। धार्मिक श्रद्धालुओं का जमावड़ा कभी कम नहीं होता। कई बार भगदड़ जैसी घटनाओं में हृदयविदारक समाचार मिलते हैं, फिर भी पहले से भी अधिक भीड़ जुट जाती है। किसी भी प्रकार की दुर्घटना श्रद्धालुओं के उत्साह को कम नहीं कर पाती। लोग आस्था के समर्पण में इतने लीन रहते हैं कि यह देख कर आश्चर्य होता है कि देश धर्मस्थलों के प्रति कितना समर्पित है। सनातन धर्म में यह विश्वास है कि मंदिरों में साक्षात परमात्मा साकार रूप में विराजमान होते हैं। यही विश्वास करोड़ों श्रद्धालुओं को धर्मस्थलों की ओर आकर्षित करता है। लेकिन आस्था को समर्पित इस देश में, विशेषकर सावन के पावन महीने में, हाल ही में लगातार जो दुर्घटनाएं हुईं, उनमें कई लोगों ने अपनी जान गंवाई और अनेक गंभीर रूप से घायल हुए। जब इन घटनाओं के कारणों की पड़ताल की जाती है, तो या तो बेबुनियाद अफवाहें सामने आती हैं, या फिर प्रशासनिक लापरवाही उजागर होती है। कभी-कभी श्रद्धालुओं की जल्दबाज़ी और पहले दर्शन की होड़ में की गई धक्का-मुक्की भी भगदड़ का कारण बन जाती है। ऐसी भगदड़ों में लोगों के कष्टों का कोई अंत नहीं होता — जानें जाती हैं, लोग घायल होते हैं, परिवार उजड़ते हैं। बीते 27 जुलाई को उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित मनसा देवी

मंदिर में मची भगदड़ में कुछ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 36 श्रद्धालु घायल हो गए। बताया गया कि सीढ़ियां चढ़ते समय एक खंभे से जुड़े शॉर्ट सर्किट की अफवाह फैली, जिससे लोग घबरा गए और हड़बड़ी में पीछे हटने लगे। ये घटनाएं यहीं खत्म नहीं होतीं। गत 28 जुलाई को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी स्थित अवसानेश्वर मंदिर में भी भगदड़ की एक और दुखद घटना घटी। जलाभिषेक के दौरान करंट फैलने से दो लोगों की मौत हो गई और 29 श्रद्धालु घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद मंदिर की बिजली काटनी पड़ी, जिससे गर्भगृह में अंधेरा छा गया। इसके बावजूद श्रद्धालु अंधेरे में ही दर्शन और जलाभिषेक करते रहे। इसी दौरान, एक मंत्री के मंदिर में पुष्पवर्षा करने की खबर फैल गई, और देखते ही देखते वहां तीन लाख से अधिक लोग जुट गए। अत्यधिक भीड़ के कारण भगदड़ मच गई, और एक बार फिर हादसा सामने आया। इस तरह की घटनाओं का एक सिलसिला बनता जा रहा है। भारी भीड़ में आगे बढ़ने की होड़ के बीच जब कोई अफवाह फैला दी जाती है तो लोग घबरा जाते हैं और इधर-उधर भागने लगते हैं। यह कहना भी गलत होगा कि भगदड़ केवल अफवाहों के कारण होती है। प्रशासन की लापरवाही भी इन घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। जब किसी मेले या धार्मिक आयोजन में भारी भीड़ जुटनी तय हो, तो प्रशासन को पहले से इसका उचित अनुमान होना चाहिए। श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए जाने चाहिए। इसके अतिरिक्त, मंदिर परिसरों में ऐसे सतर्क सुरक्षाकर्मी या स्वयंसेवक नियुक्त किए जाने चाहिए जो भीड़ को व्यवस्थित रूप से नियंत्रित कर सकें और श्रद्धालुओं को चरणबद्ध तरीके से दर्शन के लिए आगे बढ़ने दें। ऐसा प्रतीत होता है कि भीड़ की प्रकृति और व्यवहार का समुचित मूल्यांकन न होने के कारण, या प्रशासन की लचर निगरानी से ये घटनाएं बार-बार घटती हैं। आने वाले समय में आस्था-पर्यटन के लिए भीड़ और भी बढ़ेगी। ऐसे में, इन तीर्थस्थलों और मेलों का प्रबंधन करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। उन्हें न केवल संभावित भीड़ का सही आंकलन करना चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उसे किस प्रकार नियंत्रित किया जाए। अक्सर धर्मस्थलों पर प्रवेश और निकास का रास्ता एक ही होता है, जिससे भीड़ की आवाजाही में बाधा आती है और भगदड़ की आशंका बढ़ जाती है। अक्सर जिम्मेदार अधिकारी समय पर सक्रिय नहीं होते। घटनाओं के बाद वे केवल मृतकों को श्रद्धांजलि देने और मुआवज़े की घोषणा करने के लिए आगे आते हैं। यह रवैया अब बदलना चाहिए।

आप का नजरिया

शांति और दमन के बीच अमेरिकी राजनीति

इस्राइल और फलस्तीन के बीच लगभग दो वर्षों से जारी युद्ध का अंत फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। यह संघर्ष हमास द्वारा 7 अक्तूबर, 2023 को किए गए बर्बर हमले के जवाब में शुरू हुआ था, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और 251 इस्राइली बंधक बनाए गए थे। इसके बाद गाज़ा में अब तक 70,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, पर न तो बंधक रिहा हुए हैं और न ही युद्ध रुका है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय और इस्राइली मानवाधिकार संगठनों ने इसे 'नरसंहार' बताया है और युद्धविराम की मांग की है। वहीं, अमेरिका एक ओर शांति वार्ता की बात करता है, दूसरी ओर इस्राइल को हथियार भी उपलब्ध करा रहा है। कहा जा रहा है कि हमास शांति वार्ता प्रस्ताव पर विचार करने को तैयार है, लेकिन इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर तीसरी बार अमेरिका जाकर भी बिना किसी युद्धविराम समझौते के लौट आए। गौरतलब है कि इस दौरे के दौरान ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया, लेकिन गाज़ा में युद्ध रोकने की दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ। वास्तविकता यह है कि जहां ट्रम्प बार-बार शांति का आह्वान कर रहे हैं, वहीं नेतन्याहू खुलेआम अपनी शक्ति का प्रदर्शन यह कहकर कर रहे हैं कि इस्राइल केवल अपनी शर्तों पर ही शांति स्थापित करेगा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शांति वार्ता के दौरान गाज़ा स्थित एक खाद्य सहायता केंद्र से भोजन लेने गए सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी है। दरअसल, इस्राइली प्रधानमंत्री और उनकी दक्षिणपंथी (राइट विंग) विचारधारा की सरकार का एजेंडा इस क्षेत्र पर यहूदियों पर पूर्ण नियंत्रण का है। इसके अलावा, नेतन्याहू के लिए युद्ध, उनके ख़िलाफ़ चल रहे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर इस्राइल में चल रहे अदालती मुक़दमे और चुनावों को टालने का एक हथियार है। अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी सरकारें गाज़ा में इस्राइली युद्ध को 'वैध आत्मरक्षा' बताकर और उसे युद्ध के हथियार मुहैया कराकर उसका समर्थन कर रही हैं। वे नेतन्याहू के नेतृत्व वाली दक्षिणपंथी इस्राइली सरकार की युद्ध संबंधी कार्रवाइयों के विरुद्ध वैश्विक विरोध प्रदर्शनों को 'यहूदी-विरोधी' कहकर यहूदी धर्म को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। कहानी का दूसरा पहलू यह है कि गाज़ा में आईडीएफ सैनिक नियमित रूप से 'अरबों को मौत दो' और 'उनके गांव जला दो' जैसे नारे लगाते हैं लेकिन कोई भी उनकी निंदा नहीं करता है। इस क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखने और युद्ध जारी रखने में अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी सरकारों और इस्राइल के भू-राजनीतिक और आर्थिक हित स्पष्ट हैं। कहानी का एक और पहलू है—'भूख को हथियार बनाना'। पहले इस्राइल ने गाज़ा को संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता पूरी तरह से रोक दी थी ; फिर मई के अंत में, अंतर्राष्ट्रीय निंदा के दबाव में, मानवीय सहायता वितरण के लिए इसने अमेरिकी निजी सुरक्षा कंपनियों की देखरेख में अमेरिका-इस्राइल समर्थित गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएचएफ) की स्थापना की, जो केवल चार स्थानों से सहायता वितरित करने वाली एकमात्र एजेंसी है, जबकि मार्च से पहले चार सौ से ज्यादा स्थानों से सहायता वितरित की जा रही थी। संयुक्त राष्ट्र ने जीएचएफ प्रणाली को 'अपर्याप्त रूप से सुरक्षित' और 'हत्या का मैदान' कहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने गाज़ा में फलस्तीनी लोग सहायता नाकाबंदी को मानव निर्मित 'बड़े पैमाने पर भुखमरी' कहा है। 170 से अधिक गैर-सरकारी संगठनों ने जीएचएफ की खाद्य सहायता वितरण प्रणाली पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि इससे नागरिकों की मृत्यु और उनके ज़ख्मी होने का खतरा है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस्राइल और जीएचएफ पर फ़लस्तीनियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने हेतु भुखमरी को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, एक साथ ही गाज़ा युद्ध की समाप्ति और शांति की बात भी कर रहे हैं, जबकि इस्राइल के 'फलस्तीनी नरसंहार' को 'आत्मरक्षा' बताकर उचित भी ठहरा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि शांति असंभव है; शांति इसलिए नहीं हो रही है क्योंकि गाज़ा में 'नरसंहार' युद्ध पर हावी शक्तिओं को किसी भी राजनीतिक या आर्थिक कीमत चुकाने का डर नहीं है। वास्तव में, यह युद्ध अमेरिकी वैश्विक नेतृत्व और हथियारों की बिक्री के लिए अमेरिकी राजनीतिक अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करता है; मध्य पूर्व के संसाधनों और हथियारों के बाज़ार में अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिम देशों की रुचि और हिस्सेदारी बनता है। शांति स्थापित करने में सक्षम शक्तियां एक साथ युद्ध में ईंधन और पानी दोनों डालने की राजनीति कर रही हैं।

दृष्टि कोण

दक्षिण एशिया में संतुलन बिगाड़ते ट्रंप के फैसले

इस मानसून की एक सुबह को, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के साथ तेल समझौता किए जाने की घोषणा किए जाने के बाद, इसका अहसास 1999 में कारगिल में पाकिस्तान पर भारत की जीत के बाद की सुबहों जैसा रहा– शांति बनने का किंतु लगभग अवास्तविक। सिवाय इसके कि इस बार मामला उलट है। तब जुलाई 1999 में, अटल बिहारी वाजपेयी ने बिल क्लिंटन से दृढ़ता से कह दिया था कि वे नवाज़ शरीफ़ तक बात पहुंचा दें - जिनसे क्लिंटन की मुलाकात वाशिंगटन डीसी में कारगिल युद्ध को खत्म के प्रयास में होने जा रही थी - कि भारत समझौता तभी करेगा जब आखिरी पाकिस्तानी सैनिक उस नियंत्रण रेखा पार कर वापसी करेगा, जिससे होकर उसने कश्मीर में घुसपैठ की थी। नवाज़ शरीफ़ के पास राजी होने के अलावा कोई चारा नहीं था। और कारगिल संघर्ष समाप्त हो गया। और एक साल बाद, जब क्लिंटन भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आए, जयपुर में उनपर बरसाई गई गुलाब की पंखुड़ियों से सराबोर हो गए, लौटते वक्त वे पांच घंटे पाकिस्तान में रुके। बीते सप्ताह, भारत ने अमेरिका की नीतियों में बदलाव से पाकिस्तान की तरफ बनते झुकाव की समीक्षा की – बदलाव जो इतना नाटकीय है कि अगर पहले से इसका अनुमान न होता तो भारतीय प्रतिष्ठानों में, वाशिंगटन डीसी से लेकर नई दिल्ली तक, किसी की नौकरी जाने की नौबत बन जाती – इसके तहत, पाकिस्तान अक्तूबर में अमेरिका के साथ फिर से मजबूत हुई दोस्ती को दस लाख बैरल तेल आयात करके रेखांकित करेगा। 1989 के बाद से पहली बार - जब आखिरी सोवियत सैनिक ने अफगानिस्तान से वतन वापसी की थी और उसके तुरंत बाद, काबुल से नास्तिक कम्युनिस्टों को खदेड़ने की जीत से उत्साहित हुए अमेरिकियों ने पाकिस्तानी सेना को हथियार और डॉलरों की बहती धारा रोक दी थी - अमेरिकी अब फिर से

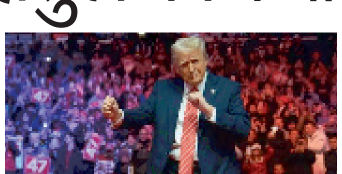

पाकिस्तान पर मेहरबान हो रहे हैं। यह अंतहीन बड़े खेल में पासा एक बार फिर पलटने जैसा है, लेकिन इस बार भारत को नुकसान होना तय है। सनद रहे कि पाकिस्तान चीन का सहयोगी है। यह भी याद रखें कि ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत चीन पर बेतहाशा टैरिफ लगाकर की थी क्योंकि उन्हें अहसास है कि चीन ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था के पैरों तले से जमीन सरका दी है व चीन की बजाय अमेरिका में वापस उत्पादन करना 'अमेरिका को पुनः महान बनाने' के सकंल्प के लिए अहम है। लेकिन ट्रंप ने बीते हफ़्ते पाकिस्तान के साथ समझौता करके और भारत पर 'मृत अर्थव्यवस्था' का तंज कसकर दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन का बिंदु बदल दिया है। शायद वाशिंगटन डीसी की गर्मी या तो मार-ए-लागो में उनके द्वारा खाए किसी व्यंजन का असर है कि वे भूल गए कि महज पांच साल पहले, ह्यूस्टन में मोदी ने 'अबकी बार, ट्रंप सरकार' का नारा लगाया था, जिससे ट्रंप को अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोगों की बहुमूल्य वोटें मिली होंगी। ट्रंप के सत्ता के खेल से अंतर्राष्ट्रीय बिसात का स्वरूप निश्चित तौर पर बिगड़ जाएगा। यह कहना जल्दबाज़ी होगा कि पिछली सदी के शीत युद्ध के पुराने दोस्त 21वीं सदी के इसके नए प्रारूप के इर्द-गिर्द फिर एकजुट होने लगे हैं। परस्पर वार्ताएं जारी हैं, खासकर क्वाड बैठकों में – जिसका शिखर सम्मेलन नवंबर में दिल्ली में होगा यानि ट्रंप का आना तय है। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा मोदी को रूस के पक्ष में धकेलने ('भारत व रूस की मृत अर्थव्यवस्थाएं') के बाद, उनके पास व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रगाढ़ता बनाने के सिवा शायद ही कोई विकल्प हो। दोस्ती और विदेश नीति बराबर की हैसियत वालों के बीच निभती है। यही कारण है कि भारत और अमेरिका के बीच असामान्य गलबहियां, केवल दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने लोकतंत्रों के बीच ही नहीं थी, या इसलिए भी नहीं कि भारतीय मूल के अमेरिकी तरक्की करते हुए अमेरिका के सबसे प्रभावशाली समूहों में एक बन गए बल्कि यह मित्रता इसलिए भी थी कि आर्थिक असमानता के बावजूद, दोनों परस्पर समकक्षों जैसा व्यवहार करने से डरते नहीं थे। भले ही आइज़नहावर में इसकी समझ नहीं रही लेकिन रुज़वेल्ट को भारत की विशिष्टता का भान था। कैनेडी इसे बखूबी समझते थे - उनके मित्र और भारत में तत्कालीन राजदूत, जॉन केनेथ गैलब्रेथ की एक तसवीर चंडीगढ़ के गवर्नमेंट म्यूजियम की ऊपरी मंज़िल पर स्थित छोटे से पुस्तकालय में, उस स्तंभ के दूसरी ओर टंगी है।

बांग्लादेश में 2024 से 2025 के बीच मॉब लिंचिंग में 637 लोग मारे गए

रिपोर्टः सूचना और भड़काऊ सामग्री ने भीड़ को उकसाने में अहम भूमिका निभाई

ढाका,05 अगस्त (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश में मॉब लिंचिंग की घटनाओं को लेकर चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में अगस्त 2024 से जुलाई 2025 के बीच मॉब लिंचिंग की घटनाओं में कम से कम 637 लोग मारे गए, जिनमें 41 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। अगस्त 2024 में हुए विद्रोह के बाद पीएम शेख हसीना के सत्ता से हटने के कारण राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी और तभी से बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हिंसा में वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में शेख हसीना सरकार के दौरान 51 लिंचिंग की घटनाएं हुई थीं, लेकिन 2024-25 में यह संख्या 12 गुना से ज्यादा हुई। 4 अगस्त 2024 को जशोर स्थित 'द जबीर जशोर होटल' में 24 लोगों को जलाकर मार दिया गया। 25 अगस्त 2024 को नारायणगंज के रूपगंज में गाजी टायर्स में 182 लोगों को जिंदा जला दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ितों के नाम और विवरण सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मीडिया पर कड़ी सेंसरशिप के कारण वे मॉब लिंचिंग से हुई सभी मौतों की पूरी जानकारी एकत्र नहीं कर सके और इस सूची को अपूर्ण माना जाना चाहिए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर सरकारी नियंत्रण के कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हुई। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद न्याय व्यवस्था में लोगों का भरोसा उठ गया लोगों ने कानून अपने हाथ में ले लिया। पुलिस बल कमजोर, अदालतें ठप और नेता या तो निशाने पर थे या छिप गए। रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्थान अब भीड़ द्वारा हत्या के केंद्र बन गए हैं। ये हत्याएं अक्सर सिर्फ शक, अफवाह या राजनीतिक नाराजगी के चलते हुई हैं। स्थानीय मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक अगस्त 2024 के बाद 70 फीसदी से ज्यादा मॉब लिंचिंग पीड़ित पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी अवामी लीग या इसके छात्र और मजदूर संगठनों से जुड़े थे। अन्य पीड़ितों में धार्मिक अल्पसंख्यक और अहमदिया मुस्लिम, शामिल थे। बांग्लादेश में एक भयावह घटना 9 जुलाई को मिटफोर्ड अस्पताल के बाहर हुई, जहां एक सामाजिक कार्यकर्ता लाल चंद सोहाग की भीड़ ने सार्वजनिक रूप से हत्या कर दी। उनकी मौत को सोशल मीडिया पर लाइव स्ट्रीम किया गया, जिससे जनता में आक्रोश और डर फैल गया। रिपोर्ट के मुताबिक गलत सूचना और भड़काऊ सामग्री ने मिनटों में भीड़ को उकसाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक फेसबुक पोस्ट में दावा किया गया कि एक हिंदू शख्स ने दूसरे समुदाय की भावनाओं को आहत किया, जिसके बाद भीड़ ने हमला कर दिया इस हमले में दो लोगों की जान चली गई और कई घर जला दिए गए।

न्यूज ब्रीफ

यमन नौका त्रासदी, सिर्फ 12 यात्रियों को बचाया जा सका, 142 की मौत

सना (यमन)। यमन के तट पर रविवार को पलटी नाव में सवार 154 प्रवासियों में से सिर्फ 12 को बचाया जा सका है। बाकी 142 यात्रियों की मौत हो गई। यह सभी इथियोपिया के रहने वाले हैं। यमन में संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के प्रमुख अब्दुसत्तोर एसोव ने यह जानकारी दी। फ्रांस के ल्योन से संचालित खबर के अनुसार, एसोव ने बताया कि अदन की खाड़ी में हुई इस त्रासदी में केवल 12 लोगों को बचाया जा सका, जबकि शेष 142 यात्रियों को मृत मान लिया गया है। अब तक 68 से अधिक शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें से अधिकतर पश्चिमी यमन के खानफा तट पर पाए गए। अबयान सुरक्षा निदेशालय ने बयान में त्रासदी को देखते हुए वृहद खोज और बचाव अभियान चलाया गया। संयुक्त प्रवासन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, हर साल हजारों प्रवासी (इनमें ज्यादातर इथियोपियाई होते हैं) अफ्रीका के हॉर्न से लाल सागर पार कर यमन से होते हुए अमीर खाड़ी देशों में काम की तलाश में जाते हैं। सर्वाधिक यात्रा किया जाने वाले इस मार्ग को सबसे खतरनाक माना जाता है। इसी साल मार्च में जिबूती और यमन के बीच समुद्र में चार नावों के पलट जाने से 186 अफ्रीकी लापता हो गए थे। इस लिहाज से 2024 दुखदायी रहा। इस साल 550 प्रवासियों की मौत हो गई थी। संयुक्त प्रवासन केंद्र ने कहा कि यमन में चल रहे गृहयुद्ध ने प्रवासियों के लिए सुरक्षा संबंधी चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने बांग्लादेश की जनता और दलों को किया आगाह

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने देश की जनता

और सभी राजनीतिक दलों को आगाह किया है कि वह मतभेद को भुला दें। उन्होंने कहा कि अगर मतभेद को भुलाया नहीं गया तो फासीवाद की वापसी का अवसर पैदा होगा। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में यह बातें कही हैं। खबर के अनुसार, तारिक रहमान ने कहा कि देश में तब तक सच्चा लोकतंत्र स्थापित नहीं होगा जब तक नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करके सरकार बनाने में सक्षम नहीं हो जाते। अंतरिम सरकार ऐसी सरकार स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है जो जनता के प्रति जवाबदेह हो। रहमान ने कहा कि स्थानीय सरकार से लेकर संसद तक जब तक जनता सीधे अपने पसंदीदा उम्मीदवारों को वोट नहीं दे सकती तब तक उसके पास सरकार बनाने या बदलने की शक्ति नहीं होगी। इसके बिना देश में सच्चा लोकतंत्र स्थापित नहीं हो सकता। रहमान ने कहा, आइए हम यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम करें कि लोग रोजमर्रा के शासन, नीति-निर्माण और प्रशासन में अपने लोकतांत्रिक और राजनीतिक अधिकारों का प्रयोग कर सकें। तभी हम लोगों को राजनीतिक रूप से सशक्त बना सकें। अगर हम ऐसा करने में विफल रहे, तो कुछ भी मजबूत या टिकाऊ नहीं होगा। तारिक ने चेतावनी दी कि मतभेदों या राजनीतिक विवादों की वजह से फासीवाद का पुनरुत्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि फासीवाद मुक्त बांग्लादेश में राजनीतिक दलों में स्वाभाविक रूप से मुद्दों पर आधारित मतभेद होंगे। बावजूद इसके बीएनपी अपनी विचारधारा और लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, बांग्लादेश की स्थापना का पहला और महत्वपूर्ण राजनीतिक उद्देश्य एक ऐसा राज्य और सरकार बनाना था जो जनता के प्रति सीधे जवाबदेह हो। वर्तमान अंतरिम सरकार ऐसी ही व्यवस्था बनाने के लिए काम कर रही है।

दक्षिण कोरिया, यूरोपीय संघ, जापान ने कम टैरिफ के लिए अमेरिका से किए समझौते

वाशिंगटन। अमेरिकी टैरिफ के सात अगस्त को प्रभावी होने से पहले दक्षिण कोरिया, यूरीपय संघ और जापान

ने महत्वपूर्ण घोषणा कर राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के कोपभाजन का शिकार बनने से बचने की कोशिश की है। दक्षिण कोरिया ने अपने समझौते में कम टैरिफ दर सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका में 350 अरब डॉलर का निवेश करने और 100 अरब डॉलर की तरलीकृत प्राकृतिक गैस खरीदने पर सहमति जताई है। खबर में यह जानकारी दी गई है। साथ ही यूरोपीय संघ ने संकेत दिया कि वह 750 अरब डॉलर की अमेरिकी ऊर्जा खरीदेगा और उसकी कंपनियां कम से कम 600 अरब डॉलर का निवेश करने के लिए तैयार हैं। जापान ने कहा कि वह अमेरिका में निवेश के लिए 550 अरब डॉलर का कोष स्थापित करेगा। खबर के अनुसार, इस बीच, भारत के विदेश मंत्रालय ने सोमवार देररात जारी बयान में कहा कि भारत ने रूस से तेल आयात तभी शुरू किया जब 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद पारंपरिक आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई।

बीएलए और बीएलएफ का दावा, लड़ाकों ने पाकिस्तान की सेना के वाहन फूंके

लॉस एंजिल्स,04 अगस्त (एजेंसियां) ।

बलूचिस्तान की स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत दो सशस्त्र समूहों बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) पाकिस्तान के सैन्य कर्मियों, आपूर्ति काफिलों और संसाधन परिवहन वाहनों को निशाना बनाकर किए गए पांच से अधिक हमलों की जिम्मेदारी ली है। यह हमले जमुरान, धादर और मस्तुंग जिलों में किए गए। लड़ाकों ने पाकिस्तान सेना के कई वाहनों को फूंक दिया।

खबर के अनुसार, बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने सोमवार को जारी बयान में दावा किया कि समूह के लड़ाकों ने जमुरान, धादर और मस्तुंग जिलों में सैन्य चौकियों, आपूर्ति वाहनों और खनिज परिवहन ट्रकों को निशाना बनाकर पांच स्थानों पर हमला किया। लड़ाकों ने रविवार को जमुरान के जबशान इलाके में पाकिस्तान के सैन्य कर्मियों पर रिमोट-नियंत्रित आईईडी हमला किया। हमले में दो सैनिक घायल हो गए। दोनों सैनिक अपनी चौकी पर पानी ले जा रहे थे।

सशस्त्र समूह ने कहा कि लड़ाकों ने धादर के सुन्नी शोरान इलाके में मुख्य सैन्य शिविर के द्वार पर तैनात कर्मियों को भी निशाना बनाया। हमले में कई लोग हताहत हुए। बीएलए ने दावा किया कि हमले के बाद, सेना ने आस-पास के नागरिक इलाकों पर मोर्टार के गोले दागे। बीएलए ने कहा कि लड़ाकों ने मस्तुंग के गुलाम परांज में बलूच के राष्ट्रीय संसाधनों के दोहन में शामिल दो वाहनों पर हमला किया और चेतावनी जारी करने के बाद ड्राइवरों को छोड़ दिया।

समूह ने कहा कि उसने मस्तुंग के स्पिलिंजी के माराओ इलाके में पाकिस्तान की सेना के लिए राशन ले जा रहे दो ट्रकों को जब्त कर लिया और तिगरान के अब्दोई में एक अन्य आपूर्ति ट्रक को नष्ट कर दिया। जीयंद बलूच ने सभी ट्रांसपोर्टरों को सेना के लिए आपूर्ति या खनिजों का परिवहन बंद करने की चेतावनी दी है।

बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने पहली अगस्त को ग्वादर के कुंडासोल के सब्जकी इलाके में पाकिस्तान के एक सैन्य शिविर पर हमले की जिम्मेदारी ली है। बीएलएफ प्रवक्ता मेजर ग्वाराम बलूच के अनुसार, लड़ाकों ने शिविर को निशाना बनाकर कई मोर्टार गोले दागे। गोले शिविर के अंदर गिरे और भारी जनहानि हुई। मेजर ग्वाराम बलूच ने कहा, बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ग्वादर के कुंडासोल में कब्जा कर रहे पाकिस्तान के बलों पर हुए हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करता है। सनद रहे, पाकिस्तान ने इन कथित हमलों के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

राजतंत्र समर्थित आंदोलन का नेतृत्व कर रहे दुर्गा प्रसाई जेल से रिहा

काठमांडू। राजतंत्र समर्थक और राजावादी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले दुर्गा प्रसाई को उच्च न्यायालय के आदेश के बाद जेल से रिहा कर दिया गया। अपनी रिहाई के कुछ ही समय बाद प्रसाई ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेट फार्म फेसबुक पर देश और विदेश में नेपालियों को उनके समर्थन, सहायता और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया। जेल से रिहा होने के बाद पत्रकारों को संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए दुर्गा प्रसाई ने कहा कि जब जिला अदालत ने उन्हें कारावास का आदेश दिया, तब भी फैसले का सम्मान किया और स्वेच्छा से जेल चला गया तथा जब उच्च न्यायालय के आदेश से रिहा किया गया तो राष्ट्र निर्माण के लिए भविष्य की योजनाओं के साथ घर लौटा हूं। न्याय पालिका के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रसाई ने कहा, मैं सभी सम्मानित न्यायाधीशों और पूरे अदालत परिवार को यह विश्वास दिलाने के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं कि देश में न्याय प्रणाली अभी मृत नहीं है। प्रसाई ने जेल प्रशासन, नेपाल पुलिस और साथी कैदियों के प्रति उनकी कैद के दौरान सहयोग के लिए उनकी सराहना की। राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा, मैं देश के लिए था, हूं और हमेशा रहूंगा। सत्ता और शासन बदल सकती हैं, लेकिन मेरा चरित्र नहीं बदलेगा। काठमांडू जिला अदालत के आदेश के अनुसार प्रासाई को 13 जून को दिल्लीबाजार जेल भेजा गया था। हालांकि, उच्च न्यायालय ने कई लंबित मामलों में 28 लाख रुपये की जमानत के भुगतान पर उनकी रिहाई का आदेश दिया। अदालत के निर्देश के बाद उन्हें सोमवार को जेल से रिहा कर दिया गया।

टेक्सास के 50 से ज्यादा डेमोक्रेट्स के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

ऑस्टिन (टेक्सास) ,05 अगस्त (एजेंसियां) ।

रिपब्लिकन हाउस स्पीकर डस्टिन बरोज ने सोमवार को 50 से ज्यादा डेमोक्रेट्स के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। सदन में इनके अनुपस्थित न रहने से कोरम पूरा नहीं हो सका। इसलिए कांग्रेस में रिपब्लिकन पार्टी की संख्या बढ़ाने का मंसूबा पूरा नहीं हो सका। ऑस्टिन अमेरिकन-स्टेट्समैन की खबर के अनुसार, बरोज ने सदन में कहा, वे राज्य छोड़कर चले गए हैं। उन्होंने मतदाताओं से भी मुंह मोड़ लिया जिनका प्रतिनिधित्व करने की उन्होंने शपथ ली थी। वे राज्य के बाहर के राजनेताओं और कार्यकर्ताओं के दबाव में अपनी जिम्मेदारी से पीछे भाग रहे हैं। इसके तुरंत बाद गवर्नर ग्रेग एबॉट ने टेक्सास के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को आदेश दिया कि ऐसे किसी भी सदस्य का पता लगाएं, उसे गिरफ्तार करें और सदन के कक्ष में वापस लाएं।

यह वारंट कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सदन में अनुपस्थित पाए गए सदस्यों को वापस बुलाने के लिए बाध्य करते हैं। बावजूद इसके कोरम भंग करने पर उनकी आपराधिक गिरफ्तारी नहीं की जा सकती। यह वारंट अधिकारियों को राज्य से बाहर जाकर उन दर्जनों डेमोक्रेट्स को वापस लाने का अधिकार नहीं देते जो सदन को आवश्यक कोरम से वंचित करने के लिए इलिनॉय (न्यूयॉर्क) और मैसाचुसेट्स चले गए। सदन के 62 डेमोक्रेटिक सदस्यों में से केवल छह ही सात मिनट तक सत्र में उपस्थित रहे। लुबॉक से रिपब्लिकन उम्मीदवार बरोज ने सदन को बताया कि जल्द ही मतदान करवा कर पुनर्वितरण योजना को मंजूरी दिलाई जाएगी। यही बात उन्होंने संक्षिप्त संवाददाता सम्मेलन में दोहराई। टेक्सास के रिपब्लिकन ने नया कांग्रेसी नक्शा प्रस्तावित किया है। यह डलास, ऑस्टिन और ह्यूस्टन में डेमोक्रेटिक झुकाव वाले एक जिले को हटाकर और दक्षिण टेक्सास के दो जिलों में अतिरिक्त रिपब्लिकन मतदाताओं को जोड़कर रिपब्लिकन पार्टी की पांच और जीतने योग्य सीटें जोड़ देगा। यहां वर्तमान में डेमोक्रेट हेनरी क्यूएलर और विसेंट गोंजालेज का कब्जा है। उल्लेखनीय है कि 2021 में भी डेमोक्रेट्स कोरम का उल्लंघन कर चुके हैं।

अमेरिका ने श्रीलंका को टैरिफ समझौते में वाहनों को शुल्क मुक्त करने का प्रस्ताव दिया

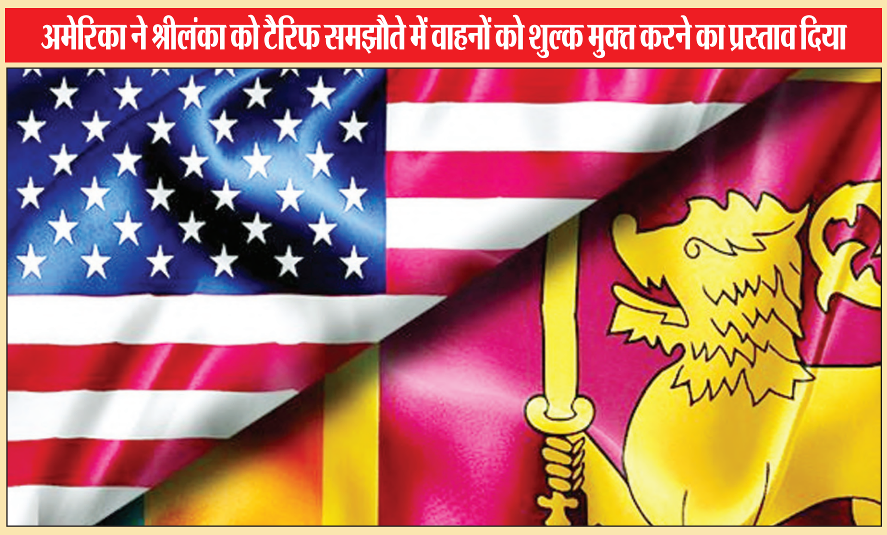

अमेरिका ने अपने टैरिफ समझौते में श्रीलंका से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) सहित अमेरिकी वाहनों को शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करने का प्रस्ताव किया है। अमेरिका ने कहा कि इससे वह व्यापार घाटे को कम करने के प्रयास में सफल हो सकता है। खबर के अनुसार, टैरिफ समझौते से जुड़े सूत्र ने यह जानकारी देते हुए कहा कि श्रीलंका सरकार ने सीधे तौर पर इस प्रस्ताव पर स्वीकृति नहीं दी, बल्कि समय के साथ चरणबद्ध तरीके से ऐसी चिंताओं पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि हाल ही में हुई समझौता वार्ताओं में श्रीलंका टैरिफ को मूल रूप से प्रस्तावित 44 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कराने में सफल रहा है। श्रीलंका वर्तमान दर को प्रतिस्पर्धी मान रहा है, क्योंकि यह बांग्लादेश और वियतनाम जैसे उलरे क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धियों के बराबर है। वियतनाम और बांग्लादेश पर लगाए गए टैरिफ भी 20 प्रतिशत हैं। साल 2024 में श्रीलंका के साथ अमेरिका का कुल वस्तु व्यापार अनुमानित 3.4 बिलियन डॉलर था। श्रीलंका ने व्यापार घाटे को कम करने के अपने प्रस्ताव में अमेरिकी कंपनियों से ईंधन खरीदने की पेशकश की है। सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने अमेरिका में उत्पादित कच्चे तेल के नमूने पहले ही मांग लिए हैं। वर्तमान में अमेरिकी बाजार में पहुंचने वाले श्रीलंकाई उत्पादों में परिधान सबसे बड़ा क्षेत्र है।

सिविल सर्विस विधेयक में गड़बड़ी करने के लिए संसदीय समिति के अध्यक्ष और सचिव ही दोषी पाए गए

काठमांडू,05 अगस्त (एजेंसियां) ।

सरकारी कर्मचारियों को अवकाश या इस्तीफे के दो साल तक किसी भी राजनीतिक या संवैधानिक नियुक्तियों में रोक लगाने संबंधी विधेयक में गड़बड़ी को लेकर गठित संसदीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इस रिपोर्ट में संसदीय समिति के अध्यक्ष और सचिव को इसके लिए दोषी ठहराया गया है।

इस जांच समिति के संयोजक जीवन परियार के अनुसार, रिपोर्ट में राज्य मामलों और सुशासन समिति के अध्यक्ष रामहरि खतिवडा और समिति के सचिव सूरज कुमार दुरा को कूलिंग पीरियड के प्रावधान को रद्द करने वाली भाषा डालने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

दो दिन और दो रात की व्यापक चर्चाओं के बाद, समिति ने आम सहमति बनाते हुए मंगलवार सुबह स्पीकर देवराज घिमिरे को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। परियार ने पुष्टि की कि रामहरि खतिवडा और सचिव दुरा की पहचान प्राथमिक जिम्मेदार व्यक्तियों के रूप में की गई है।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस प्रक्रिया में प्रत्यक्ष और विषयगत रूप से शामिल अन्य लोग भी जिम्मेदार हैं। संसद में पंजीकृत संघीय सिविल सेवा विधेयक के मूल मसौदे में सेवानिवृत्त सचिवों और संयुक्त सचिवों के लिए दो साल की कूलिंग ऑफ पीरियड की अनिवार्यता से बाहर रख दिए जाने के बाद यह विवाद शुरू हुआ था, जबकि सत्ता साझेदार दलों ने यह सहमति की थी कि यह नियम सभी स्तर के सरकारी कर्मचारियों पर लागू किया जाए।

हालांकि, जब प्रतिनिधि सभा द्वारा विधेयक पारित किया गया, तो सेवानिवृत्त सिविल सेवकों को कूलिंग ऑफ पीरियड से छूट देते हुए एक नया खंड - धारा 82 (4) डाला गया, जिसमें सेवानिवृत्त सचिवों और संयुक्त सचिव को छूट दिए जाने का प्रावधान रखा हुआ था। इसके अतिरिक्त, सरकार की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता वाले वाक्यांश को हटा दिया गया।

संसद की राज्य व्यवस्था समिति में सहमति और पारित होने के बाद इसे हूबहू प्रतिनिधि सभा में पेश करना था। जब प्रतिनिधि सभा से यह बहुमत से पारित होकर राष्ट्रीय सभा में भेजा गया तब इसकी पोल खुली। राष्ट्रीय सभा में भेजे गए विधेयक में व्यापक फेरबदल किया जा चुका था। इस पर विवाद के कारण परिवर्तन के लिए कौन जिम्मेदार था, इसकी जांच करने के लिए संसदीय जांच समिति का गठन हुआ। रविवार की सुबह से सोमवार की रात से मंगलवार की सुबह तक लगातार चर्चाओं के बावजूद, समिति शुरू में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने में विफल रही। समिति को जांच के लिए 21 दिन का समय दिया गया था, जिसमें 7 दिन का विस्तार किया गया था। मूल समय सीमा रविवार आधी रात को समाप्त हो गई, लेकिन विस्तारित विचार-विमर्श के बाद सदस्यों ने मंगलवार सुबह अंतिम रिपोर्ट पर हस्ताक्षर किए।

बलूचिस्तान के केच में जंगयान बलूच के घर पर हमला

क्वेटा (बलूचिस्तान) ,05 अगस्त (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान समर्थित भाड़े के हत्यारों (मौत दस्ता) ने सोमवार रात केच जिले में थिसिल टेम्प के तेलकान क्षेत्र में जंगयान बलूच के घर पर हमला किया। हमले में फिलहाल किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। जंगयान के घर पर इससे पहले भी कई बार हमला किया जा चुका है।

खबर के अनुसार, एक स्थानीय संवाददाता ने सूचित किया है कि यह हमला रात में हुआ, लेकिन इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जंगयान बलूच के घर पर पहले भी कई बार हमला हो चुका है। बलूचिस्तान में मौत दस्तों और पाकिस्तान समर्थित संस्थाओं पर गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप हैं। इन आरोपों में जबरन अपहरण, न्यायेतर हत्याएं और नागरिकों को निशाना बनाना शामिल हैं।

ग्यारह साल से गायब हैं अमीर बख्श

खबर के अनुसार, एक दशक से भी अधिक समय से लापता अमीर बख्श बलूच के परिवार ने सोमवार को कराची प्रेस क्लब में संवाददाता सम्मेलन कर संघीय सरकार से उनके ठिकाने का खुलासा करने और अगर कोई आरोप है तो उन्हें अदालत में पेश करने की अपील की है। इस दौरान केंद्रीय बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) की नेता सम्मी दीन बलूच भी मौजूद थीं।

अमीर बख्श की बेटी सदाफ बलूच ने कहा कि उनके पिता को 4 अगस्त 2014 को ग्वादर के अंबी बाजार कुलांच इलाके से सुरक्षा बल जबरन उठा ले गए थे। ग्यारह साल बीत चुके हैं। अभी भी नहीं पता कि वह कहां हैं या जिंदा भी हैं या नहीं। सदाफ ने कहा कि यह सिर्फ एक व्यक्ति का गायब होना नहीं है, यह पूरे परिवार की निरंतर पीड़ा, मनोवैज्ञानिक आघात और सामाजिक मृत्यु है।

सदाफ बलूच ने कहा कि पिता को ढूंढ़ने के लिए उसने परिवार के साथ सभी कानूनी और शांतिपूर्ण रास्ते अपना लिए हैं। परिवार को सब जगह से निराशा ही हाथ लगी है। सदाफ ने संघीय सरकार, न्यायपालिका, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और मानवाधिकार संगठनों से अपील करते हुए कहा कि यह किसी राजनीतिक आंदोलन की मांग नहीं है। यह एक बेटी की गुहार है जो अपने पिता के इंतजार में ग्यारह साल से हर दिन जी रही है और हर रात मर रही है। बीवाईसी की सम्मी दीन बलूच ने कहा कि अगर अमीर बख्श बलूच ने कोई अपराध किया है तो उसे अदालत में पेश किया जाए। यह कौन सा कानून है कि किसी को बिना आरोप या मुकदमे के ग्यारह साल तक हिरासत में रखा गया है। सम्मी दीन बलूच ने कहा कि बलूच महिलाएं अब केवल प्रदर्शनकारी नहीं हैं, बल्कि प्रतिरोध की नेता बन गई हैं।

रूस के कमचटका में फिर भूकंप के झटके, 6.0 तीव्रता के कंपन से दहशत, 6 दिन पहले आया था 8.8 तीव्रता का महाभूकंप

मॉस्को। रूस के सुदूर-पूर्वी क्षेत्र कमचटका प्रायद्वीप में मंगलवार को एक बार फिर भूकंप के तेज झटकों ने लोगों में दहशत फैला दी। यह झटका 6.0 तीव्रता का था और इसे पेट्रोपावलोव्स्क-कमचट्स्की शहर से करीब 108 किलोमीटर दूर स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:57 बजे महसूस किया गया। भूकंप संबंधी जानकारी यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने देते हुए बताया है, कि इससे ठीक 6 दिन पहले, 30 जुलाई को इसी इलाके में 8.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया था, जिसे दुनिया के 10 सबसे बड़े भूकंपों में गिना गया। कमचटका प्रायद्वीप प्रशांत महासागर की रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जो भूकंप और ज्वालामुखीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। यही कारण है कि यहां बार-बार ऐसी प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिलती हैं। वैज्ञानिकों और आपदा एजेंसियों ने इलाके पर कड़ी निगरानी रखनी शुरू कर दी है। मंगलवार को आए भूकंप की तीव्रता 6.0 आंकी गई है, जबकि इससे पहले आए भूकंप की तीब्रता 8.8 रही। पहले आए महाभूकंप के कारण प्रशांत महासागर के तटीय क्षेत्रों में सुनामी अलर्ट जारी कर दिया गया था और जापान, अमेरिका, चिली समेत कई देशों में हाई अलर्ट घोषित किया गया था। तब कमचटका के तटीय इलाकों में भी जनजीवन पूरी तरह से ठप हो गया था।

मोहम्मद आमिर और इमाद वसीम द हंड्रेड में बने रिप्लेसमेंट खिलाड़ी, पाक खिलाड़ियों की भागीदारी पर संशय हुआ दूर

लंदन,05 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तानी तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद आमिर और ऑलराउंडर इमाद वसीम ने द हंड्रेड 2025 सीज़न के लिए नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स से करार कर लिया है। यह करार उस समय हुआ है जब इस लीग में भारतीय निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के चलते पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर सवाल उठ रहे थे।

इससे पहले इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने यह स्पष्ट किया था कि भारतीय या भारतीय-अमेरिकी निवेशकों के आने से पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने फरवरी में कहा था, हम अन्य क्षेत्रों में इस स्थिति से अवगत हैं, लेकिन यहां ऐसा नहीं होगा।

मार्च में हुए ड्राफ्ट में एक भी पाकिस्तानी पुरुष खिलाड़ी के चयन नहीं होने पर संदेह गहराया था, लेकिन इसकी एक वजह पाकिस्तान की वेस्टइंडीज और यूएई में श्रृंखलाओं के चलते उनकी अनुपलब्धता भी मानी जा रही थी।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार अब आमिर और इमाद ने सुपरचार्जर्स के लिए रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर अनुबंध किया है। आमिर ऑस्ट्रेलिया के बेन द्वारशुईस की जगह पूरे टूर्नामेंट में खेलेंगे, जबकि इमाद वसीम केवल 7 से 10 अगस्त तक मिचेल सैंटनर की अनुपस्थिति में टीम का हिस्सा होंगे। गौरतलब है कि सुपरचार्जर्स के नए मालिक भारतीय मीडिया समूह सन ग्रुप होंगे, जो 1 अक्टूबर से संचालन संभालेंगे। इस टीम में इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स भी एक मेंटोरिंग रोल में नज़र आएंगे। उन्होंने कहा, मैं द हंड्रेड में खेलते हुए नहीं बल्कि टीम के साथ समय बिताते हुए दिखूंगा। मैं अपनी रिकवरी कर रहा हूं और इस दौरान टीम का हिस्सा रहूंगा। इस सीज़न में इंग्लैंड के ज़्यादातर टेस्ट बल्लेबाज़ उपलब्ध रहेंगे, जबकि तेज़ गेंदबाज़ों को आराम दिया गया है।

हंड्रेड 2025 में रिप्लेसमेंट खिलाड़ीः

लंदन स्पिरिटः जॉन सिम्पसन और डैन डाउथवेट ने जेमी स्मिथ और ऑली पोप की जगह ली (5 अगस्त के मैच के लिए)

मैनचेस्टर ओरिजिनल्सः मार्क चैपमैन ने रचिन रवींद्र (6-13 अगस्त) और फरहान अहमद ने मार्चंट डि लैंगे की जगह ली अमुरुथा सुरेनकुमार ने एला मैककॉगन की जगह ली

नॉर्दर्न सुपरचार्जर्सः इमाद वसीम ने मिचेल सैंटनर (7-10 अगस्त) और मोहम्मद आमिर ने बेन द्वारशुईस की जगह ली।

न्यूज ब्रीफ

नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से नाम वापस लिया, बिना तैयारी के यूएस ओपन में उतरेंगे

नई दिल्ली। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने आगामी यूएस ओपन से पहले एक और झटका दिया है। उन्होंने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है और अब बिना किसी हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट की तैयारी के सीधे यूएस ओपन में उतरेंगे। जोकोविच ने आखिरी बार 11 जुलाई को विंबलडन सेमीफाइनल में हिस्सा लिया था, जहां उन्हें यानिक सिनर के हाथों सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले से दो दिन पहले जोकोविच को क्वार्टरफाइनल के अंतिम गेम में एक भयावह और अजीब तरीके से गिरते देखा गया था, जिससे उनकी बाईं जांघ पर असर पड़ा। सेमीफाइनल में वह पूरी तरह से फिट नजर नहीं आए और उन्हें कोर्ट पर अपनी गति में कठिनाई हो रही थी। मैच के दौरान उन्होंने अपने ऊपरी बाएं पैर का उपचार भी करवाया था। सिनसिनाटी से पहले जोकोविच ने इस सप्ताह समाप्त हो रहे टोरंटो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया था, जिसकी वजह उन्होंने कमर की मांसपेशियों (ग्रोइन इंजरी) में चोट को बताया था। विंबलडन से पहले उन्होंने फ्रेंच ओपन में हिस्सा लिया था, जहां उन्हें फिर से यानिक सिनर के हाथों सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। अब जोकोविच के पास यूएस ओपन से पहले किसी भी हार्ड कोर्ट मुकाबले का अभ्यास नहीं होगा। यूएस ओपन 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। जोकोविच इस टूर्नामेंट में अब तक चार बार चैंपियन बन चुके हैं, जिनमें आखिरी खिताब उन्होंने 2023 में जीता था। वह उनका अब तक का सबसे हालिया ग्रैंड स्लैम खिताब भी है ।

हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया : ऋषभ

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट में भारतीय टीम को मिली जीत से आक्रामक

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बेहद उत्साहित हैं। इस सीरीज को भारतीय टीम ने 2-2 से बराबर करने में सफलता हासिल की है। ऋषभ को चौथे टेस्ट में चोटिल होने के कारण सीरीज के बीच में ही वापस लौटना पड़ा था। उन्होंने कहा है कि ये टीम एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है। इस दौरे से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। ऋषभ ने सोशल मीडिया में कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, एक ऐसा दौरा जिसने हमसे बहुत कुछ मांगा और बदले में उससे भी ज्यादा दिया। मुझे गर्व है कि हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इस दौरान टीम ने अपने को हालातों के अनुसार ढाला और लगातार टीम लड़ती रही। देश का प्रतिनिधित्व करना हमारे लिए सबये जरुरी है, इसके लिए हम अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं और इसी में हमें गर्व भी है। हमारे शानदार सहायोगी स्टाफ और उन सभी प्रशंसकों का बड़ा धन्यवाद, जिन्होंने पूरे समय हमारा साथ दिया। यह टीम भूखी है, एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है। दौरे ने हमसे जितना मांगा, उससे ज्यादा दिया इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी चोट की एक तस्वीर भी साझा की है। इसमें उनके दाहिने पैर की छोटी उंगली के पास कुछ टेपिंग है और उंगली पर पट्टी बंधी हुई है। इसी उंगली के पास फ्रैक्चर हुआ था और ऋषभ इसके बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। इस दौरान उनके साहस की सभी ने प्रशंसा की थी। ऋषभ ने इस दौरे पर चार मैचों की सात पारियों में 2 शतक और 3 अर्धशतक के साथ ही कुल 479 रन बनाए थे।

रिहैब के दौर से गुजर रहे सूर्यकुमार

बेंगलुरु। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव म्यूनिख में हुई सर्जरी से उबरने के

लिए आजकल राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) के दौर से गुजर रहे है। सूर्यकुमार का लक्ष्य सितंबर में होने वाले एशिया कप से पहले पूरी तरह फिट हासिल करना है। सूर्यकुमार को पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण ही दिलीप ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। म्यूनिख में हुई उनकी हर्निया की सर्जरी के बाद से ही वह रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले एशिया कप में खेलेगी। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के अधिकारियों के को उम्मीद है कि सूर्या इस टूर्नामेंट से पहले पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। वहीं बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी पिछले सप्ताह टनेस टेस्ट के लिए यहां आये थे। अब वह मुंबई लौट गये हैं और माना जा रहा है कि यह दौरा नियमित जांच के लिए था। बताया जा रहा है कि वह पूरी तरह फिट हैं और दिलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए तैयार हैं। अय्यर को अंतिम बार आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी की कप्तानी करते हुए देखा गया था।

बेंगलुरु एफसी ने खिलाड़ियों और स्टाफ की सैलरी अनिश्चितकाल के लिए रोकी

नई दिल्ली,05 अगस्त (एजेंसियां)।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के भविष्य को लेकर जारी असमंजस के बीच बेंगलुरु एफसी ने अपने पहले टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ की सैलरी अनिश्चितकाल के लिए रोकने का फैसला किया है। क्लब ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर यह जानकारी दी।

बेंगलुरु एफसी ने अपने बयान में कहा, भारत में एक फुटबॉल क्लब चलाना और उसे बनाए रखना हमेशा से एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है, जिसे हम हर सीज़न पूरी निष्ठा के साथ करते आए हैं। लेकिन लीग के भविष्य को लेकर स्पष्टता की कमी ने हमें यह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर किया है। हमारे खिलाड़ियों, स्टाफ और उनके परिवारों की भलाई हमारे लिए सर्वोपरि है और हम इस मसले के समाधान तक लगातार उनके संपर्क में हैं।

क्लब ने यह भी स्पष्ट किया कि यह निर्णय उनके युवा कार्यक्रमों पर असर नहीं डालेगा, हम खेल और अपने संचालन के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे युवा पुरुष और महिला टीमें, साथ ही बीएफसी सॉकर स्कूल्स इस निर्णय से अप्रभावित रहेंगे। हम अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) से अपील करते हैं कि इस गतिरोध को शीघ्र समाप्त करें। यह अस्थिरता किसी के हित में नहीं है और भारतीय फुटबॉल के भविष्य के लिए त्वरित समाधान जरूरी है।

गौरतलब है कि 11 जुलाई को आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल ने 2025-26 सीज़न को अस्थायी रूप से स्थगित करने की घोषणा की थी, जिसके पीछे अनुबंध संबंधित समस्याएं बताई गई थीं।

इसके अगले दिन एआईएफएफ ने कहा था कि वह लीग की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा।

जानकारी के अनुसार, एफएसडीएल और एआईएफएफ के बीच मौजूदा मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) 8 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। यही समझौता लीग की संरचना, संचालन और व्यावसायिक ढांचे की नींव है।

आमतौर पर सितंबर से अप्रैल तक खेले जाने वाली आईएसएल के संचालन और उससे जुड़ी ब्रॉडकास्टिंग योजनाओं के लिए सभी हितधारकों को दीर्घकालिक स्पष्टता की आवश्यकता है।

इस बीच, एआईएफएफ ने गुरुवार को नई दिल्ली में आईएसएल की आठ क्लबों के सीईओ के साथ बैठक बुलायी है, जिसमें भारतीय फुटबॉल से जुड़े अहम मसलों पर चर्चा होगी।

सिराज द ओवल की चौथी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले भारतीय

ओवल। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पांचवे टेस्ट मैच में मेजबान टीम इंग्लैंड को 6 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-2 से बराबरी हासिल की है। भारतीय टीम की इस जीत में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की अहम भूमिका रही। सिराज ने इस मैच की पहली पारी में 4 जबकि दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। इसी के साथ ही सिराज ने एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। वह द ओवल की चौथी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले भारतीय और कुल मिलाकर देखा जाये तो आठवें गेंदबाज बने हैं। ओवल में चार दशक के बाद कोई गेंदबाज चौथी पारी में 5 विकेट ले पाया है। अंतिम बार साल 1984 में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने इस मैदान पर पांच विकेट लिए थे। होल्डिंग ने ये रिकार्ड सा 1976 में बनाया था। इसके अलावा साल 1997 के बाद से ही इस मैदान पर 5 विकेट लेने वाले सिराज पहले गेंदबाज बने हैं। सिराज ने पांच मैचों की सीरीज में 20 से अधिक विकेट लिए। इस गेंदबाज ने साल 2020 में भारतीय टीम में जगह हासिल करने के बाद से ही टेस्ट प्रारुप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 41 टेस्ट मैचों की 76 पारियों में 123 विकेट लिए हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया के फ्रेडरिक स्पोफोर्थ ने साल 1882, जेजे फेरिस ने साल 1890, क्लेरी ग्रिमेट ने साल 1934 वहीं पाकिस्तान के फजल महमूद ने साल 1954 व वेस्टइंडीज के कीथ बॉयस ने साल 1973 में द ओवल की चौथी पारी में 5 विकेट लिए थे।

गंभीर ने आलोचकों को दिया जवाब, कुछ जीतेंगे, कुछ हारेंगे पर कभी हार नहीं मानेंगे

ओवल,05 अगस्त (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में बराबरी हासिल करने से भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर बेहद उत्साहित हैं। गंभीर को कोच बनने के बाद से ही ये पहली बड़ी सफलता मिली है क्योंकि इससे पहले हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठने लगे थे। ऐसे में इस सीरीज के 2-2 से ड्रॉ रहने से गंभीर को बड़ी राहत मिली है। इस सीरीज में मिली सफलता के बाद गंभीर ने सोशल मीडिया पर अपने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा , हम कुछ जीतेंगे, वहीं कुछ हारेंगे पर कभी हार नहीं मानेंगे। इसके बाद उन्होंने टीम की प्रशंसा की। ओवल टेस्ट के अंतिम दिन इंग्लैंड को जहां जीत के लिए मात्र 35 रनों की जरुरत थी पर भारतीय टीम के गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने उसके हाथ में आई जीत छीन ली। जिसके बाद से भी भारतीय प्रशंसकों में खुशी की लहर है। ये जीत टीम को अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना मिली मिली है।

इस सीरीज का पहला मैच मेजबान टीम ने जबकि दूसरा भारतीय टीम ने जीता। तीसरा टेस्ट जीतकर मेजबानों ने फिर बढ़त ली पर भारतीय टीम ने चौथे टेस्ट को ड्रॉ पर रोक दिया। अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम ने जीत हासिल कर सीरीज बराबरी पर ला दी। इस सरीज में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 700 से अधिक रन बनाये। वहीं मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह केवल तीन टेस्ट खेले। अंतिम टेस्ट बेहद रोमांचक और उतार-चढ़ाव भरा रहा। टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करते हुए 224 रन ही बना पायी। वहीं भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान टीम को भी 247 रनों पर ही रोक दिया। 23 रनों से पिछड़ने के बाद भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में 396 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रनों का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए मेजबान टीम हैरी ब्रूक और जो रूट के शतक के बाद भी 367 रनों पर ही आउट हो गयी ओर भारतीय टीम को 6 रनों से जीत मिली।

एशियपन ओपन फिगर स्केटिंग ट्रॉफी

फिलीपींस में एशियन ओपन फिगर स्केटिंग ट्रॉफी में भाग लेती हुई चीनी जोड़ी झांग जियुहान व हुआंग यिहांग।

सारा तेंदुलकर की तस्वीरें सोशल मीडिया में छायीं, 2 मिलियन से ज्यादा लाइक्स मिले

मुम्बई,05 अगस्त (एजेंसियां)।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर आजकर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों को लेकर छायी हुई हैं। सारा ने अपनी अलग पहचान भी बनाई है वह तेंदुलकर फाउंडेशन से जुड़ी हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया सरकार ने पर्यटन को बढ़ाने के लिए शुरु किये एक नये अभियान का उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। इस प्रकार सारा हमेशा ही लाइमलाइट में रहती है। अब वह एक फोटोशूट की अपनी तस्वीरों के कारण सभी का ध्यान खींच रही हैं। सारा की इन तस्वीरों पर हर दिन 2 मिलियन से ज्यादा लाइक्स आए हैं।

सोशल मीडिया पर सारा बेहद सक्रिय रहती हैं। एक ट्रैवल इंफ्लुएंसर के तौर पर वह देश-विदेश के सैर सपाटे पर भी जाती रहती हैं और नई-नई जगह, चीजों की भी खोज करती रहती हैं। उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर कई शानदार तस्वीरें भी हैं। उनमें से कुछ तस्वीरों में वह रेड कलर की बॉडी फिट ड्रेस में दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में सारा का कर्वी फिगर फ्लॉन्ट हो रहा है, जो फैंस के दिलों की धड़कनों को तेज कर रहा है। एक अन्य तस्वीर में वह अपनी कातिलाना अदाओं से कहर बरपाती हुईं नजर आ रही हैं।सारा की इन फोटोज को देखकर उनकी

हॉटनेस का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।उनकी ये तस्वीरें कितनी ज्यादा शानदार हैं, उनका अनुमान आप इनपर आए 2.3 मिलियन से ज्यादा आए लाइक्स के जरिए आसानी से लगा सकते हैं। प्रशंसकों ने सारा की इन तस्वीरों पर जमकर प्यार लुटाया है। ये पहला अवसर नहीं है, जब सारा की तस्वीरें चर्चा का विषय बनी हैं, इससे पहले भी कई बार ऐसा हुआ हैं।

सारा एक ट्रैवल ब्लॉगर भी हैं। इस आधार पर उन्हें ऑस्ट्रेलिया पर्यटन ने ब्रांड एबेंडसर के तौर पर रखा है जिससे वह ऑस्ट्रेलिया में पूर्यटन को बढ़ा सकें।

वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटायें गंभीर : गावस्कर

मुम्बई,05 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर प्रमुख खिलाड़ियों को टीम से बाहर रहना ठीक नहीं है। गावस्कर ने कहा कि पहले भी खिलाड़ियों को आराम दिया जाता था पर तब कम कम महत्वपूर्ण और औपचारिकता मुकाबलों में ऐसा किया जाता था। इससे प्रमुख खिलाड़ियों को आराम भी मिल जाता था और टीम को नुकसान भी नहीं होता था। इसके साथ ही नए खिलाड़ियों को भी अवसर मिल जाता था। साथ ही कहा कि तब वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर महत्वपूर्ण मुकाबलों से स्टार खिलाड़ी दूर नहीं होते थे। इसके साथ ही गावस्कर ने कहा कि कोच गंभीर वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटा दें।

गावस्कर ने वर्कलोड मैनेजमेंट के विचार को खारिज करते हुए कहा , 'लोग वर्कलोड की बात कर रहे, अगर इसके आगे आप झुक जाते हैं तो आप मैदान में कभी अपना बेस्ट प्लेयर नहीं ला पाएंगे।' गावस्कर ने कहा, 'आप देश के लिए खेल रहे हो, और जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हैं तो आपको अपनी मांसपेशियों में दर्द को भूलना होगा। सरहद पर यही होता है।' उन्होंने कहा, क्या आपको लगता है कि जवान कभी ठंडी या गरम हालात की शिकायत करते हैं वे वहां पर तैनात हैं, देश के लिए अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। आपको देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही होगा।

ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज का उदाहरण देते हुए गावस्कर ने कहा, छोटे-मोटे दर्द को लेकर चिंता मत करो। ऋषभ ने जो किया, वो क्या दिखाता है वह फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरा। अपनी टीम में आप इसी तरह की भावना देखना चाहते हो। यही अपेक्षा की जाती है। छोटी-मोटी चोट से पीछे मत हटो। 140 करोड़ लोगों में से आपको भारत का प्रतिनिधित्व करने को मिला है, यह एक सम्मान है। आप अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली है और इसलिए आपको इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। वहीं सिराज ने 5 टेस्ट मैचों में लगातार गेंदबाजी की है। गावस्कर ने कहा, मुझे उम्मीद है कि वर्कलोड भारतीय क्रिकेट की डिक्शनरी से बाहर होगा। मैं लंबे समय से यह बात कहता आया हूं। साथ ही कहा कि वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर उनके बयान को जसप्रीत बुमराह से नहीं जोड़ा जाना चाहिये क्योंकि बुमराह चोट की वजह से बाहर थे, न कि वर्कलोड की वजह से। इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैच की सीरीज में जसप्रीत बुमराह ने सिर्फ 3 ही मुकाबले खेले थे। इनमें से दो में भारत को हार मिली थी और एक मुकाबला ड्रॉ हुआ था। भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर की है।

अपराधियों के हमले में बैडमिंटन कोच गंभीर रुप से घायल

मुंबई। मुंबई में हफ्ता वसूली देने से माना करने पर एक बैडमिंटन कोच प्रफुल्ल घाटविसावे पर अपराधियों ने हमला कर दिया। कोच को गंभीर रुप से घायल हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कहा जा रहा है कि कोच पर ये हमला इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने हर सप्ताह 1000 रुपये देने से इंकार कर दिया था। पुलिस से मिली के अनुसार, कोच प्रफुल्ल घाटविसावे अपने घर के पास एक दोस्त से फोन पर बात कर रहे थे, तभी तीन युवकों ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार की रात हुई थी। वहीं हमलावरों ने कहा कि वे सनी गैंग से हैं और उन्होंने कोच घाटविसावे से हर सप्ताह 1000 रुपए देने की मांग की। कोच ने जब इंकार किया तो उनपर ही हमला कर दिया। हमले के दौरान एक आरोपी ने बीयर की टूटी बोतल का से कोच के पेट पर कई वार किए। इस घटना में गंभीर रूप से घायल कोच घाटविसावे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई गई है।वारदात के बाद तीनों आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एलपीजी का दुरुपयोग रोकने को देश भर में 4 करोड़ से अधिक फर्जी कनेक्शन निष्क्रिय किए गए

केंद्र ने पहल और आधार प्रमाणीकरण के जरिए एलपीजी सब्सिडी हस्तांतरण को मजबूत किया: हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली,05 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी वितरण और सब्सिडी हस्तांतरण को कुशल, पारदर्शी और समावेशी बनाने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। एलपीजी का दुरुपयोग रोकने के लिए देश भर में 4 करोड़ से अधिक फर्जी कनेक्शन निष्क्रिय किए गए हैं।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को राज्यसभा में एक तारांकित सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देशभर के सभी एलपीजी वितरकों में आईवीआरएस/एसएमएस रिफिल बुकिंग सिस्टम लागू किया गया है। इस सिस्टम के तहत उपभोक्ताओं को रिफिल बुकिंग, कैश मेमो जनरेशन और रिफिल डिलीवरी जैसे प्रमुख चरणों पर एसएमएस के जरिए सूचनाएं प्राप्त होती हैं, जिससे वे अपने लेन-देन को ट्रैक कर सकते हैं और गलत या न मिलने की स्थिति में रिपोर्ट कर सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने सदन को बताया कि पहल (डीबीटीएल) योजना, आधार-आधारित सत्यापन, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और अयोग्य या नकली कनेक्शनों को हटाने जैसी पहलों के कार्यान्वयन से लक्षित सब्सिडी हस्तांतरण प्रणाली काफी मजबूत हुई है। उन्होंने आगे कहा कि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) शुरू किया है, जो कैश मेमो जनरेशन के समय उपभोक्ता को एसएमएस के माध्यम से भेजा जाता है। इसको गैस डिलीवरी के समय डिलीवरी कर्मियों के साथ साझा करना आवश्यक होता है, जिससे प्रमाणीकरण सुनिश्चित होता है।

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि 1 जुलाई तक मौजूदा पीएमयूवाई लाभार्थियों में से 67 फीसदी का बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा सभी नए पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को कनेक्शन जारी होने से पहले बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से गुजरना होगा। पुरी ने बताया कि डुप्लीकेशन हटाने की प्रक्रिया के परिणामस्वरूप, 8.49 लाख प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) कनेक्शन समाप्त कर दिए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि जनवरी, 2025 में उन पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को हटाने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई थी, जिन्होंने कनेक्शन लगने के बाद कोई रिफिल नहीं लिया था। इस एसओपी के तहत लगभग 12,000 निष्क्रिय पीएमयूवाई कनेक्शन समाप्त कर दिए गए हैं। पुरी ने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान लगभग 194 करोड़ एलपीजी रिफिल उपभोक्ताओं को वितरित किए गए। इनमें से केवल 0.08 फीसदी के लिए शिकायतें प्राप्त हुईं, जो ज्यादातर सब्सिडी हस्तांतरण या वितरण में देरी से संबंधित थी।

न्यूज ब्रीफ

फैबइंडिया ने पेश किया पारंपरिक कारीगरी से सजा राखी कलेक्शन

इंदौर। फैबइंडिया ने रक्षाबंधन 2025 के शुभ अवसर पर अपना नया फेस्टिव कलेक्शन लॉन्च कर दिया है। यह कलेक्शन पारंपरिक भारतीय कारीगरी और आधुनिक डिजाइन सौंदर्य का एक सुंदर संगम है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को कोमलता और गरिमा के साथ दर्शाता है। इस साल का कलेक्शन मुख्य रूप से गुलाबी रंग-पैलेट पर केंद्रित है, जिसमें हल्के गुलाबी से लेकर गहरा गुलाबी और फ्यूशिया जैसे जीवंत रंग शामिल हैं। कपड़ों को पारंपरिक खड़ी प्रिंटिंग और मेटैलिक एम्ब्रॉयडरी जैसी खास कारीगरी से सजाया गया है, जो उन्हें एक विशेष फेस्टिव लुक और चमक प्रदान करते हैं। यह कलेक्शन कपड़े और होम एंड लाइफस्टाइल दोनों श्रेणियों में उपलब्ध है। यह नया कलेक्शन राखी पर तोहफा देने के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें कपड़ों के साथ-साथ खास गिफ्टिंग सेट भी शामिल हैं, जो प्यार और अपनापन दर्शाते हैं। फैबइंडिया का यह रक्षाबंधन 2025 कलेक्शन अब कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

हिमालया ने लॉन्च किया नया नीम फेस वॉश, पिंपल्स से रोकथाम का नया फॉर्मूला

इंदौर। प्राकृतिक देखभाल उत्पादों की अग्रणी कंपनी हिमालया वेलनेस ने अपने सबसे लोकप्रिय उत्पाद, हिमालया प्यूरीफाइंग नीम फेस वॉश को नए रूप में लॉन्च किया है। यह नया फेस वॉश अब 5-पार्ट्स ऑफ़ नीम फॉर्मूले के साथ आता है, जिसका मुख्य उद्देश्य केवल पिंपल्स का इलाज करना नहीं, बल्कि उन्हें दोबारा होने से रोकना है। दो दशकों से भी ज्यादा समय से पिंपल-प्रोन स्किन के लिए पसंदीदा समाधान बने इस फेस वॉश का नया फॉर्मूला नीम के पांच शक्तिशाली हिस्सों - पत्तियों, फूल, फल और तने से युक्त है। यह फार्मूला पिंपल्स के चक्र को तोड़कर उन्हें दोबारा होने से रोकने में मदद करता है। कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, यह नवाचार उपभोक्ताओं की एक बड़ी समस्या का समाधान देता है, जिसे वे अब तक अपरिहार्य मानकर जी रहे थे। कंपनी के राजेश कृष्णमूर्ति ने कहा कि यह रीलॉन्च देशभर के करोड़ों लोगों की त्वचा की देखभाल के लिए एक नया अध्याय है। मार्केटिंग डायरेक्टर रागिनी हरिहरन ने इसे एक निर्णायक बदलाव बताते हुए कहा कि यह प्रकृति द्वारा समर्थित और विज्ञान द्वारा प्रमाणित है। चिकित्सकीय रूप से जांचा गया यह फेस वॉश पांचवें दिन से ही पिंपल्स को कम करने और उनके निशानों को हल्का करने में भी मदद करता है। यह लॉन्च, अल्पकालिक समाधानों से दीर्घकालिक त्वचा के आत्मविश्वास की ओर बढ़ने की हिमालया की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जुलाई 2025 में रॉयल एनफील्ड ने किए बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित

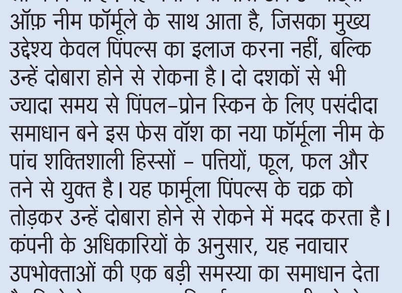

नई दिल्ली। जुलाई 2025 में रॉयल एनफील्ड ने बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित कर दिए हैं। रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री 31 फीसदी की उछाल के साथ 88,045 यूनिट तक पहुंच गई, जो पिछले साल इसी महीने 67,265 यूनिट थी। यह इजाफा सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि यह बताता है कि रॉयल एनफील्ड भारतीय सड़कों से लेकर राइडर्स के दिलों तक अपनी पकड़ लगातार मजबूत कर रही है। घरेलू बाजार में कंपनी ने 76,254 यूनिट्स बेचीं, जो बीते साल जुलाई की तुलना में 25 फीसदी ज्यादा हैं। बुलेट, क्लासिक और हंटर जैसे मॉडल्स की लोकप्रियता भी भारत में बनी हुई है। खास बात यह है कि केवल भारत ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी रॉयल एनफील्ड की मांग तेजी से बढ़ी है। जुलाई 2025 में कंपनी का निर्यात 95 प्रतिशत बढ़कर 11,791 यूनिट पहुंच गया, जबकि जुलाई 2024 में यह आंकड़ा 6,057 यूनिट था।

बिकवाली के दबाव में गिरकर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

बाजार की कमजोरी के कारण निवेशकों के 82 हजार करोड़ डूबे

नई दिल्ली,05 अगस्त (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार गिरावट का शिकार हो गया। के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बढ़ने लगा, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की कमजोरी भी बढ़ती चली गई। हालांकि, दिन में कई बार खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश भी की, इसके बावजूद दोनों सूचकांक कमजोरी से उबार नहीं सके। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.38 प्रतिशत और निफ्टी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। डिफेंस, मेटल, ऑटोमोबाइल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 447.97 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 448.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 82 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,197 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,744 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,299 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 154 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,680 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,043 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,637 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 72.29 अंक की कमजोरी के साथ 80,946.43 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे ये सूचकांक उछल कर 81,010.49 अंक तक पहुंचा। खरीदारों की इस कोशिश के बावजूद सेंसेक्स हरे निशान तक नहीं पहुंच सका। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सुबह 10 बजे के करीब ये सूचकांक 464.32 अंक टूट कर 80,554.40 अंक के स्तर तक आ गया। के कारोबार में पूरे दिन बिकवालों का पलड़ा भारी रहा। हालांकि खरीदार भी बीच-बीच में लिवाली की कोशिश करते रहे। इसके बावजूद ये सूचकांक कभी भी मजबूती हासिल नहीं कर सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 308.47 अंक की कमजोरी के साथ 80,710.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 2.50 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 24,720.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही मामूली खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 10.35 अंक की बढ़त के साथ कुछ देर के लिए हरे निशान में 24,733.10 अंक तक पहुंचा। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बिकवाली के दबाव में सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले ही ये सूचकांक 132.45 अंक फिसल कर 24,590.30 अंक के स्तर तक गिर गया। के कारोबार में ज्यादातर समय बिकवाल हावी नजर आए। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 73.20 अंक लुढ़क कर 24,649.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंडसइंड बैंक 1.88 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 1.84 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.39 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 1.39 प्रतिशत और ट्रेंट लिमिटेड 1.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, अदानी पोर्ट्स 2.22 प्रतिशत, अदानी एंटरप्राइजेज 1.50 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.40 प्रतिशत, इंफोसिस 1.36 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक 1.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

होंडा की पहली हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक जल्द होगी लांच

नई दिल्ली,05 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत में जल्द ही होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया अपनी पहली हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करने जा रही है। यह होंडा की अब तक की सबसे एडवांस और दमदार इलेक्ट्रिक बाइक मानी जा रही है, जिसकी अधिकतम रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटा और रेंज लगभग 399 किलोमीटर होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक बाइक 2 सितंबर 2025 को पेश की जा सकती है।

कंपनी का दावा है कि यह बाइक केवल 2 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी और एक बार चार्ज होने पर लगभग 400 किलोमीटर तक चलेगी।

इसके लिए इसमें बड़ी क्षमता की बैटरी दी गई है, जो फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। यह आंकड़े इसे भारत की अन्य इलेक्ट्रिक बाइकों से एक कदम आगे रखते हैं। बाइक की मोटर काफी शक्तिशाली होगी, जो महज 2.77 सेकंड में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम होगी। होंडा की यह इलेक्ट्रिक बाइक तकनीकी रूप से भी बेहद खास होगी। इसमें ब्लूटूथ एप्लिकेशन कनेक्टिविटी, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, चार ड्राइविंग मोड्स और सेल्फ बैलेंसिंग कंट्रोल सिस्टम जैसे एडवांस फीचर्स मिलेंगे। ये सभी फीचर्स इसे युवाओं और टेक-सेवी ग्राहकों के लिए आकर्षक विकल्प बना सकते हैं।

कीमत को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इसकी अनुमानित कीमत रुपए1.30 लाख से रुपए 1.50 लाख के बीच हो सकती है। इस कीमत पर यह बाइक प्रीमियम इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में बड़ी प्रतिस्पर्धा पेश करेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भौगौलिक सीमाएं ...

उन्होंने भविष्य की तैयारियों का संकेत देते हुए कहा कि भारतीय सेना इस बदलते सामरिक परिवेश के लिए पूरी तरह तैयार है।सीडीएस ने स्पष्ट किया कि भारत किसी भी खतरे का जवाब देने के लिए हमेशा तैयार है। उन्होंने कहा, आतंकवादियों को अब कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं बचेगा। हमारी सेना हर चुनौती के लिए तैयार है और दुश्मनों को उनके ठिकानों पर ही निशाना बनाएगी।ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल भारत की सैन्य ताकत को प्रदर्शित किया, बल्कि यह भी दिखाया कि भारतीय सेना अब नए युग के युद्ध के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है।

ट्रंप की भारत पर...

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में कहा, हम राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है, और अगस्त के मध्य में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भारत आएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि 25 प्रतिशत टैरिफ और अतिरिक्त जुर्माना भारत के निर्यात को प्रभावित कर सकता है, खासकर समुद्री उत्पाद, कपड़ा, चमड़ा और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, भारत के अमेरिका को निर्यात में 2026 में 30 प्रतिशत की कमी आ सकती है, जो 86.5 अरब डॉलर से घटकर 60.6 अरब डॉलर हो सकता है। हालांकि, फार्मास्यूटिकल्स, ऊर्जा उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को छूट दी गई है। भारत ने स्पष्ट किया कि वह अपनी कृषि, डेयरी और जीएम फसलों पर अमेरिकी मांगों के सामने नहीं झुकेगा। सरकार ने निर्यातकों से स्वदेशी ब्रांड विकसित करने और वैश्विक बाजार में मजबूती लाने को कहा है।

ट्रंप की नई टैरिफ धमकी ने भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव बढ़ा दिया है, लेकिन भारत ने संयमित और तथ्य-आधारित जवाब देकर अपनी स्थिति मजबूत की है। रूस के समर्थन और भारत की कूटनीतिक रणनीति से यह स्पष्ट है कि नई दिल्ली अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए दृढ़ है। अगले कुछ दिनों में होने वाली व्यापार वार्ता इस तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

उत्तराखंड के धराली...

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी दुख जताते हुए कहा, केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बहुमूल्य जीवन बचाने के लिए हर संभव कदम उठा रही हैं।

भारतीय सेना की सूर्या कमान ने बताया कि हर्षिल के पास धराली गांव में दोपहर 1:45 बजे भूस्खलन और बाढ़ की घटना हुई, जिसके बाद आइबेक्स ब्रिगेड के 150 जवान 10 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, अग्निशमन विभाग और जिला प्रशासन की टीमें भी राहत कार्य में जुटी हैं।

उत्तरकाशी के जिला मजिस्ट्रेट प्रशांत आर्य ने बताया कि हादसे में संपत्ति को भारी नुकसान हुआ है और राहत कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। गंगोत्री धाम का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है, और चारधाम यात्रा पर भी असर पड़ा है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि महज 20-34 सेकंड में तेज बहाव के साथ आए मलबे और पानी ने धराली गांव को जमींदोज कर दिया। 20 से 25 होटल और होमस्टे पूरी तरह तबाह हो गए, जबकि धराली बाजार मलबे में तब्दील हो गया। खीर गंगा नाले में अचानक आए उफान ने कई घरों और दुकानों को बहा दिया।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, हमारी पहली प्राथमिकता लोगों को बचाना है। राहत और बचाव कार्यों के लिए सभी टीमें युद्ध स्तर पर काम कर रही हैं। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहकर स्थिति की निगरानी करने की बात कही।उत्तराखंड प्रशासन ने प्रभावित लोगों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 01374-22126 और 22722 जारी किए हैं। लोगों से नदियों और नालों से दूरी बनाए रखने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है।विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन और बदलते जलचक्र के कारण उत्तराखंड और हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्यों में बादल फटने की घटनाएं बढ़ रही हैं। मौसम विभाग ने पहले ही भारी बारिश की चेतावनी जारी की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने...

राज्य की याचिका में तर्क दिया गया कि हाई कोर्ट ने संशोधित नियम 3(ए) को गलत तरीके से व्याख्या की, जिसके तहत उम्मीदवारों को तेलंगाना के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए योग्य माना गया। नियम में प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त करने से पहले राज्य में लगातार चार साल तक पढ़ाई का प्रावधान था।

राज्य ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट का आदेश इस तथ्य को नजरअंदाज करता है कि तेलंगाना को डोमिसाइल, स्थायी निवास आदि जैसे विभिन्न आवश्यकताओं को निर्धारित करने की विधायी क्षमता प्राप्त है।

हाई कोर्ट के फैसले में राज्य को नए प्रवेश नियम तैयार करने का आदेश दिया गया, जो एक समय लेने वाली प्रक्रिया है। याचिका में कहा गया, नियम बनने के बाद छात्रों को आवेदन करना होगा और संबंधित प्राधिकारियों से आवश्यक प्रमाणपत्र जमा करने होंगे। प्रत्येक प्रमाणपत्र को हेल्थ यूनिवर्सिटी द्वारा सत्यापित करना होगा। वर्तमान नियम में छात्रों को बिना किसी कार्यालय या प्राधिकरण के पास जाए शैक्षिक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की अनुमति है। यदि हाई कोर्ट का फैसला लागू किया गया, तो एमबीबीएस और बीडीएस सीटों के आवंटन में भारी देरी होगी।

अनुच्छेद 370 हटने...

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए टिकैत ने कहा कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति की क्षति नहीं, बल्कि एक विचारधारा का अंत है। उन्होंने कहा, सत्यपाल मलिक ने जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल रहते हुए किसानों की चिंता की। वे गांव से निकलकर देश के बड़े पदों तक पहुंचे, जो उनकी मेहनत और जज्बे को दर्शाता है।

टिकैत ने मलिक के राजनीतिक सफर की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने मेरठ विश्वविद्यालय से छात्र राजनीति शुरू की और चौधरी चरण सिंह के साथ काम किया। उन्होंने हमेशा किसानों और समाज के मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। उनका निधन किसान आंदोलन के लिए एक बड़ी क्षति है।

5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त किया था, जिसके बाद राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों-जम्मू-कश्मीर और लद्दाख-में विभाजित किया गया। टिकैत का कहना है कि इस फैसले ने कश्मीर के किसानों को नई आर्थिक आजादी दी है, जिससे उनकी खेती और व्यापार में वृद्धि हुई है।

टिकैत ने केंद्र और जम्मू-कश्मीर प्रशासन से अपील की कि वे कश्मीरी किसानों को बेहतर बुनियादी ढांचा, कोल्ड स्टोरेज और निर्यात सुविधाएं प्रदान करें। उन्होंने कहा, कश्मीर का सेब विश्व प्रसिद्ध है। अगर सरकार किसानों को सही मार्केटिंग और लॉजिस्टिक्स सुविधाएं दे, तो यह क्षेत्र न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि वैश्विक बाजार में भी अपनी मजबूत पहचान बनाएगा।

राकेश टिकैत का बयान कश्मीर में अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद आए सकारात्मक बदलावों को रेखांकित करता है। साथ ही, सत्यपाल मलिक के निधन पर उनकी श्रद्धांजलि ने एक बार फिर किसानों के प्रति उनके योगदान को याद दिलाया। टिकैत ने कश्मीर के किसानों के लिए खुले बाजार और बेहतर नीतियों की वकालत करते हुए क्षेत्र के आर्थिक विकास पर जोर दिया।

अमित शाह ...

अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की घोषणा की थी।

अमित शाह के गृह मंत्री के कार्यकाल को कई ऐतिहासिक और साहसिक फैसलों के लिए जाना जाता है: अनुच्छेद 370 का निरस्तीकरण: 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त कर इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया। नागरिकता संशोधन अधिनियम : गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता देने वाला यह कानून 2019 में पारित हुआ।

यूनिफॉर्म सिविल कोड : समान नागरिक संहिता की शुरुआत, जिसे राष्ट्रीय एकता की दिशा में महत्वपूर्ण माना गया।

आंतरिक सुरक्षा: आतंकवाद और नक्सलवाद पर कड़ा प्रहार, जिसमें माओवाद को मार्च 2026 तक समाप्त करने का लक्ष्य शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शाह की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा, अमित शाह ने आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने और देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अमित शाह ने 1987 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होकर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। वह नरेंद्र मोदी के लंबे समय तक सहयोगी रहे और 1991 में आडवाणी के गांधीनगर लोकसभा चुनाव में प्रचार प्रबंधक के रूप में चर्चा में आए। गुजरात में गृह, कानून और न्याय जैसे मंत्रालय संभालने के बाद 2014 में वह बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। 2019 में गृह मंत्री बनने के साथ-साथ वह देश के पहले सहकारिता मंत्री भी हैं।

2013 में उत्तर प्रदेश में बीजेपी के प्रभारी के रूप में शाह ने 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को 80 में से 73 सीटें दिलाकर अपनी रणनीतिक कुशलता साबित की। उनकी छवि एक कुशल रणनीतिकार और आधुनिक चाणक्य के रूप में रही है।

शाह के कार्यकाल में जहां अनुच्छेद 370 और सीएए जैसे फैसलों को सराहा गया, वहीं विपक्ष ने मणिपुर हिंसा और कुछ राज्यों में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए। कुछ आलोचकों का कहना है कि पुलिस सुधार और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर और ध्यान देने की जरूरत है।अमित शाह का 2,258 दिनों का कार्यकाल भारत के आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में परिवर्तनकारी रहा है। अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण, आतंकवाद और नक्सलवाद पर नियंत्रण, और सहकारिता मंत्रालय की स्थापना जैसे कदम उनकी दूरदर्शिता को दर्शाते हैं। यह रिकॉर्ड न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि एनडीए सरकार की नीतियों का भी प्रतीक है।

बुधवार को बना है दधि व्रत का शुभ संयोग

दही के इन उपायों से सुधरेगा लोक, परलोक और भाग्य

बुधवार का दिन भगवान गणेश को समर्पित होता है। ऐसे में इस दिन गणपतिजी की पूजा-अर्चना विशेष रूप से फलदायी होता है। वहीं, इस बार बुधवार के दिन दधि व्रत का भी शुभ संयोग बन रहा है। ऐसे में यह दिन और भी ज्यादा खास और फलदायी हो गया है। अगर आप बुधवार को दधि व्रत के दिन दही से जुड़े कुछ उपाय कर लें तो इससे आपका भाग्य सुधर सकता है और जीवन में सभी प्रकार के सुखों की भी प्राप्ति होती है। दधि व्रत के दिन दही का प्रयोग करना, विष्णुजी की पूजा करना, रात में भजन-कीर्तन करने आदि के कई धार्मिक और ज्योतिष लाभ होते हैं। महाभारत के दान-धर्म में भी इस बात का वर्णन मिलता है। वहीं, दही शुक्र और चंद्रमा ग्रह से भी जुड़ा होता है। ऐसे में इस उत्तम योग पर दही के उपाय करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

दही से शिवलिंग का अभिषेक करें

बुधवार को दधि व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद, दही और पवित्र जल के साथ शिवलिंग का अभिषेक करें। साथ ही, भगवान गणेश की भी पूजा करें। इस विशेष उपाय को करने से जातक को भोलेनाथ और गणपतिजी की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, इससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है और घर में चल रही समस्याओं से भी व्यक्ति को छुटकारा मिल सकता है। दही का संबंध शुक्र ग्रह से भी माना गया है। ऐसे में इस उपाय से आपको विवाह से जुड़ी बाधाओं से भी मुक्ति मिल सकती है।

दही का दान करने से जीवन में पाएंगे हर सुख

मान्यता है कि दधि व्रत के दिन दही का दान करने से बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है। ऐसा करने से जातक को जीवन में हर प्रकार का सुख प्राप्त हो सकता है और पापों से मुक्ति मिलती है। दधि व्रत के दिन दही दान करने से जातक को रोगों से भी राहत मिल सकती है और मानसिक शांति महसूस होती है। इससे कुंडली में शुक्र ग्रह भी मजबूत होता है। लेकिन दही का दान कभी भी शाम के समय नहीं करना चाहिए क्योंकि, दही का संबंध चंद्रमा से भी माना गया है। ऐसे में इसे शाम के समय दान करने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है।

दही से उबटन बनाकर लगाएं

इस बुधवार को शुभ संयोग पर आप दही से उबटन बना कर अपनी त्वचा पर लगा सकते हैं। इसके ज्योतिषीय के साथ-साथ आयुर्वेदिक लाभ भी होती है। दधि व्रत के दिन दही का प्रयोग करने से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा और मानसिक शांति मिलती है। इस उपाय को करने से जातक के जीवन में सकारात्मकता आती है और नकारात्मकता हमेशा दूर रहती है। अगर आप बुधवार को यह उपाय करते हैं तो इससे जीवन में आने वाली समस्याएं भी कम हो सकती हैं।

चरणामृत बनाकर विष्णुजी की पूजा करें

माना जाता है दधि व्रत के दिन दही के प्रयोग से चरणामृत बनाना चाहिए। इसके बाद, भगवान विष्णु की पूजा में इसे अवश्य शामिल करना चाहिए। ऐसा करने से पापों का नाश हो सकता है और अकाल मृत्यु का भय भी दूर हो सकता है। विष्णुजी की पूजा में चरणामृत शामिल करने और इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है और घर में सुख-शांति आती है। इस उपाय को करने से घर में चल रही परेशानियों और बाधाओं से भी जातक को छुटकारा मिल सकता है।

दही से भोजन कराएं और खुद भी ग्रहण करें

बुधवार को दधि व्रत के दिन भोजन में दही शामिल करना चाहिए और लोगों को इसका भोजन कराना चाहिए। ऐसा करने से अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही, इस दिन दही खुद भी ग्रहण करनी चाहिए। इस उपाय को करना बहुत शुभ माना गया है। इस विष्णुजी की पूजा के साथ-साथ रात के समय भजन-कीर्तन करना भी बहुत फलदायी होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को पंच यज्ञ समान फल प्राप्त होता है।

भगवान शिव क्यों पहनते हैं नरमुंड की माला, किसके 108 सिर अपने गले में धारण करते हैं भोलेनाथ, जानें पौराणिक कथा

रुद्राष्टकम् में शिवजी की महिमा को बताते हुए एक श्लोक में उनकी मुंडमाला का जिक्र कुछ इस प्रकार है: 'मृगाधीशचर्माम्बरं मुण्डमालं, प्रियं शंकरं सर्वनाथं भजामि।' यानी शेर की खाल के वस्त्र धारण किए और नरमुंड की माला पहने हुए भगवान शिव सबके प्यार हैं और ऐसे सबके प्यारे शंकरजी को मैं प्रणाम करता हूं। शिवजी की नरमुंड की माला का ब्योरा अलग-अलग जगह मिलता है। लेकिन, भगवान शिव मुंडमाला क्यों पहनते हैं और एक बार जब इसकी उत्सुकता नारदजी को हुई तो उन्होंने माता सती से इस बारे में पूछा था।

नारद जी माता सती के पास पहुंचे

जहां सभी देवता अलग-अलग आभूषण पहने रहते हैं। सजे-धजे रहते हैं वहीं भगवान शिव का स्वरूप ऐसा है कि वह गले में सांप, शरीर पर भभूत और गले में नरमुंड की माला धारण करते हैं। उनके मस्तक पर चंद्रमा और हाथ पर त्रिशूल है, लेकिन भगवान शिव कंकाल की खोपड़ियों को माला में पिरोकर क्यों पहनते हैं। इसे लेकर एक बार नारद जी को उत्सुकता हुई। उन्होंने इसके बारे में माता सती से पूछने की सोची।

माता सती के मन में पैदा किया संदेह

कथा कहती है कि नारद मुनि ने माता सती से सीधे-सीधे यह नहीं पूछा कि शिवजी मुंडमाला क्यों पहनते हैं। उन्होंने माता सती से कहा, भोलेनाथ सबसे अधिक प्रेम किसे करते हैं। इस पर माता सती ने नारदजी से कहा कि वह मुझसे प्रेम करते हैं तो नारदजी ने माता सती से सवाल किया कि अगर बाबा आपको सबसे अधिक प्रेम करते हैं तो गले में मुंड माला क्यों पहनते हैं। नारदजी की बात माता सती के मन में बैठ गई। वह मन ही मन सोचने लगी कि ऐसा क्यों है।

माता सती ने शिवजी से पूछा सवाल

इसके बाद माता सती ने शिवजी से यही सवाल किया। आप ये बताइये कि आप मुंड माला क्यों पहनते हैं और ये मुंड किसके हैं। बताते हैं कि पहले तो भगवान शिव ने माता सती को टालने का प्रयास किया लेकिन जब वह अड़ी रहीं तो शिवजी ने बताया कि इस मुंडमाला में आपके सिर हैं। इसमें अभी 107 सिर हैं और आप उन शरीर को त्याग कर चुकी हैं। अब आपका 108वां जन्म है। इस पर माता सती ने पूछा, मैं बार-बार जन्म लेती हूं लेकिन आप क्यों नहीं। इस पर शिवजी ने कहा, मुझे अमरकथा का ज्ञान है। इस पर माता कहने लगीं कि मुझे भी अमरकथा सुनाओ।

108 नरमुंड की माला पहनते हैं शिवजी

कथा बताती है कि भगवान शिव ने माता सती को अमरकथा सुनाई लेकिन माता बीच में ही सो गई थी जिससे वह पूरा सुन नहीं पाई। कालांतर में शिवजी का अपमान नहीं सहने के कारण माता सती अपने पिता राजा दक्ष के यज्ञ में कूद गई थीं। कहा जाता है कि माता के इस स्वरूप के सिर को भी अपनी माला में पिरोया। इस प्रकार वह 108 मुंडों की माला पहनते हैं। इसके बाद माता पार्वती के रूप में माता सती का अगला जन्म हुआ और उनसे विवाह के दौरान भगवान शिव यही 108 नरमुंड की माला पहनकर गए थे। माता पार्वती को अमरता प्राप्त थी इसलिए उन्होंने अपना शरीर नहीं त्यागा।

एक कथा में राहु का है जिक्र

वहीं एक अन्य कथा में बताया जाता है कि भगवान शिव राहु के 108 सिरों की माला पहनते हैं। यह कथा इस प्रकार है कि जब समुद्र मंथन में देवताओं और राक्षसों को अमृत और मदिरा बांटी जा रही थी तो स्वरभानु नामक राक्षस देवताओं की पंक्ति में बैठ गया था। तब उसकी शिकायत सूर्य और चंद्रमा ने भगवान विष्णु से कर दी थी। तब भगवान विष्णु ने स्वरभानु का सिर धड़ से अलग कर दिया था। सिर राहु और धड़ केतु कहलाए।

शिवजी ने की धारण राहु की माला

कथा कहती है कि गुस्से में राहु चंद्रमा के पीछे पड़ गया। और उसे निगल दिया लेकिन धड़ नहीं होने से चंद्रमा बचकर निकल गए। तब राहु ने अब चंद्रमा को चबाने की सोची और पकड़ने की कोशिश की। चंद्रमा बचकर शिवजी के पास पहुंच गए। शिवजी ने चंद्रमा को अपनी जटा पर धारण किया। जब राहु उनके पास पहुंचा तो शिवजी ने कहा कि तुम्हें भोजन की जरूरत नहीं है। चूंकि तुम मेरे पास आए हो इसलिए मैं तुम्हें अपने गले में धारण करता हूं। कहते हैं कि राहु को अपने करीब देखकर चंद्रमा कांपने लगे और उनके पास से अमृत गिरने लगा जिसके प्रभाव में आने से राहु के 108 सिर हो गए। तब से शिवजी के गले में राहु के 108 सिर की माला है जिसे मुंडमाला कहते हैं।

हनुमान चालीसा की किताब, लॉकेट हर स्थान पर साथ लेकर जाना कितना सही?

मंगलवार का दिन भगवान हनुमान को समर्पित होता है। ऐसे में इस दिन हनुमान चालीसा पढ़ना विशेष रूप से फलदायी होता है। इससे जातक को बजरंगबली की खास कृपा प्राप्त होती है और जीवन के दुखों से छुटकारा भी मिल सकता है। भक्त नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए इसकी पुस्तक को अपने साथ भी रखते हैं। लोग हनुमान चालीसा अपने पर्स, बैग आदि में रखते हैं। वहीं, आजकल हनुमान चालीसा लिखे हुए लॉकेट, ब्रेसलेट आदि भी आने लगे हैं जिन्हें लोग हमेशा धारण करके रखते हैं। ऐसे में कई बार मन में यह सवाल उठता है कि क्या हनुमान चालीसा अपने साथ हमेशा रखना सही है।

हनुमान चालीसा पढ़ने के लाभ

मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान चालीसा पढ़ने का खास महत्व होता है। ऐसा करने से जीवन में आने वाली बाधाओं से राहत मिल सकती है और भय से भी मुक्ति मिलती है। वहीं, इसका प्रतिदिन नियमित रूप से पाठ करना बहुत लाभकारी माना गया है। ऐसा करने से मानसिक शांति प्राप्त होती है और बुद्धि में भी वृद्धि होती है। मान्यता है कि हनुमान चालीसा का पाठ करने से जातक का मनोबल बढ़ता है संकटों से बाहर निकलने की भी ताकत मिलती है। नियमित रूप से श्रद्धापूर्वक ऐसा करने से जातक को डरावने सपनों से छुटकारा मिल सकता है और रोगों से भी बचाव होता है। इससे जीवन में सकारात्मकता आती है और गृह क्लेश से भी छुटकारा मिल सकता है।

हनुमान चालीसा हमेशा साथ रखना सही या गलत

अधिकतर लोगों को अपनी नौकरी पर पहुंचने के लिए घर से जल्दी निकलना होता है। इसी के चलते वे ध्यान से हनुमान चालीसा का पाठ घर पर नहीं कर पाते हैं। ऐसे में भक्त अपने साथ हनुमान चालीसा रख लेते हैं और मेट्रो, बस आदि में जहां भी उन्हें समय मिलता है वे इसका पाठ कर लेते हैं। ऐसे में अगर भक्त हनुमान चालीसा के पवित्रता का ख्याल रखते हैं और पुस्तक, लॉकेट आदि को हमेशा साफ व पवित्र स्थान पर रखते हैं तो हनुमान चालीसा को साथ रखने में कोई परेशानी नहीं है। हनुमान चालीसा साथ रखने और इसका पाठ करने से जीवन के भय, संकट, दुखों आदि से छुटकारा मिल सकता है। शास्त्रों में भी बताया गया है कि किसी भी धार्मिक, आरती वाली पुस्तक को हमेशा साफ और पवित्र स्थान पर रखना चाहिए।

हनुमान चालीसा साथ रखने के नियम

अपने साथ हनुमान चालीसा रखने में कोई बुराई नहीं है। लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं, तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। हनुमान चालीसा लिखा हुआ लॉकेट या इसकी किताब को कभी भी ऐसे स्थान पर नहीं लेकर जाना चाहिए जो अपवित्र हो। इसे अंतिम संस्कार में जाते वक्त उतारकर जाना चाहिए। इसके अलावा, शौचालय या बाथरूम में भी इसे धारण करके नहीं जाना चाहिए।

20 अगस्त तक मिथुन राशि में रहेंगे शुक्र

वैवाहिक सुख और वैभव देने वाले शुक्र ने किया मिथुन राशि में प्रवेश

वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति की तरह शुक्र की गिनती भी शुभ ग्रहों में की जाती है। शुक्र को कला, प्रेम, सौंदर्य, वैवाहिक, वाहन समेत अन्य भौतिक सुखों का कारक माना गया है। शुक्र ग्रह ने 26 जुलाई को मिथुन राशि में प्रवेश किया है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 26 जुलाई को शुक्र ग्रह ने मिथुन राशि में प्रवेश किया है, इस राशि में पहले से ही बृहस्पति (गुरु) ग्रह स्थित है। अब गुरु-शुक्र की युति बन गई है, इस राशि में शुक्र 20 अगस्त तक रहेगा, इसके बाद कर्क राशि में प्रवेश करेगा। मिथुन राशि का स्वामी ग्रह बुध हैं। शुक्र और गुरु दोनों ही बुध से शत्रुता का भाव रखते हैं। ऐसे में मिथुन राशि में गुरु-शुक्र की युति बनने से सभी 12 राशियों पर इन ग्रहों का असर बदल गया है। इसके राशि परिवर्तन से सभी राशियों के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव होनेवाले हैं। कुंडली में शुक्र की शुभ स्थिति होने से व्यक्ति को समस्त सांसारिक सुख प्राप्त होते हैं। वहीं इसके कमजोर होने से वैवाहिक जीवन में तनाव, सांसारिक सुखों में कमी, आर्थिक स्थिति में गिरावट और किडनी रोग समेत कई परेशानियां आती हैं। शुक्र के राशि परिवर्तन से कुछ राशियों के जातकों का भाग्य चमकनेवाला है।

शुक्र को सभी ग्रहों में सबसे चमकदार ग्रह माना जाता है। चूंकि शुक्र एक शुभ ग्रह है इसलिए कुंडली में इसकी अच्छी स्थिति से जातकों को जीवन में कई सुख सुविधाएँ मिलती हैं लेकिन मुख्य रुप से प्रेम, भौतिक सुखों में इसकी मजबूती से वृद्धि होती है। इसके साथ ही वैवाहिक जीवन में भी शुक्र की स्थिति का असर पड़ता है, यदि कुंडली में शुक्र अच्छी स्थिति में है तो दांपत्य जीवन सुखद रहता है। वहीं शुक्र की दुर्बल स्थिति व्यक्ति के वैवाहिक जीवन को खराब कर सकती है। शनि व बुध शुक्र के मित्र ग्रहों में आते है। शुक्र ग्रह के शत्रुओं में सूर्य व चन्द्रमा है। शुक्र के साथ गुरु व मंगल सम सम्बन्ध रखते हैं। वृषभ एवं तुला राशि के स्वामी शुक्र कन्या राशि में नीच राशिगत संज्ञक तथा मीन राशि में उच्चराशिगत संज्ञक कहे गए हैं।

शुक्र के पास अमृत संजीवनी

अमृत संजीवनी के मालिक शुक्र पृथ्वी के साथ हैं और शुक्र के पास अमृत संजीवनी है। कोरोना महामारी से होने वाली मृत्यु दर में कमी आएगी और कोरोना का असर न्यूनतम होगा। प्राकृतिक आपदा और अप्रिय घटनाएं जन शून्य स्थानों पर होने की संभावना अधिक है। शुक्र अमृत संजीवनी के कारण दुर्घटना के शिकार लोगों को बचाने में सफल रहेंगे।

शुक्र का शुभ-अशुभ प्रभाव

शुक्र के राशि परिवर्तन से बिजनेस करने वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। सब्जियां, तिलहन और दलहन की कीमतें कम होंगी। मशीनरी समान महंगे हो सकते हैं। व्यापार में तेजी रहेगी। सोने चांदी के भाव में वृद्धि होगी। भौतिक सुख और वैवाहिक सुख में वृद्धि होगी। कानूनी मामलों में वृद्धि होगी। सुख-सुविधाओं की चीजों में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है इसके साथ ही राजनीति में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। शुक्र के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है। शुक्र भोग-विलास की वस्तुओं का प्रतिनिधित्व करता है। इसके कमजोर प्रभाव से दूध, सौंदर्य प्रसाधन, परिधान, पेट्रोलियम उत्पाद आदि महंगे हो सकते हैं। मिथुन राशि संवाद और मीडिया से जुड़ी है। ऐसे में विवाद, गलतफहमी और सार्वजनिक मंचों पर वाद-विवाद ज्यादा देखने को मिल सकते हैं।

शुक्र ग्रह के उपाय

लक्ष्मी माता की उपासना करें। सफेद वस्त्र दान करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें।

शुक्र का मिथुन राशि में प्रवेश करने से राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष – कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। हर कोई आपकी तारीफ करेगा। धैर्य से काम लेंगे। इस समय धन- खर्च अधिक करेंगे। नौकरी और व्यापार के लिए समय अच्छा है। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खान- पान का ध्यान रखने की आवश्यकता है।

वृषभ - आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। लेन- देने के लिए समय काफी अच्छा है। नया वाहन या मकान लेने के योग भी बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में हर किसी पर भरोसा करने से बचें। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी।

मिथुन - मान- सम्मान और पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी और व्यापार में तरक्की के योग बन रहे हैं। शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए ये समय किसी वरदान से कम नहीं है। विवाह के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के साथ अधिक से अधिक समय व्यतीत करें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है।

कर्क – धन- हानि हो सकती है। इस समय सोच- समझकर धन खर्च करें। इस समय लेन- देने से बचने का प्रयास करें। वाद- विवाद हो सकता है। परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा। यह समय आपके लिए शुभ नहीं कहा जा सकता है।

सिंह - सफलता प्राप्त करेंगे, लेकिन आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। धन-लाभ होने के योग बन रहे हैं। व्यापार के लिए ये समय किसी वरदान से कम नहीं है। इस समय लेन- देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है।

कन्या – कार्यों में सफलता प्राप्ति के योग बन रहे हैं। नौकरी में तरक्की होगी। परिवार के सदस्यों के साथ समय व्यतीत करेंगे। दांपत्य जीवन में सुख का अनुभव करेंगे। आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

तुला – तुला राशि का भाग्योदय होने जा रहा है। कार्यों में सफलता मिलेगी।धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। नौकरी और व्यापार के लिए समय शुभ है। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। विवाह के योग भी बन रहे हैं। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है।

वृश्चिक – जीवनसाथी के समय बिताएं, नहीं तो दांपत्य जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा, लेकिन धन का अधिक खर्च न करें। मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है।

धनु – धनु राशि के जातकों के लिए ये समय शुभ कहा जा सकता है। व्यापार में लाभ होने के योग बन रहे हैं। नौकरी में तरक्की हो सकती है। दांपत्य जीवन में सुख का अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। धन-लाभ हो सकता है।

मकर – मकर राशि के जातकों के लिए ये समय शुभ नहीं कहा जा सकता है। परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस समय धैर्य से काम लें। धन- हानि हो सकती है। इस समय लेन- देन न करें। दांपत्य जीवन में भी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कुंभ –पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। नौकरी और व्यापार में तरक्की के योग भी बन रहे हैं। शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए समय काफी अच्छा है। लेन- देन के लिए समय अच्छा है। धन- लाभ हो सकता है। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। मान- सम्मान और पद- प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन –नया वाहन या मकान खरीद सकते हैं। नौकरी और व्यापार में सफलता प्राप्त करने के लिए अधिक मेहनत करनी होगी, लेकिन मेहनत करने के बाद सफलता अवश्य प्राप्त करेंगे। किसी बाहरी व्यक्ति पर भरोसा न करें। प्रेम संबंधों में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वाद-विवाद से दूर रहें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

धर्मेन्द्र की दो बेटियां अजेता और विजेता ने भाइयों की तरह फिल्में नहीं चुनी, बनाया अलग रास्ता

आज यहां हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड फैमिली की उन दो लड़कियों की, जो जन्म से सुपरस्टार पिता और उसके बाद सुपरस्टार भाइयों के साथ-साथ पलीं। हालांकि, ये दोनों भी अपनी मां की तरह लाइमलाइट से दूर रहीं। इन दोनों ने अपने परिवार के सदस्यों की तरह फिल्मी करियर नहीं चुना बल्कि ये एक आम लाइफ जी रही हैं।

ये हैं बॉलीवुड के सुपरस्टार धर्मेंद्र की बेटियां। धर्मेन्द्र ने दो शादियां की हैं और उनके छह बच्चे हैं। हालांकि, काफी लोगों को उनके बस चार बच्चों के बारे में पता है जो फेमस हैं। सनी देओल, बॉबी देओल, ईशा देओल और अहाना देओल के अलावा भी उनकी दो बेटियां हैं।

आज यहां हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड फैमिली की उन दो लड़कियों की, जो जन्म से सुपरस्टार पिता और उसके बाद सुपरस्टार भाइयों के साथ-साथ पलीं। हालांकि, ये दोनों भी अपनी मां की तरह लाइमलाइट से दूर रहीं। इन दोनों ने अपने परिवार के सदस्यों की तरह फिल्मी करियर नहीं चुना बल्कि ये एक आम लाइफ जी रही हैं।

ये हैं बॉलीवुड के सुपरस्टार धर्मेंद्र की बेटियां। धर्मेन्द्र ने दो शादियां की हैं और उनके छह बच्चे हैं। हालांकि, काफी लोगों को उनके बस चार बच्चों के बारे में पता है जो फेमस हैं। सनी देओल, बॉबी देओल, ईशा देओल और अहाना देओल के अलावा भी उनकी दो बेटियां हैं।

पहली शादी से धर्मेन्द्र को चार बच्चे

इन दोनों के चार बच्चे हुए। सनी और बॉबी, जिन्होंने अपने पिता

के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टर बने। वहीं दोनों बहनों, अजीता और विजेता ने कैमरों और ग्लैमर की दुनिया और शोहरत से दूर एक शांत जीवन चुना। अपनी मां की तरह, वे भी मीडिया से दूर रहती हैं और पब्लिकली कम ही दिखाई देती हैं।

अजेता और विजेता के बारे में

साल 1954 में प्रकाश कौर से शादी के बाद, धर्मेंद्र की पहली पत्नी पत्नी ने 19 साल की उम्र में अजीता को जन्म दिया। अजीता अमेरिका में रहती हैं और वो साइकलॉजी की प्रफेसर हैं। वह अपने पति किरण चौधरी (एक भारतीय-अमेरिकी डेंटिस्ट) के साथ कई साल से विदेश में बसी हुई हैं। उनकी दो बेटियां हैं, जिनका नाम निकिता और प्रियंका चौधरी है।

धर्मेन्द्र की दूसरी बेटी विजेता

वहीं धर्मेन्द्र की दूसरी बेटी विजेता अपने पति विवेक गिल और परिवार के साथ दिल्ली में रहती हैं। वह राजकमल होल्डिंग्स एंड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी की डायरेक्टर हैं। बता दें कि धर्मेंद्र ने अपने प्रोडक्शन हाउस का नाम भी विजेता प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड रखा है। एक फेमस फिल्मी परिवार से जुड़े होने के बावजूद, दोनों बहनों ने फिल्म इंडस्ट्री से दूर अपने लिए एक आम लाइफ चुनी।

ईशा और अहाना देओल

बताते चलें कि हेमा मालिनी से दूसरी शादी के कई साल बाद, धर्मेंद्र ने दो बेटियों, ईशा और अहाना देओल को जन्म दिया। ईशा अजीता विजेता से अलग अपने लिए फिल्मों की दुनिया चुनी और बॉलीवुड में नाम कमाया। वहीं अहाना भी फिल्मों से दूर रहीं।

दिग्गज फिल्म मेकर बिमल रॉय के परिवार से रिश्ता

वहीं दूसरी तरफ सनी देओल के बेटे करण देओल ने भी इंडस्ट्री में कदम रखा और फिल्म 'पल पल दिल के पास' से डेब्यू किया था। उन्होंने अपने गर्लफ्रेंड रहीं दृशा आचार्य से शादी की है, जो एक जाने-माने और दिग्गज फिल्म मेकर बिमल रॉय की परपोती हैं।

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में जी स्टूडियोज ने रचा इतिहास, 8 पुरस्कारों के साथ ऐतिहासिक जीत

यह पहली बार हुआ है, जब एक ही स्टूडियो ने सबसे प्रतिष्ठित श्रेणियों में जीत हासिल की है, एक ऐसा क्लीन स्वीप जो मुख्यधारा की हिंदी सिनेमा से लेकर क्षेत्रीय भारत की आत्मा तक फैला हुआ है। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में ज़ी स्टूडियोज़ ने 8 राष्ट्रीय पुरस्कारों के साथ एक नया मानक स्थापित किया है, यह साबित करते हुए कि जब कहानियाँ मकसद, ताकत और धड़कन के साथ बनाई जाती हैं, तो इतिहास बनता है। हिंदी सिनेमा के लिए यह गर्व का क्षण था। 12वीं फेल को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला, यह रात का सबसे बड़ा सम्मान था। यह फिल्म एक शांत नायकत्व की नई परिभाषा बन गई, जिसने लाखों लोगों को प्रेरित किया। इसी फिल्म के लिए विक्रांत मैसी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला, उनके ईमानदार अभिनय ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सच्चाई हमेशा मंच पर राज करती है।

मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में अपनी दिल को छू लेने वाली परफॉर्मेंस के लिए रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान मिला। और 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के लिए दीपक किंगरानी को सर्वश्रेष्ठ संवाद लेखक का पुरस्कार मिला। लेकिन, यह जीत सिर्फ बॉक्स ऑफिस या सितारों की नहीं थी। ज़ी स्टूडियोज़ की क्षेत्रीय फिल्मों ने भी ज़ोरदार उपस्थिति दर्ज की। मराठी फिल्म नाल 2 को सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म का सम्मान मिला। यह एक मासूम बचपन की गहराई और पहचान को दर्शाती कोमल कहानी है। इसी फिल्म के लिए त्रीशा ठोसर, श्रीनिवास पोखले और भार्गव जगताप को सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार चुना गया।

पंजाबी फिल्म गोड़डे गोड़डे चा को सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फिल्म का पुरस्कार मिला। यह फिल्म समाज की परंपराओं पर सवाल उठाते हुए उत्सव में ढकी हुई एक सशक्त कहानी है। और ज़ी स्टूडियोज़ की नई प्रतिभाओं को सँवारने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, आत्मपम्फ्लेट के लिए सर्वश्रेष्ठ डेब्यू निर्देशक का पुरस्कार मिला। ज़ी स्टूडियोज़ सिर्फ ट्रेंड्स के पीछे नहीं भागता, वह संस्कृति को आकार देता है। हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान से लेकर गहराई से जुड़ी क्षेत्रीय कहानियों तक, यह क्षण सिर्फ ऐतिहासिक नहीं, बल्कि क्राँतिकारी भी है।

ससुराल सिमर का से मिली शोहरत
दीपिका कक्कड़ मजबूत इरादों संग कैंसर से लड़ रहीं जंग

टेलीविजन की दुनिया में अपनी एक्टिंग और सादगी से लाखों दिलों पर राज करने वाली अभिनेत्री दीपिका कक्कड़ का 6 अगस्त को 39वां जन्मदिन है। 'ससुराल सिमर का' की सिमर के किरदार से घर-घर में पहचान बनाने वाली दीपिका की जिंदगी उतार-चढ़ाव से भरी रही है। प्यार के लिए धर्म बदलने से लेकर कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से लड़ने वाली दीपिका की जिंदगी मजबूत इरादों और हौसले की मिसाल है।

पुणे में 6 अगस्त 1986 को जन्मी दीपिका ने अपने करियर की शुरुआत एक एयर होस्टेस के रूप में की थी। मुंबई विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने जेट एयरवेज में तीन साल तक काम किया। लेकिन स्वास्थ्य कारणों से इस नौकरी को छोड़ने के बाद दीपिका ने टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा। साल 2010 में 'नीर भरे तेरे नैना देवी' से डेब्यू किया। इसके बाद वह 'अगले जन्म मोहे बिटिया ही कीजो' में रेखा के किरदार में नजर आईं। 'कहां हम कहां तुम' में भी उनकी एक्टिंग को दर्शकों का खूब प्यार मिला।ङ्घहालांकि, दीपिका को असली पहचान साल 2011 में 'ससुराल सिमर का' से मिली। इस शो ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। सिमर का किरदार निभाते हुए उनकी मासूमियत और एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके बाद साल 2018 में आए 'बिग बॉस' के 12वें सीजन में उनकी जीत ने लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ा दिया। हाल ही में 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में उनके कुकिंग स्किल्स ने भी सुर्खियां बटोरीं, हालांकि स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने शो बीच में छोड़ दिया। दीपिका की निजी जिंदगी भी उतनी ही चर्चा में रही जितना उनका करियर। साल 2011 में उन्होंने पायलट रौनक सैमसन से पहली शादी की थी। सैमसन क्रिश्चियन थे और दीपिका के परिवार वाले इस शादी के खिलाफ थे। हालांकि, सबको ताक पर रखकर दीपिका ने सैमसन का हाथ थामा। लेकिन यह रिश्ता ज्यादा नहीं चला और साल 2015 में तलाक के साथ खत्म हो गया। इसके बाद 'ससुराल सिमर का' के सेट पर उनकी मुलाकात को-एक्टर शोएब इब्राहिम से हुई। दोनों की दोस्ती प्यार में बदली और साल 2018 में दीपिका ने शोएब से निकाह कर लिया। इस निकाह के लिए दीपिका ने इस्लाम धर्म कबूल किया और अपना नाम फैजा इब्राहिम रख लिया। दूसरे धर्म में शादी करने का उनका फैसला आसान नहीं था। इस फैसले की वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। दीपिका ने एक इंटरव्यू में बताया, मैंने यह फैसला अपनी खुशी से लिया। मेरे लिए मेरा प्यार और परिवार सबसे ऊपर है। मेरे लिए प्यार ही मायने रखता है।

सलमान खान संग बड़े पर्दे पर नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह, बोलीं
यह रियल हीरोज को सम्मान

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल बैटल ऑफ गलवान है। उन्होंने फिल्म को साहस और वीरता की एक सच्ची और जमीनी कहानी बताया। वास्तविक घटनाओं पर आधारित इस फिल्म को चित्रांगदा ने रियल हीरोज का सम्मान बताया।

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह का कहना है कि उन्हें इस फिल्म में सबसे खास चीज जो नजर आई है, वह थी इसकी भावनात्मक गहराई और मजबूत थीम।

चित्रांगदा ने फिल्म के बारे में बताया, यह एक ऐसी कहानी है जो साहस और वीरता को दर्शाती है। आर्मी बैकग्राउंड होने की वजह से मैंने इस फिल्म से जुड़ने के बारे में सोचा। मैंने इस घटना के बारे में पहले काफी सुना था। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है।

चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा, फिल्म की कहानी सुनकर गर्व होता है, और मैं फिल्म में अपनी भूमिका को एक किरदार से बढ़कर मानती हूं, क्योंकि फिल्म का उद्देश्य केवल वास्तविक नायकों को सम्मान देना और कम चर्चित कहानियों को मुख्यधारा में लाने का एक प्रयास है।

फिल्म में सलमान खान के साथ काम करने के अनुभव के बारे में चित्रांगदा ने कहा, सलमान जिस प्रोजेक्ट का हिस्सा होते हैं, वह अपने आप में बड़ा बन जाता है। चाहे अभिनेता हो या तकनीशियन, सब कुछ बड़े स्तर पर होता है। यह कहानी ऐसी है जिसे बताया जाना चाहिए, और मुझे खुशी है कि मैं इसका हिस्सा हूं।इससे पहले सलमान खान फिल्म्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इंडिया गेट से चित्रांगदा सिंह की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की। साथ में लिखा, सादगी और शालीनता का रूप चित्रांगदा सिंह का बैटल ऑफ गलवान की टीम में स्वागत है।

बता दें कि इस फिल्म से पहले चित्रांगदा ने अपनी फिल्म 'रात अकेली है-2' के निर्देशक हनी त्रेहन के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया था। उन्होंने बताया था कि इस फिल्म में एक शॉट के लिए उन्हें 28 रीटेक देने पड़े थे, उनके करियर में ऐसा पहली बार हुआ था।अभिनेत्री ने कहा था, हनी बहुत सख्त निर्देशक हैं। इस चुनौतीपूर्ण किरदार ने मेरे अभिनय को और बेहतर बना दिया था। चित्रांगदा का मानना है कि वास्तविक जीवन पर आधारित कहानियां उन्हें एक कलाकार के रूप में प्रेरित करती हैं। ऐसी कहानियां दर्शकों के लिए एक नई दुनिया तैयार करती है और इन्हें बताना जरूरी है।

जेनेलिया ने स्टीरियोटाइप को तोड़ा, मां बनने के बाद किया सुपरहिट कमबैक

बॉलीवुड एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। वह फेमस हिंदी फिल्म एक्ट्रेस हैं। 5 अगस्त 1987 को जन्मीं जेनेलिया ने तेलुगु, हिंदी और तमिल फिल्मों में काम किया है।

जेनेलिया ने तुझे मेरी कसम से अपने फिल्मी सफर की शुरुआत की थी। उनकी कुछ यादगार फिल्में हैं, जाने तू या जाने ना, रेडी, फोर्स, हैप्पी, तेरे नाल लव हो गया आदि। एक्ट्रेस को एक्टिंग के लिए साउथ के फिल्म फेयर अवॉर्ड और नंदी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

2012 में एक्ट्रेस ने फेमस एक्टर रितेश देशमुख से शादी कर ली, शादी के बाद उनके दो बच्चे हुए तो जेनेलिया ने एक्टिंग से ब्रेक लेने का फैसला लिया। जब एक लंबे ब्रेक के बाद उन्होंने फिल्मों में कमबैक करने का सोचा तो लोग उन्हें ऐसा करने से रोकने लगे। हमेशा ये धारणा रहती है कि मां बनने के बाद किसी एक्ट्रेस का करियर खत्म हो जाता है, लेकिन जेनेलिया ने इसे गलत साबित किया।

एक इंटरव्यू में उन्होंने इस बारे में बात की थी और कहा था कि जब वो 10 साल के ब्रेक के बाद वापसी करने की सोच रही थीं तो उन्हें रोका गया था। लोग उनसे कहते थे कि ये काम नहीं करेगा। उनको ऐसा नहीं करना चाहिए।

मगर जेनेलिया ने किसी की नहीं सुनी और जब रितेश से उन्होंने इस बारे में बात की तो पति रितेश ने भी उनको सपोर्ट किया। फिर मराठी फिल्म 'वेड' से जेनेलिया ने कमबैक किया। यह जबरदस्त हिट साबित हुई। इसमें रितेश देशमुख उनके अपोजिट थे। यह एक्ट्रेस की पहली मराठी फिल्म थी। यह 'सैराट' के बाद दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मराठी फिल्म बनी।

जेनेलिया ने सारे स्टीरियोटाइप तोड़ते हुए अभिनय की दुनिया में दमदार वापसी की। उन्होंने उन लोगों की बोलती बंद कर दी, जो कहते थे कि दो बच्चों की मां को फिल्मों में काम करने के बारे में नहीं सोचना चाहिए।

कुछ दिनों पहले उनकी हिंदी फिल्म 'सितारे जमीं पर' रिलीज हुई थी। इसमें वो आमिर खान के अपोजिट दिखाई दी थीं। एक्ट्रेस का कहना है कि वो अब फिल्मों में अपनी एज के किरदार निभाना चाहती हैं, जो उन्हें सूट करें। उन्होंने मेकर्स को उनके लिए ऐसे किरदार को लिखने या फिर अप्रोच करने की बात एक इंटरव्यू में कही थी।

राखी के अवसर पर मुख्यमंत्री ने की घोषणा

राजस्थान की बहनें रोडवेज बसों में कर सकेंगी दो दिन नि:शुल्क यात्रा

जयपुर, 05 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र हमारे समाज में संस्कारों के केन्द्र हैं। शिशु की पहली गुरू माता होती है। दूसरी गुरू आंगनबाड़ी की माता-बहनें हैं। इस भूमिका में वे पोषण वितरण के साथ नौनिहालों को मजबूत और स्वस्थ करने का भी कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्त होगी तो ही देश एवं प्रदेश सशक्त बनेगा। हमारी सरकार महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देते हुए प्रदेश को सुरक्षित, विकसित और नारी सशक्तीकरण का एक रोल मॉडल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सुपोषित राजस्थान के लिए आंगनबाड़ी बहनों को पोषण की शपथ भी दिलवाई।

शर्मा मंगलवार को बिडला सभागार में मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन-आंगनबाड़ी बहन सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी बहनें प्रदेश की महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने, उनके स्वास्थ्य और पोषण को सुनिश्चित करने एवं गुण-वत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने में अहम योगदान दे रही हैं। उन्होंने सभी बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाएं नारी तू नारायणी की भावना को साकार करते हुए बहन, पत्नी, माता, संरक्षक के रूप में बखूबी काम कर रही हैं। ग्रामीण तथा शहरी परिवेश में महिलाएं घर-परिवार

को आगे बढ़ाती हैं।

समारोह में मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार सहित आंगनबाडी बहनों से राखी बंधवाई। शर्मा को महिलाओं ने तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा तथा नारियल भी भेंट किया। शर्मा ने भी राखी के उपहार स्वरूप प्रदेश की 1 लाख 21 हजार आंगनबाड़ी बहनों को डीबीटी के माध्यम से 501-501 रुपये की राशि हस्तांतरित की। आंगनबाड़ी बहनों को छाता एवं मिठाई भी उपहार स्वरुप भेंट किए गए। इस दौरान श्री शर्मा ने कहा कि बहनों के द्वारा मेरी कलाई पर बांधी गई यह राखी मेरा सुरक्षा कवच है। मैं बहनों की सुरक्षा एवं सम्मान का वादा करता हूं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राखी के अवसर पर प्रदेश की बहनों के लिए रोडवेज बसों में दो दिन निःशुल्क यात्रा की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य की डबल इंजन की सरकार सेवा, सुरक्षा और सशक्तीकरण की सोच के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सहायिका एवं साथिन के मानदेय में वर्ष 2024 एवं 2025 में 10-10 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई। हमारी सरकार ने राज्य में एक हजार नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने, 2 हजार 365 मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र विकसित करने, आंगनबाडी केंद्रों पर मूलभूत सुविधा बढ़ाने, केंद्रों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपये स्वीकृत करने जैसे निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से प्रदेश के लगभग 40 लाख बच्चों और महिलाओं को माइक्रो न्यूट्रियंट फोर्टिफाइड पूरक पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, आंगनबाड़ी केंद्र पर आने वाले 3 से 6 वर्ष के बच्चों को सप्ताह में 5 दिवस गरम मीठा दूध उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना लागू की गई है।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। भारत वर्तमान में दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से एक है, जहां महिला राष्ट्राध्यक्ष हैं। साथ ही, नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संसद तथा विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, लखपति दीदी जैसी योजनाओं से महिलाएं सशक्त हो रही हैं। देशभर में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 3 करोड़ महिलाएं इस योजना के तहत लखपति दीदी बनी हैं। प्रधानमंत्री के नारी सशक्तीकरण के प्रयासों में राजस्थान भी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में महिला सशक्तीकरण के लिए निरंतर फैसले लिए गए हैं। राज्य में लखपति दीदी योजना के तहत 18 लाख 25 हजार महिलाओं को प्रशिक्षित कर 9 लाख 25 हजार लखपति दीदी बनाई गई हैं। प्रदेश में 450 रुपये में गैस सिलेंडर, मा वाउचर योजना के तहत निशुल्क सोनोग्राफी, लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत 2 लाख 46 हजार बालिकाओं को डेढ़ लाख रुपये का सेविंग बॉण्ड, करीब 33 हजार बेटियों को स्कूटी और साढ़े दस लाख से ज्यादा साइकिल वितरण जैसे योजन-ाओं एवं नवाचारों से महिलाओं को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, तीन महिला बटालियन, 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड, पुलिस थानों में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है।उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पूरी संवेद-नशीलता के साथ प्रदेश की महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रदेश की माताओं-बहनों के जीवन को सशक्त और समृद्ध बना रही है जिससे विकसित भारत-विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कुपोषित बच्चों के लिए स्किम्ड दूध की मात्रा 15 ग्राम से बढ़ाकर 25 ग्राम करते हुए दूध युक्त बालाहार प्रीमिक्स पैकेट का शुभारंभ किया। इस दौरान आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। समारोह में महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार, सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी बहनें मौजूद रहीं।

आंगनबाड़ी बहन सम्मान दिवस पर

आंगनबाड़ी बहनों के खातों में पहुंचा राखी का उपहार

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का किया सम्मान

टोंक, 05 अगस्त (एजेंसियां)। आंगनबाड़ी बहनों के सम्मान समारोह का राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जयपुर के बिड़ला सभागार में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को आयोजित किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से जिला मुख्यालय के कृषि ऑडिटोरियम में प्रसारण किया गया।इस अवसर पर विधायक राजेंद्र गुर्जर ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण एवं सुरक्षा को लेकर संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश एवं समाज की उन्नति के लिए महिलाओं का आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों को सुपोषित एवं शिक्षित करने के पहले केंद्र है। इसलिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। निवाई-पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि विकसित समाज के लिए यह आवश्यक है कि महिलाओं को समान अवसर मिले।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आंगनबाड़ी बहनों के प्रति सम्मान भाव रखते हुए बहनों के सुरक्षा, सम्मान के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस बार उन्होंने रक्षा बंधन के पर्व पर रोडवेज बसों में 2 दिन निःशुल्क यात्रा की सौगात दी है। सरकार महिलाओं के लिए हर क्षेत्र में सेवा, सुरक्षा और सशक्तिकरण की भावना के साथ कार्य कर रही है। जिला प्रमुख सरोज बंसल ने कहा कि महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। पिछले 18 माह में राज्य सरकार ने महिलाओं के कल्याण को केंद्र में रखकर अनेक योजनाएं धरातल पर उतारी है। बालिका शिक्षा, पोषण सरकार की प्राथमिकता में है।

कलेक्टर ने कहा कि रक्षा बंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिले में कार्यरत 2 हजार 951 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को राज्य सरकार की ओर से 501 रुपये (कुल 14 लाख 78 हजार 451) रुपये की राशि खातों में डीबीटी तथा सभी को छाता एवं मिठाई राखी के उपहार स्वरूप प्रदान की है।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक सरोज मीणा, महिला अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक मेरिंगटन सोनी, एसीईओ ललित कुमार समेत, ओमप्रकाश गुप्ता, निलिमा आमेरा, अंजली गुप्ता समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रही।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का किया सम्मान

अतिथियों ने विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा लाडो प्रोत्साहन योजना में बालिकाओं को लाडो बधाई संदेश एवं बेबी किट का वितरण किया गया।

सहकारी साख आंदोलन की कुशलता व मजबूती में नाबार्ड अपनी महती भूमिका निभाए : आमेरा

जयपुर, 05 अगस्त (एजेंसियां)। नाबार्ड राजस्थान क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर में नव पदस्थापित मुख्य महाप्रबंधक डा. आर रवि बाबू से ऑल राजस्थान कोआ-परेटिव बैंक एम्पलाईज यूनियन , ऑल राजस्थान कोआपरेटिव बैंक ऑफ़िसर्स एसोसिएशन , सहकारी साख समितियाँ एम्पलाईज यूनियन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष , सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा के नेतृत्व में यूनियन अध्यक्ष राकेश कुमार गुर्जर व पलाश कोचर ने नाबार्ड कार्यालय में प्रथम मुलाक़ात वार्ता की , सहकार नेता आमेरा ने पैक्स से अपैक्स तक प्रदेश के सहकारी कर्मियों की ओर से पुष्प गुच्छ के साथ अभिनंदन पत्र देकर बधाई शुभकामनाएँ प्रेषित की ।

आचार्य वर्धमान सागर महाराज को सरकार ने राजस्थान राज्य अतिथि का दर्जा प्रदान किए

टोंक, 05 अगस्त (एजेंसियां)। दिगंबर जैन समाज के पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी को राजस्थान सरकार ने एक बार फिर राजकीय अतिथि का दर्जा दिया है। 4 अगस्त 2025 को जारी पत्र में यह घोषणा की गई। यह सम्मान उन्हें टोंक में चल रहे 57वें वर्षायोग के दौरान दिया गया। इस आयोजन में वे 35 साधु-संतों के साथ विराजमान हैं। समाज में इस निर्णय से हर्ष और गौरव की लहर है।आचार्य श्री का जन्म 1950 में हुआ। 24 फरवरी 1969 को उन्होंने आचार्य धर्म सागर महाराज से मुनि दीक्षा ली। 24 जून 1990 को आचार्य अजीतसागर जी के आदेश से उन्हें आचार्य पद मिला। इससे पहले

भी वर्ष 2022 में राजस्थान सरकार ने उन्हें राजकीय अतिथि का दर्जा दिया था।

आचार्य श्री के सान्निध्य में अब तक तीन बार 1008 श्री बाहुबली भगवान का महामस्तकाभिषेक हो चुका है। ये आयोजन 1993, 2006 और 2018 में हुए। वर्ष 2022 में श्री महावीर जी क्षेत्र में 24 वर्षों के बाद श्री महावीर स्वामी का महामस्तकाभिषेक भी उनके सान्निध्य में सम्पन्न हुआ।

अनियमितताओं में लिप्त कार्मिकों के वित्तीय लेन-देन की शक्तियों पर लगाई जाए रोक : सहकारिता मंत्री

जयपुर, 05 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश के सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों की नियमित रूप से समीक्षा कर समयबद्ध रूप से उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरणों का एक माह के भीतर निस्तारण किया जाना चाहिए। साथ ही, इस प्रक्रिया में निरन्तर झूठी एवं आदतन शिकायत करने वाले लोगों को भी चिह्नित किया जाए।

दक मंगलवार को अपेक्स बैंक सभागार में मंत्री कार्यालय से प्रेषित किए जाने वाले जनसुनवाई प्रकरणों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने लम्बित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितताओं के प्रकरण में कोई कोताही नहीं बरती जाए। ऐसे प्रकरणों में दोषी कार्मिकों के साथ ही जांच में देरी करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध भी सख्त कार्यवाही की जाए। अनियमितताओं में लिप्त कार्मिकों के वित्तीय लेन-देन की शक्तियों पर रोक लगाने पर विचार किया जाए। साथ ही, एफआईआर दर्ज करवाने और आरोप पत्र जारी करने जैसी कार्यवाही भी समय पर की जाए। उन्होंने कहा कि गबन के प्रकरणों में नियमानुसार धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करवाने व सम्पत्ति अटैच करने की कार्यवाही की जाए।

हरियाणा के हजारों एकड़ खेत जलमग्न, हुड्डा ने सरकार से मांगा 50 हजार प्रति एकड़ मुआवजा

रोहतक, 05 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि भिवानी, रोहतक, हिसार, जींद, कुरुक्षेत्र और अंबाला सहित कई जिलों में हजारों एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हो चुकी है। उन्होंने इस समस्या के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। हुड्डा ने सरकार से जल्द से जल्द गिरदावरी करवाकर किसानों को प्रति एकड़ 50 हजार रुपये का मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने पत्रकार वार्ता में बताया कि केवल खेत ही नहीं, बल्कि शहरों में भी जलभराव की समस्या है क्योंकि सरकार ने बारिश से पहले नालों और ड्रेन्स की सफाई नहीं करवाई। उन्होंने कहा कि गंदगी के अंबार से बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है।

हुड्डा ने कहा कि आने वाले मानसून सत्र में कांग्रेस, कृषि संकट, कानून व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी और बढ़े हुए कलेक्टर रेट जैसे तमाम मुद्दों को उठाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने कलेक्टर रेट में 10 से 145 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करके जमीनों के दाम आसमान पर पहुंचा दिए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री

ने भाजपा सरकार पर कौशल विकास निगम के कर्मचारियों और राशन कार्ड धारकों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले भाजपा ने कौशल कर्मियों को पक्का करने का दावा किया था, लेकिन अब नौकरी से निकाला जा रहा है।

उन्होंने बीपीएल राशन कार्डों में करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के बाद हजारों परिवारों के कार्ड काटे जा रहे हैं। हुड्डा ने प्रदेश से उद्योगों के पलायन पर भी चिंता जताई और कहा कि यमुनानगर का प्लाईवुड और पानीपत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री बंद होने की कगार पर है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन साल में 90 से ज्यादा चावल मिलें भी मध्य प्रदेश शिफ्ट हो चुकी हैं।हुड्डा ने इसका कारण प्रदेश में बढ़ते अपराध को बताया और कहा कि हरियाणा अपराध के मामले में नंबर वन बन चुका है। इसी बीच, सांसद दीपेन्द्र हुड्डा से मेवात संयुक्त संघर्ष समिति का एक प्रतिनिधिमंडल मिला और बूचड़खानों की अनियंत्रित वृद्धि को लेकर ज्ञापन सौंपा।

राहुल गांधी विवाद: राष्ट्रहित में सवाल पूछना हर सांसद का कर्तव्य है : सैलजा

सिरसा, 05 अगस्त (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वही प्रश्न उठाए हैं जो इस देश की जागरूक जनता के मन में हैं। हर देशवासी सोचता है कि संसद उसकी समस्याओं को दूर करेगा, सांसद उन समस्याओं पर मंथन कर हल निकालेंगे। जनता की आवाज को संसद में उठाना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है, न कि अपराध। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि यदि चीन बार-बार भारत की अखंडता, एकता और संप्रभुता को चुनौती देता है, तो लोकतंत्र में यह हमारा राष्ट्र धर्म बनता है कि हम सरकार से सदन के भीतर और बाहर सवाल पूछें।

सांसद ने कहा कि जैसा कि डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कहा था- अगर सड़के खामोश हो जाएं तो संसद आवारा हो जाएगी। यह कथन आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। जनता की आवाज को संसद में उठाना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है, न कि अपराध। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी का यह साहसिक कदम बताता है कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, राष्ट्र की सुरक्षा और जनसंप्रभुता के मूल मूल्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सांसद ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल ही जनचेतना के प्रतीक होते हैं। सांसद ने कहा कि सरकार से जवाबदेही मांगना कोई राष्ट्रविरोध नहीं बल्कि राष्ट्र के प्रति गहन प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सैलजा ने केंद्र सरकार से अपील की कि वह विपक्ष की आवाज को दबाने के बजाय उसे सुने और देशहित में पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करे।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा के विभिन्न जिलों से आ रही रिपोर्टों में सामने आया है कि राज्य के कई सरकारी स्कूलों की हालत अत्यंत जर्जर, असुरक्षित और शिक्षा के अनुकूल नहीं है। यह स्थिति प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की अनदेखी और सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाती है। यह अत्यंत दुखद है कि जिन स्कूलों में हरियाणा के पहले मुख्यमंत्री भगवत दयाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल जैसे सम्मानित नेता पढ़े, वहां आज पानी भर रहा है, दीवारें टपक रही हैं और कक्षाएं जर्जर भवनों में चल रही हैं। यह राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर सीधा प्रश्नचिह्न है।

राम रहीम 40 दिन की पैरोल पर रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर आया

रोहतक , 05 अगस्त (एजेंसियां)। बलात्कार और हत्या के दोषी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को एक बार फिर हरियाणा की रोहतक जेल से पैरोल पर रिहा किया गया है। इस साल उसकी यह तीसरी और 2017 में सजा मिलने के बाद से 14वीं बार रिहाई है। पिछली बार पैरोल सिर्फ तीन महीने पहले मिली थी और इस बार यह 40 दिनों की है।

राम रहीम की यह रिहाई उनके जन्मदिन के आसपास होने के चलते चर्चा में है, जो 15 अगस्त को है। इससे पहले, राम रहीम को अप्रैल में 21 दिनों की फरलो और जनवरी में 30 दिनों की पैरोल दी गई थी। राम रहीम रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहा है। फिलहाल, 40 दिन की पैरोल पर बाहर आया राम रहीम अपने सिरसा डेरा में रहेगा, जो 2017 में बलात्कार के मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद तीसरी बार यहां जाएगा। इस बार सजायाफ्ता राम रहीम को सिरसा के डेरा सच्चा सौदा आश्रम में रहने की अनुमति मिली है। इससे पहले, डेरा प्रमुख को उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में स्थित शाह सतनाम आश्रम, बरनावा में रहने की इजाजत दी जाती थी, लेकिन सिरसा जाने की अनुमति नहीं थी।

राम रहीम को अगस्त 2017 में दो महिला अनुयायियों के साथ बलात्कार के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। इस सजा के बाद पंचकूला और सिरसा में भयंकर हिंसा हुई थी, जिसमें 40 के आसपास लोग मारे गए थे। 2019 में पंचकूला की एक विशेष सीबीआई अदालत ने उसे पत्रकार रामचंद्र की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा भी सुनाई थी। हालांकि, राम रहीम की पैरोल पर लगातार आपत्तियां उठती रही हैं। पत्रकार रामचंद्र के बेटे अंशुल छत्रपति हर बार उनकी रिहाई पर विरोध जताते आए हैं। इससे पहले, पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने राम रहीम को अपनी गोद ली हुई बेटियों की शादी में शामिल होने के लिए पैरोल देने से इनकार कर दिया था।

तकनीकी शिक्षा के लिए पंजाब-राजस्थान के मुकाबले तीन गुणा ज्यादा फीस वसूल रही हरियाणा सरकार : चौटाला

चंडीगढ़, 05 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले 23 सालों से जननायक जनता पार्टी की छात्र इकाई इनसो ने हरियाणा के साथ-साथ दिल्ली, राजस्थान, चंडीगढ़ में अपनी अलग पहचान बनाई है। अन्य राजनीतिक दलों में युवाओं का सिर्फ अपने मतलब के लिए प्रयोग किया जाता है, लेकिन इनसो से जुड़े आम परिवार के युवाओं को राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिला है। इनसो निरंतर युवाओं की आवाज बुलंद करती आ रही है और अब युवाओं को मौजूदा हालातों को समझकर बदलाव की ओर आगे बढ़ना होगा। यह बात जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं इनसो संस्थापक डॉ. अजय सिंह चौटाला ने इनसो के 23वें स्थापना दिवस पर आयोजित 'सामाजिक सरोकार दिवस' कार्यक्रमों में कही। अजय चौटाला ने कहा कि आज देश और प्रदेश के हालात सबके सामने है कि कैसे मनमाने फैसले लेकर सरकार जनता को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि रातों-रात देश के उपराष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ता है। डॉ. चौटाला ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में केवल डमी सीएम बनाए गए है। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि तमाम परिस्थितियों को देखते हुए व्यवस्था बदलने की जरूरत है और युवा बदलाव लाने की

दिशा में आगे बढ़े।

पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि इनसो ने अपने स्थापना दिवस पर आम लोगों के हित के विषयों पर प्रदेशभर में सामाजिक कार्यक्रम किए है। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि साल 2025-26 में इनसो सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में सस्ती और अच्छी शिक्षा व्यवस्था स्थापित करवाने का प्रयास करे ताकि युवाओं पर शिक्षा ग्रहण करने में आर्थिक बोझ न पड़े। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा में उच्च शिक्षा की बेहतरी के लिए वे जल्द महामहिम राज्यपाल से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि आज पंजाब और राजस्थान में तकनीकी शिक्षा की फीस बेहद कम है, लेकिन इन दोनों राज्यों के मुकाबले हरियाणा के विद्यार्थियों से सेल्फ फाइनेंसिंग के नाम पर तीन गुणा ज्यादा 30 हजार की जगह 90 हजार रुपए तक फीस वसूली जा रही है। इतना ही हरियाणा के विद्यार्थियों के फंड में भी निरंतर कटौती की जा रही है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि इन विषयों के अलावा वे प्रत्यक्ष रूप से छात्र संघ चुनाव करवाने के मुद्दे को भी राज्यपाल के समक्ष उठाएंगे। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यं चौटाला ने पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। भिवानी के चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में इनसो के सामाजिक कार्यक्रम की अनुमति नहीं देने पर जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कड़ी आपत्ति जाहिर की और इनसो कार्यकर्ताओं के साथ विश्वविद्यालय गेट के बाहर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए गिरफ्तारी दी।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

शिक्षक भर्ती में आवासीय दिखाकर नहीं मिलेगा डोमिसाइल का लाभ

बिहार कैबिनेट ने क्या लिया फैसला?

पटना (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले दिनों राज्य में पहली बार डोमिसाइल नीति पर सीधे एलान कर दिया था। शुरुआत उन्होंने शिक्षा विभाग से की। बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से ली जाने वाली शिक्षक भर्ती परीक्षा - 4 से डोमिसाइल नीति लागू करने का उन्होंने एलान किया था। उस एलान के साथ यह बात चल निकली थी कि अब बिहार का डोमिसाइल सर्टिफिकेट बनवाने वालों की बाढ़ आएगी, क्योंकि नौकरी में इससे प्राथमिकता मिलेगी। लेकिन, बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने राज्य मंत्रिपरिषदब की बैठक में इस पॉलिसी पर मुहर लगाते समय साफ किया कि जिनके पास बिहार के शिक्षण संस्थान से मैट्रिक या इंटर का प्रमाणपत्र होगा, उन्हें ही इस नीति का लाभ मिलेगा।

अगस्त की पहली कैबिनेट बैठक में मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने 36 फैसलों पर सहमति जताई। इसमें शिक्षक भर्ती के लिए डोमिसाइल नीति के प्रस्ताव पर मुहर लगाना एक अहम बिंदु था। इस प्रस्ताव में लिखा गया है- 'बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक (नियुक्ति, स्थानान्तरण, अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवाशत) (संशोधन) नियमावली, 2025 के गठन के उपरांत बिहार राज्य से शैक्षणिक अर्हता प्राप्त अभ्यर्थी विद्यालय अध्यापक के पद पर अधिक संख्या में नियुक्त हो सकेंगे।' मतलब साफ है कि बिहार में पढ़ने वालों को ही शिक्षक भर्ती परीक्षा में प्राथमिकता मिलेगी। यानी, डोमिसाइल के नाम पर जो आरक्षण जैसी सुविधा मिलेगी, उसके लिए बिहार की शैक्षणिक इकाई का प्रमाणपत्र ही मान्य होगा।

पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर एलान किया था कि शिक्षकों की बहाली में बिहार के निवासियों (डोमिसाइल) को प्राथमिकता देने हेतु शिक्षा विभाग को संबंधित नियम में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया है।

शिक्षक भर्ती परीक्षा के चौथे चरण (टीआरई-4) से ही इसे लागू करने की बात कही गई थी। सीएम ने लिखा था कि वर्ष 2025 में टीआरई-4 एवं वर्ष 2026 में टीआरई-5 का आयोजन किया जाएगा। टीआरई-5 के आयोजन के पूर्व एसटीईटी का आयोजन करने का भी निर्देश दिया गया है। अब कैबिनेट ने मुख्यमंत्री के उसी एलान पर मुहर लगाई है और एक पंक्ति में स्पष्ट कर दिया है कि आवासीय प्रमाणपत्र बनवाने से कोई बिहार का निवासी नहीं हो जाएगा, बल्कि यहां पढ़ने वालों को ही इसका लाभ मिलेगा।

खगड़िया नगर थाना में रिश्वतखोरी का भंडाफोड़

महिला सब इंस्पेक्टर और चौकीदार रंगे हाथ गिरफ्तार

खगड़िया (एजेंसियां)। जिले के पुलिस महकमे को शर्मसार करने वाली एक बड़ी कार्रवाई में निगरानी विभाग की टीम ने नगर थाना में पदस्थापित एक महिला सब इंस्पेक्टर और एक चौकीदार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़ी गई महिला अधिकारी की पहचान सब इंस्पेक्टर सीमा कुमारी के रूप में हुई है, जबकि गिरफ्तार चौकीदार का नाम वीरू पासवान बताया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो को दोनों आरोपियों के खिलाफ घूसखोरी की शिकायत पहले से मिल रही थी।

इसी सूचना के आधार पर मंगलवार को जाल बिछाया गया और जैसे ही दोनों ने रिश्वत की राशि स्वीकार की, टीम ने मौके पर ही उन्हें धर दबोचा।

गिरफ्तारी के बाद दोनों को निगरानी विभाग की टीम पटना ले गई है, जहां उनसे आगे की पूछताछ की जा रही है। फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर पुलिस मुख्यालय या जिला पुलिस प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इस घटना के बाद खगड़िया जिले के पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है, और आम लोगों में भी इस मामले को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।

पटना सिटी में निजी नर्सिंग होम संचालक के घर 20 लाख की चोरी

पटना (एजेंसियां)। पटना सिटी के मालसलामी थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटी नगला स्थित आदर्श नगर सेक्टर में सोमवार देर रात चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। निजी नर्सिंग होम संचालक अमित रंजन के घर में आठ की संख्या में आए चोरों ने करीब 20 लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी चोर मौके से फरार हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना की सूचना पर मालसलामी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। जांच में तकनीकी सहायता के लिए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) की टीम को भी बुलाया गया है।

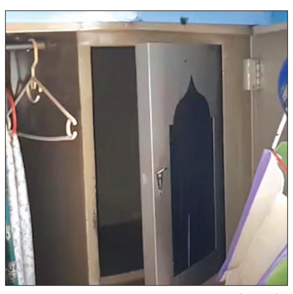

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नर्सिंग होम संचालक अमित रंजन की पत्नी और बच्चे सोमवार रात घर में सो रहे थे। इसी दौरान लगभग आठ की संख्या में रहे चोर मकान के पीछे की खिड़की का ग्रिल काटकर अंदर घुसे और बड़ी ही सफाई से अलमारियों से 10 लाख रुपये नकद और करीब 10 लाख रुपये मूल्य की ज्वेलरी चोरी कर ली।

वारदात के दौरान किसी को भनक तक नहीं लगी। चोरों ने घर के एक कमरे के बाहर से दरवाज़ा बंद कर दिया था, जिससे अंदर सो रही महिला बाहर नहीं निकल सकीं। इसी बीच फ्रिज से अलार्म बजने की आवाज़ सुनकर महिला की नींद खुली और उन्होंने देखा कि बाहर से दरवाज़ा बंद है। घबराहट में उन्होंने तुरंत अपने पति को फोन कर चोरी की आशंका जताई।

पति अमित रंजन द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पुलिस और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष सुनील कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच शुरू कर दी है। डीएसपी डॉ. गौरव कुमार ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और बताया कि घर के दरवाज़े को बाहर से बंद किया गया था, जिससे चोरों को आराम से वारदात को अंजाम देने का मौका मिला। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस चोरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। वहीं एफएसएल की टीम ने मौके से फिंगरप्रिंट और अन्य साक्ष्य एकत्र किए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है।

सीआरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र में 218 रिक्रूट्स का दीक्षांत समारोह संपन्न, अब देश सेवा के लिए तैयार

पटना

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के राजगीर स्थित प्रशिक्षण केंद्र में मंगलवार को 218 नवप्रशिक्षित जवानों का दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। छह महीने की कठोर प्रशिक्षण अवधि के सफल समापन के बाद ये रिक्रूट्स अब देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा बनेंगे। इनमें 193 पुरुष और 25 महिला रिक्रूट शामिल हैं।

समारोह के मुख्य अतिथि, कमांडेंट-सह-मुख्य प्रशिक्षण अधिकारी विनय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि प्रशिक्षण का आरंभ 3 फरवरी 2025 को हुआ था। इस दौरान जवानों को शारीरिक दक्षता के साथ-साथ मानसिक रूप से भी तैयार किया गया। उन्हें आधुनिक युद्ध कौशल, हथियारों की जानकारी, नजदीकी युद्ध तकनीक, पुलिसिंग के आधुनिक तौर-तरीकों, साइबर सुरक्षा, कंप्यूटर बेसिक्स और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में भी प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान भारतीय संविधान, नागरिक सुरक्षा कानून, मानवाधिकार, और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अधिनियमों का गहन अध्ययन कराया गया। इसके अलावा, मोटर वाहन अधिनियम 1988, केंद्रीय मोटर वाहन नियमावली 1989, बिहार मोटर गाड़ी नियमावली 1992 व 1994, दंड प्रक्रिया संहिता, और कर्नाटक प्रोटेक्शन एक्ट जैसे कानूनी प्रावधानों की भी विस्तार से जानकारी दी गई।

कमांडेंट विनय कुमार त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि रिक्रूट्स अब देश की सुरक्षा की प्रथम पंक्ति का हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने कहा आपका प्रशिक्षण आपको केवल शारीरिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी दृढ़ बनाता है। अब आपका कर्तव्य है कि आप देश की सेवा पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करें। उन्होंने नवप्रशिक्षित सिपाहियों से सामाजिक चुनौतियों, उग्रवाद, और बदलती युद्ध प्रणालियों से निपटने के लिए सदैव तत्पर रहने की अपील की।

समारोह में रिक्रूट्स के परिवारजनों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि यह सफलता केवल जवानों की नहीं, बल्कि उनके परिवारों की भी है जिन्होंने अपने बच्चों को देश सेवा के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर राज मंगल भक्ता, उप कमांडेंट (प्रशिक्षण) आर/90 केंद्र, डॉ. सुनीता कुमारी (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), देवेंद्र सिंह, अमित कुमार, और चंदन कुमार तिवारी (सभी सहायक कमांडेंट) समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी, स्टाफ सदस्य और अभिभावक उपस्थित थे।

नालंदा दौरे पर पहुंचे सीएम नीतीश कुमार

कई विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास और उद्घाटन

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मंगलवार को नालंदा जिले के राजगीर में कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। वे हवाई मार्ग से 3:30 बजे राजगीर पहुंचें। उनके साथ दोनों उपमुख्यमंत्री भी मौजूद रहें। वहीं, मुख्यमंत्री इस दौरान एशिया अंडर-20 रग्बी सेवेंस चैम्पियनशिप की तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे।

कार्यक्रम की शुरुआत बेलौवा गांव के निकट होने वाले समारोह से हुई, जहां मुख्यमंत्री ने 862 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सालेपुर-नूरसराय-अहियापुर-सिलाव-राजगीर फोरलेन हाईवे परियोजना का शिलान्यास किया। साथ ही, वे 81 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से निर्मित राजगीर रोड ओवरब्रिज (आरओबी) का उद्घाटन भी करेंगे। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, इस फोरलेन के निर्माण से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और पर्यटकों व खिलाड़ियों के लिए राजगीर तक पहुंचना आसान होगा।

बता दें कि मुख्यमंत्री शिलान्यास के बाद बिहारशरीफ-राजगीर मार्ग पर बने आरओबी का उद्घाटन करेंगे। इसके चालू हो जाने से स्थानीय निवासियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी। उद्घाटन के साथ ही पुल आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री राजगीर खेल परिसर पहुंचकर 8 से 10 अगस्त तक आयोजित होने वाली एशिया अंडर-20 रग्बी सेवेंस चैम्पियनशिप की तैयारियों का जायजा लेंगे। भारत की महिला व पुरुष टीमें पहले से ही राजगीर पहुंच चुकी हैं, जबकि अन्य देशों की टीमें 7 अगस्त को पहुंचेंगी। खेल विभाग के अनुसार, 8 अगस्त को भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित होगा, जबकि मुख्य प्रतियोगिताएं 9 और 10 अगस्त को होंगी। मुख्यमंत्री खिलाड़ियों से भेंट कर उन्हें प्रोत्साहित भी करेंगे।

आज के कार्यक्रम में एक अन्य प्रमुख बिंदु रॉयल भूटान मॉनेस्ट्री का निरीक्षण भी शामिल है। यह मॉनेस्ट्री हॉकी मैदान के पीछे वैतरणी नदी के तट पर स्थित है और भूटान सरकार के सहयोग से बन रही है। वर्ष 2009 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस परियोजना के लिए भूटान सरकार को ढाई एकड़ भूमि दान में दी थी। 2018 में उन्होंने स्वयं इस परियोजना का शिलान्यास किया था। उस समय हजारों भूटानी नागरिकों के साथ भूटान की महारानी और धार्मिक गुरु खेनपो भी उपस्थित थे।

मॉनेस्ट्री में भगवान बुद्ध की 70 फीट ऊंची मंदिर संरचना के भीतर 10 फीट की प्रतिमा स्थापित की गई है। इसके चारों कोनों पर भूटान के चार संरक्षकों की मूर्तियां भी लगाई गई हैं। दो गेस्ट हाउसों में कुल 74 कमरे और डॉर्मिटरी सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। इसके औपचारिक उद्घाटन की संभावना दिसंबर 2025 में जताई जा रही है।

रोड नहीं तो वोट नहीं... औरंगाबाद के ग्रामीणों ने किया चुनाव बहिष्कार का एलान

औरंगाबाद (एजेंसियां)। बिहार में जहां एक ओर मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों के बीच समर्थन और विरोध जारी है, वहीं अब मतदाता भी अपने मुद्दों को लेकर खुलकर सामने आने लगे हैं। औरंगाबाद जिले से एक ऐसी ही चौंकाने वाली खबर आई है, जहां रफीगंज प्रखंड के गोरडीहा पंचायत अंतर्गत कुंवर बिगहा गांव के ग्रामीणों ने सड़क नहीं बनने पर विधानसभा चुनाव के बहिष्कार का ऐलान कर दिया है। ग्रामीणों के इस फैसले ने सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि अब राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि ग्रामीणों को मनाने गांव पहुंच सकते हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि आजादी के बाद से अब तक उनके गांव में कभी सड़क नहीं बनी। गांव के समाजसेवी और पंचायत प्रतिनिधि राजेश कुमार यादव, राजद के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष विजय यादव, सुरेंद्र यादव, गुणेश दास, शैलेंद्र दास, परशुराम यादव, राज कुंडल दास, मोहम्मद साजिद, जितेंद्र दास, मोहम्मद आफताब, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद फारूक, रामाशीष यादव, मोहम्मद अरमान, मोहम्मद मुर्तुजा, रामेश्वर दास, रामजी यादव, आशीष यादव, सूरज दास, चंदन दास और पुरुषोत्तम दास सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने इस मुद्दे पर गहरा आक्रोश जताया।

ग्रामीणों ने बताया कि कुंवर बिगहा को रफीगंज-इस्माइलपुर-गया मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली करीब 2.5 किलोमीटर लंबी सड़क वर्षों से जर्जर हालत में है। हालत ये है कि अब उस पर न वाहन चल पाते हैं, न साइकिल और न ही पैदल चलना मुमकिन है। यह सड़क कई गांवों जैसे गौसपुर, प्राणपुर, पाती, मदारपुर और कासमा को जोड़ती है।

बरसात के मौसम में इस सड़क पर एक से दो फीट तक पानी और कीचड़ जमा हो जाता है। इससे न केवल आम लोगों का चलना मुश्किल हो जाता है, बल्कि स्कूली बच्चों को भी काफी दिक्कतें होती हैं। बच्चे अपने जूतों को कीचड़ से बचाने के लिए प्लास्टिक लपेट कर स्कूल आते-जाते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि जब किसी मरीज की तबीयत बिगड़ती है, तो उसे गांव से रफीगंज तक ले जाना बेहद कठिन हो जाता है। जनप्रतिनिधि चुनाव के समय वोट मांगने तो आते हैं, लेकिन जीतने के बाद गांव की तरफ मुड़कर भी नहीं देखते।

इस नाराजगी के बीच ग्रामीणों ने चुनाव बहिष्कार का एलान करते हुए 'रोड नहीं तो वोट नहीं' का नारा बुलंद किया। उनका कहना है कि जब तक गांव में पक्की सड़क नहीं बनेगी, तब तक वे वोट नहीं देंगे। यह गांव यादव, मुस्लिम और दलित बहुल है और यहां के लोग लंबे समय से राजद के कोर वोटर माने जाते हैं। रफीगंज से दो बार विधायक रहे राजद नेता मो. नेहालुद्दीन को यहां से हमेशा भारी समर्थन मिलता रहा है। ग्रामीणों का यह रुख विधायक की राजनीतिक जमीन को कमजोर कर सकता है।

ऐसा माना जा रहा है कि अब विधायक मो. नेहालुद्दीन ग्रामीणों को मनाने के लिए कुंवर बिगहा पहुंच सकते हैं। दूसरी ओर, पूर्व विधायक और जदयू जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह तथा लोजपा (रामविलास) से टिकट के दावेदार प्रमोद सिंह भी गांव का रुख कर सकते हैं और लोगों को भरोसा दिला सकते हैं कि यदि उन्हें मौका मिला, तो वे गांव में सड़क बनवाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com